फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

फरीदाबाद, बुधवार 2 सितंबर 2026

दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है
1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी
सम्पर्क करें- 9811157562
समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 16 अंक : 242 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

संक्षिप्त समाचार

थलपति विजय ने खुद खोले मेट्टूर बांध के द्वार

- 45 दिनों में कावेरी नदी का पानी 12 जिलों के किसानों तक पहुंचेगा

सलेम (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को कावेरी डेल्टा के जिलों में सिंचाई के लिए मेट्टूर स्थित स्टेनली जलाशय के जल निकासी द्वार खोले और पानी छोड़ा। विजय ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों की मौजूदगी में एक बटन दबाकर जलाशय के द्वार खोले। इसके बाद उन्होंने तेज बहाव के साथ

निकल रहे पानी पर फूल बरसाकर कावेरी नदी का पानी छोड़े जाने की शुरुआत की। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहली बार है जब विजय ने ऐतिहासिक मेट्टूर बांध के द्वार खोले हैं। यह बांध राज्य के डेल्टा क्षेत्रों के किसानों के लिए जीवनरेखा माना जाता है। उन्होंने बांध परिसर में किसानों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। किसानों और कृषि के प्रतीक माने जाने वाले हरे रंग का शॉल पहने विजय ने किसानों से बातचीत भी की। चेन्नई से विशेष विमान से यहां पहुंचने के बाद विजय सड़क मार्ग से मेट्टूर पहुंचे। मेट्टूर की ओर जाते समय उन्होंने रोड शो किया, लोगों का अभिवादन किया और हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। बड़ी संख्या में लोग सड़क के दोनों ओर खड़े होकर मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए उनका इंतजार कर रहे थे।

सोनिया गांधी की बुक 'बिलॉन्गिंग' पर पेंगुइन का यू-टर्न

- बताई पूरी बात, 10 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज होनी है किताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोनिया गांधी की लॉन्ग अवेटिड किताब 'बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव' भारत में छपने से पहले ही विवादों में आ गई है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने अब साफ किया है कि किताब के प्रकाशन से पीछे हटने के पीछे किसी तरह का बाहरी या सरकारी दबाव नहीं था। प्रकाशक के मुताबिक, लेखक

की टीम और प्रकाशक के बीच एक खास मुद्दे पर सहमति नहीं बन सकी थी। यह किताब सोनिया गांधी के इटली में बचपन से लेकर राजीव गांधी से उनके रिश्ते, नेहरू-गांधी परिवार में उनके आने, परिवार में हुए बड़े व्यक्तिगत दुखों और भारत के साथ उनके रिश्ते की कहानी बताती है। किताब को एक अमेरिकी प्रकाशन हाउस अल्फ्रेड ए नॉफ 10 नवंबर को दुनिया भर में जारी करेगा। हालांकि, भारत में इसे कौन प्रकाशित करेगा, यह अभी साफ नहीं है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया की प्रवक्ता पल्लवी नारायण ने कहा कि कंपनी इस किताब को प्रकाशित करने के लिए काफी उत्सुक थी।

घर-दुकान सब बंद करके जाइए, पानी बढ़ने वाला है

चित्रकूट में डीएम और एसपी कर रहे हैं अनाउंस

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी और एमपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज और गोरखपुर समेत 35 जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। लखनऊ में दोपहर 2 बजे अचानक अंधेरा छा गया। फिर तेज बारिश शुरू हो गई। कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। इधर, लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। रामघाट समेत आसपास के इलाकों की सड़कों पर नदी का पानी घुटनों से ऊपर बह रहा है। 500 दुकानों और 20-25 होटलों में पानी घुस गया है। प्रदेश में मूसलाधार बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का मुख्यमंत्री योगी ने संज्ञान लिया है। उन्होंने वरिष्ठ अफसरों को खुद ग्राउंड पर उतरने को कहा है।

लाउडस्पीकर से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील

डीएम पुलकित गर्ग और एसपी अरुण कुमार सिंह खुद सड़कों पर उतरे। लाउडस्पीकर से लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। एसपी ने अनाउंसमेंट करते हुए कहा, मध्य प्रदेश में जोरदार बारिश हो रही है। आप सभी लोग अपने घर और दुकानें बंद कर सुरक्षित स्थानों पर चले जाइए, पानी फिर से बढ़ने वाला है। वहीं, काशी में भी गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। मणिकर्णिका घाट जलमग्न हो गया है। शवदाह गृह जाने वाला रास्ता डूब चुका है। लोग घुटनों तक पानी में अर्थी लेकर पहुंचने को मजबूर हैं। 50 फीट ऊंचा रत्नेश्वर महादेव मंदिर 95 फीसदी तक डूब गया है।

मोदी की फिर अपील, जरूरत नहीं हो तो सोना अभी न खरीदें

- वैश्विक संकट में भारत की जीडीपी 7.8 फीसदी दर से बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8 फीसदी रहने पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा

- पीएम मोदी ने कहा- यह देशवासियों की मेहनत का नतीजा है

कि यह उपलब्धि देशवासियों की इच्छाशक्ति, मेहनत और सामूहिक ताकत का नतीजा है। पीएम ने एक बार फिर लोगों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदना चाहिए।' इससे पहले 11 मई को भी पीएम ने देशवासियों से सोना नहीं खरीदने की अपील की थी।

पीएम मोदी ने कहा- देश के अंदर कुछ लोग निराशा फैलाने और झूठ की गूंज के सहारे माहौल खराब करने में लगे हैं। इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए भारत ने 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। देश को यही रफ्तार बनाए रखनी होगी और आगे भी तेजी से विकास करना होगा। उन्होंने कहा, विदेश में घूमने के लिए यात्राएं करने और विदेश में शादी करने से बचना चाहिए। लोगों को मेक इन इंडिया के मंत्र के साथ आगे बढ़ना चाहिए। पीएम ने यह भी कहा, जितना ज्यादा स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया जाएगा, भारत उतनी ही मजबूती से आगे बढ़ेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि जब भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब देश की युवा पीढ़ी को एक विकसित भारत सौंपा जाएगा।

ममता की भतीजी का शव मिला, सुसाइड की आशंका

- शिक्षक भर्ती घोटाले में चली गई थी नौकरी, 3 सालों से डिप्रेशन में थीं

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भतीजी ब्रिष्टि मुखर्जी ने मंगलवार को बीरभूम के कुसुम्बा गांव में सुसाइड कर लिया। ब्रिष्टि, ममता के चचेरे भाई और तृणमूल नेता निहार मुखर्जी की बेटी थीं। शुरुआती तौर पर माना जा रहा

है कि ब्रिष्टि ने सुसाइड किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल, 2024 को अवैध रूप से प्राप्त सभी 25,753 नौकरियां रद्द कर दी थीं। साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया था कि जो लोग लंबे समय से अवैध तरीके से काम कर रहे हैं, उन्हें ब्याज समेत सैलरी लौटानी होगी। पश्चिम बंगाल सरकार ने 2016 में स्टेट लेवल सिलेक्शन टेस्ट-2016 के जरिए सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ की भर्ती की थी। तब 24,640 रिक्त पदों के लिए 23 लाख से अधिक लोगों ने भर्ती परीक्षा दी थी। इस भर्ती में 5 से 15 लाख रुपए तक की घूस लेने का आरोप है। मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट को कई शिकायतें मिली थीं। भर्ती में अनियमितताओं के मामले में सीबीआई ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी और एसएससी के कुछ अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। अर्पिता पेशे से मॉडल थीं।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट की सभी एफआईआर रद्द

- सुप्रीम कोर्ट का फैसला, नई एफआईआर भी दर्ज नहीं होंगी

कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर का मार्च वापस लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन से जुड़ी सभी एफआईआर को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल किया। हालांकि सरकार ने यह भी कहा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के डेटाबेस के मुताबिक, दिल्ली में क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले 2,873 व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा जारी रहेगा। जांच केवल शारीरिक क्षति या संपत्ति को नष्ट करने के अपराधों तक ही सीमित रहेगी। सुनवाई से पहले कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर के मार्च को वापस लेने का फैसला किया है। प्रवक्ता सौरव ने बताया कि केंद्र ने उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बाद सीजेपी नेताओं से किए गए तीनों वादे पूरे करने के लिए सरकार वचनबद्ध है।

सरकार अपने तीनों वादों को पूरा करने को प्रतिबद्ध

केंद्र और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केंद्र, सीजेपी के नेताओं के साथ हुई बैठक में दिए गए तीनों आश्वासनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। पहला आश्वासन यह था कि केंद्र 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच दर्ज एफआईआर पर आगे कोई कार्रवाई नहीं करेगा। दूसरा वादा यह दिया गया कि इस मामले में कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी। तीसरा भरोसा यह था कि सरकार उन छात्रों के परिवारों को मुआवजा देगी जिन्होंने कथित तौर पर आत्महत्या की थी।

नेपाल में हाहाकार फिर से बाढ़ का अलर्ट

- नदियों का जलस्तर बढ़ा, मौत का आंकड़ा 1 हजार के पार, सरकार ने चौकसी बढ़ाई

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में नदियों का जलस्तर बढ़ने के बाद 7 जिलों में बाढ़ का नया अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा, तनहूं, नवलपरासी और चितवन जिलों में नदियों के किनारे बसे इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। 26 अगस्त को तिब्बत में ग्लेशियर टूटने के बाद नेपाल के कई इलाकों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन हुआ। इस आपदा में मौत का आंकड़ा 1 हजार के पार हो चुका है। नेपाल में 1003 और तिब्बत में 16 लोगों की मौत हुई है। चितवन में अब तक सबसे ज्यादा 321 शव बरामद हुए हैं।

चीन नेपाल में डीएनए जांच विशेषज्ञ भेजेगा

चीन नेपाल में डीएनए जांच करने वाले विशेषज्ञों की टीम भेजेगा। इसका मकसद बाढ़ में मारे गए उन लोगों की पहचान करने में मदद करना है, जिनकी पहचान नहीं हो पा रही है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। चीन नेपाल को डीएनए जांच के उपकरण, ड्रोन और पानी साफ करने के उपकरण समेत जरूरी सामान भी भेजेगा।

इंदौर हनीट्रैप केस में चार्जशीट दाखिल

- जेल में बंद श्वेता जैन ही है गिरोह की मास्टरमाइंड

इंदौर (एजेंसी)। शराब कारोबारी को हनी ट्रैप में फंसाकर एक करोड़ रुपए की डिमांड करने के मामले में सभी आरोपी जेल में बंद हैं। अब आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस चार्जशीट में कई खुलासे हुए हैं। साथ ही यह भी साफ है कि इस हनीट्रैप गैंग की मास्टरमाइंड श्वेता जैन ही है। दरअसल, श्वेता जैन, रेशू चौधरी और अलका दीक्षित समेत अन्य आरोपियों ने इंदौर के शराब कारोबारी चिंटू को हनी ट्रैप की जाल में फंसाया था। इसके बाद एक करोड़ रुपए की डिमांड कर रहे थे। आरोपी शराब करोबारी को लगातार धमका रहे थे। इसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार किया था।

जेल से बाहर आकर बनाई नई गैंग- चार्जशीट पिछले सप्ताह दाखिल हुई थी। इसके अनुसार इस पूरे गैंग की मास्टरमाइंड श्वेता जैन ही है। श्वेता जैन पहले भी हनी ट्रैप मामले में जेल जा चुकी है। जेल से निकलने के बाद श्वेता जैन ने एक अलग से गैंग बनाई है। इस गैंग में रेशू और अलका दीक्षित समेत अन्य लोगों को शामिल किया। श्वेता जैन और उसके गिरोह के लोगों के टारगेट पर नेताओं, प्रॉपर्टी और शराब कारोबारियों के साथ बड़े बिजनेसमैन थे।

भारत को बड़ा ऑफर देने की तैयारी में रूस

एस-500 से एसयू-57 जेट तक भारत के लिए खोला हथियारों का पिटारा

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस भारत को एसयू-57 स्टील्थ लड़ाकू विमान और एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम बेचने के लिए बहुत बड़ा प्रस्ताव देने की तैयारी कर रहा है। सोमवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात हुई। यह मुलाकात नई दिल्ली में इस महीने दोनों नेताओं की होने वाली बैठक से कुछ दिन पहले हुई है। इस बीच मॉस्को अपने दो सबसे एडवांस्ड हथियार सिस्टम एस-500 प्रोमेथियस एयर डिफेंस एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम और एसयू-57 फेलन स्टील्थ फाइटर को लेकर बहुत बड़ी पेशकश की तैयारी करने जा रहा है। यह नई पहल ऐसे समय में हो रही है जब भारत अपने एयर डिफेंस सिस्टम और लड़ाकूविमानों की ताकत को तेजी से मजबूत कर रहा है। इसके अलावा भारत की कोशिश विदेशी हथियारों पर अपनी निर्भरता कम करना है।

भारत को नया प्रस्ताव देने की तैयारी में रूस

मॉस्को की इस पेशकश के केंद्र में एस-500 प्रोमेथियस है जो रूस का सबसे नया लंबी दूरी का एयर और मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। मॉस्को एस-500 को भारत-रूस एयर डिफेंस पार्टनरशिप में अगले संभावित कदम के तौर पर पेश कर रहा है। भारत पहले से ही रूसी एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को ऑपरेट कर रहा है जिसने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 314 किलोमीटर की दूरी से पाकिस्तान के अवाक्स विमान को मार गिराकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। रूस अब पिछले साल एस-400 को मिली इसी कामयाबी का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है।

क्या भारत एसयू-57, एस-500 एयर डिफेंस खरीदेगा?

एसयू-57 लड़ाकू विमान को लेकर भारत पहले ही अपनी स्थिति साफ कर चुका है। जबकि एयर डिफेंस की बात करें तो भारत के पास पहले से ही अपना बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस प्रोग्राम है जो लागू होने के काफी एडवांस स्टेज पर है जबकि प्रोजेक्ट कुशा का मकसद खास तौर पर देश में बनी लंबी दूरी की एयर डिफेंस क्षमता तैयार करना है।

मोदी जी के 25 वर्ष सेवा और समर्पण की यात्रा अनुकरणीय और प्रेरणादायी

● सेवा के विजन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र और समाज के विकास को दी नई दिशा : सुभाष बराला ● सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा फरीदाबाद की जिला कार्यशाला संपन्न

● सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनसेवा की भावना को मजबूत करना : सुभाष बराला

● मोदी जी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

फरीदाबाद। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के निमित जिला कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 से गुजरात के मुख्यमंत्री और 2014 में देश के प्रधानमंत्री के रूप में शुरू हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेवा और समर्पण की यात्रा के 25 वर्ष अनुकरणीय और प्रेरणादायी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा के विजन के साथ राष्ट्र और समाज के विकास को नई दिशा देने का कार्य किया है। उनके जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान का मूल उद्देश्य जनसेवा की भावना को और मजबूत करना तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा का भाव पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा और समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन भी पूरी निष्ठा के साथ करता है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से कार्यकर्ता जरूरतमंद लोगों की सहायता करने, युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने तथा आमजन के बीच सेवा, सहयोग और सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत करने का कार्य करेंगे। भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जाने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की रूपरेखा एवं तैयारियों को लेकर भाजपा जिला कार्यालय 'अटल कमल' में जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में राज्यसभा सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला उपस्थित रहे। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अभियान के दौरान आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में प्रशिक्षण देने के साथ-साथ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, जिला प्रभारी एवं पूर्व विधायक लतिका शर्मा, जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, राष्ट्रीय परिषद सदस्य संदीप जोशी, पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, महापौर प्रवीण जोशी, पूर्व विधायक एवं प्रदेश सह

कोषाध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, जिला महामंत्री चौधरी प्रवीण गर्ग, शोभित अरोड़ा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश रक्षवाल, पूर्व जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल, आर.एन सिंह, वजीर सिंह डागर और रेणु भाटिया मुख्य तौर पर उपस्थित रहे । श्री बराला ने जानकारी देते हुए बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 12 विभिन्न सेवा अभियानों का आयोजन किया जाएगा। इनमें 'आशीर्वाद का दीया', '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'रंगोली राष्ट्र', 'राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज' और 'जनसेवक महाकुंभ' शामिल हैं। जिला कार्यशाला में इन सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की गई। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों से सीधा संवाद कर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी देंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी ऊर्जा, सेवा और समर्पण भाव के साथ अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक जनसेवक के रूप में अपने जीवन के 25 वर्ष सेवा और समर्पण को समर्पित किए हैं। प्रधानमंत्री के रूप में पिछले 12 वर्षों में उनके नेतृत्व में भारत ने अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने देश के आर्थिक विकास को नई गति देने के साथ-साथ वैश्विक मंच पर भारत के सम्मान, प्रभाव और प्रतिष्ठा को भी मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के सामने रखा गया 'विकसित भारत' का संकल्प अब केवल एक विचार नहीं, बल्कि व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य करें तथा अधिक से अधिक लोगों को सेवा संकल्प अभियान से जोड़ें। जिला प्रभारी एवं पूर्व विधायक (कालका) लतिका शर्मा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज में सेवा भावना, सामाजिक समरसता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता समाज के हर वर्ग तक पहुंचकर लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ेंगे और जनभागीदारी के माध्यम से अभियान को व्यापक जनअभियान का स्वरूप प्रदान करेंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक लोगों को सेवा गतिविधियों से जोड़ें तथा अभियान को सफल बनाएं। जिला कार्यशाला में जिला उपाध्यक्ष हरेन्द्र भड़ाना, सीमा भारद्वाज, एडवोकेट विक्रम सिंह अरुआ, भारती भाकुनी, धर्मबीर भड़ाना, मुकेश शर्मा, जिला सचिव तरनजीत सिंह भाटिया, गिर्राज त्यागी, मनीष छोंकर, सुनील कुमार, अनुराधा डीगवाल, कोषाध्यक्ष राजन मुथरेजा, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, कार्यालय सचिव राज मदान, जिला प्रवक्ता आभास अग्रवाल, शिवम रतन, अरुणिमा सिंह, मोर्चों के जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, प्रदेश पदाधिकारी, जिला एवं मंडल संयोजक व सह-संयोजक तथा संगठन से जुड़े सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारत भारती द्वारा गुरुग्राम में भव्य रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन

फरीदाबाद। भेदी नजर, वंदना, भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से भारत भारती द्वारा गुरुग्राम के खांडसा गाँव स्थित महंत छोटूनाथ मंदिर में भव्य रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में माताओं, बहनों, युवाओं और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। भारत भारती द्वारा देशभर में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्र-जागरण से जुड़े कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुग्राम में आयोजित यह रक्षाबंधन उत्सव भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय अखंडता, सामाजिक सद्भाव और पारस्परिक भाईचारे का प्रभावी संदेश लेकर आया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शुचि कोठारी उपस्थित रहीं। क्षेत्र के लोकप्रिय पार्षद श्री अवनीश राघव सहित विशिष्ट एवं सम्मानित अतिथियों में श्री पूरन यादव पूर्व वाइस चेयरमैन हरियाणा गौसेवा आयोग, पार्षद श्री महावीर यादव, भारत भारती के उत्तर भारत संगठन मंत्री विवेकानंद दीक्षित जी, मुख्य वक्ता वरिष्ठ राष्ट्रवादी विचारक श्री राजकुमार उपाध्याय जी, ऑल स्किल रिसर्च फाउंडेशन के संस्थापक एम. पी. शर्मा जी, भारत भारती से हरीश कुमार जी, द पावर ऑफ ह्यूमन राइट्स टीम से नरेंद्र जी एवं राजेश नेहरा जी, हर्ष सिंघल जी तथा अन्य समाजसेवी जनों में सतपाल राघव , सुरेंद्र जी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम को मंदिर के मुख्य महंत बाबा बृहस्पतिनाथ जी का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। रक्षाबंधन उत्सव के दौरान माताओं और बहनों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार रक्षा सूत्र बाँधकर प्रेम, विश्वास, भाईचारे और सुरक्षा के संकल्प को सुदृढ़ किया। इस अवसर पर रक्षाबंधन पर्व को केवल पारिवारिक उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की एकता एवं सुरक्षा के संकल्प के रूप में भी रेखांकित किया गया। इस अवसर पर आचार्य मनीष हरि जी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी विशेषता उसकी 'अनेकता में एकता' है। भारत अनेक भाषाओं, संस्कृतियों, वेशभूषाओं और परंपराओं का देश होते हुए भी एक साझा राष्ट्रीय भावना से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत भारती द्वारा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ किया जा रहा कार्य समाज में राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण को निश्चित रूप से सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि रक्षा, विश्वास, कर्तव्य और समर्पण का भी महान प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में रक्षा सूत्र का विशेष महत्व रहा है। आज आवश्यकता है कि हम इस पवित्र पर्व के माध्यम से राष्ट्र, समाज, संस्कृति और अपनी महान परंपराओं की रक्षा का संकल्प लें। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने भारत भारती के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में भारतीय संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों से समाज को जोड़ने वाले ऐसे आयोजनों की अत्यंत आवश्यकता है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक मूल्यों और राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास से जोड़ने में इस प्रकार के आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में भारत भारती से अवनीश सिंह, देवेंद्र पाल , सत्यदेव, आनंद दुबे, सुनील मेहता, गोपाल माहेश्वरी कर्नाटक प्रांत से गिरीश कामत, गुजरात से शाश्वत मेहता , राजस्थान से मनोज गोयल, आदि कई प्रांतों के लोग उपस्थित रहे, भारत भारती द्वारा आयोजित यह भव्य रक्षाबंधन उत्सव इस संदेश के साथ संपन्न हुआ कि भारतीय संस्कृति के पर्व केवल धार्मिक और पारिवारिक परंपराएँ नहीं हैं, बल्कि वे समाज को जोड़ने, राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करने का सशक्त माध्यम भी हैं।

हाफ मैराथन का काउंटडाउन शुरू, डीसी आयुष सिन्हा ने किया तैयारियों का निरीक्षण

▶▶ 27 सितंबर को सूरजकुंड से हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हाफ मैराथन के जरिए देंगे 'ड्रग फ्री हरियाणा' का संदेश

फरीदाबाद। फरीदाबाद में 27 सितंबर को आयोजित होने वाली फरीदाबाद हाफ मैराथन-2026 का काउंटडाउन शुरू हो गया है। मैराथन की तैयारियों को लेकर उपायुक्त आयुष सिन्हा ने मंगलवार को संबंधित अधिकारियों के साथ मैराथन रूट का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त अंजली श्रोत्रिय, एसडीएम बड़खल त्रिलोक चंद, सीटीएम अंकित कुमार सहित नगर निगम, एफएमडीए, एचएसवीपी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। उपायुक्त ने मैराथन के निर्धारित रूट का निरीक्षण करते हुए विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हाफ मैराथन जिले का महत्वपूर्ण आयोजन है और इसके सफल आयोजन के लिए रूट पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए। डीसी आयुष सिन्हा ने नगर निगम, एफएमडीए, एचएसवीपी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मैराथन रूट पर सड़क की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण कर जहां भी पॉटहोल हैं, उनकी तत्काल रिपेयरिंग करवाई जाए। इसके साथ ही रूट के आसपास उगी झाड़ियों की बुश ट्रिमिंग, सफाई तथा अन्य आवश्यक कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि मैराथन रूट पर सड़क, सफाई, स्ट्रीट लाइट, हरित क्षेत्र सहित सभी मूलभूत व्यवस्थाएं दुरुस्त होनी चाहिए। प्रतिभागियों को रूट पर किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए संबंधित विभाग पहले से ही सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मैराथन तक रूट की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग अपने-अपने दायित्वों के अनुसार कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करें तथा आपसी समन्वय से तैयारियों को अंतिम रूप दें। डीसी ने कहा कि फरीदाबाद हाफ मैराथन-2026 केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि 'ड्रग फ्री हरियाणा' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अभियान है। 27 सितंबर को सूरजकुंड से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस आयोजन के माध्यम से प्रदेशभर में युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोजन में जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। ऐसे में आयोजन स्थल और मैराथन रूट पर बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास, मरम्मत, सफाई एवं सौंदर्यीकरण संबंधी कार्य समय से पहले पूरे कर लिए जाएं, ताकि मैराथन के दिन प्रतिभागियों और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों ने उपायुक्त को अपने-अपने विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों एवं कार्यों की प्रगति से अवगत कराया।

मंत्री विपुल गोयल से मुलाकात के बाद पटवारी एवं कानूनगो ने समाप्त की हड़ताल, ज्ञापन सौंपकर रखीं मांगें

चंडीगढ़, हरियाणा के मंत्री विपुल गोयल से सोमवार को पटवारी एवं कानूनगो प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री के समक्ष राजस्व विभाग से जुड़े कार्यों में आ रही समस्याओं सहित अपनी अन्य मांगों को विस्तारपूर्वक रखा। मुलाकात के बाद पटवारी एवं कानूनगो ने अपनी हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया। मंत्री विपुल गोयल ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों और समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार कर्मचारियों की जायज मांगों के समाधान के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान बातचीत और आपसी समन्वय के माध्यम से किया जाना चाहिए। विपुल गोयल ने कहा कि पटवारी एवं कानूनगो राजस्व प्रशासन की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। भूमि रिकॉर्ड, इंतकाल, जमाबंदी, गिरदावरी सहित अनेक महत्वपूर्ण सेवाओं से आमजन सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। ऐसे में इन सेवाओं में किसी भी प्रकार का व्यवधान आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बनता है। हड़ताल समाप्त करने का पटवारी एवं कानूनगो का निर्णय जनहित में स्वागत योग्य है उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों के हितों के साथ-साथ आमजन को समयबद्ध और सुचारु सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिनिधिमंडल द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में उठाई गई मांगों को संबंधित विभाग एवं अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा और नियमानुसार उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य कर्मचारियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है, ताकि प्रदेश में विकास एवं जनसेवा से जुड़े कार्य निर्बाध रूप से आगे बढ़ सकें। उन्होंने पटवारी एवं कानूनगो द्वारा हड़ताल समाप्त करने के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि अब वे पूरी निष्ठा के साथ अपने कार्यों पर लौटें और आमजन से जुड़े राजस्व कार्यों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करें विपुल गोयल ने कहा कि सरकार हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए काम कर रही है। कर्मचारियों की जायज समस्याओं पर सरकार संवेदनशीलता के साथ विचार करती है और बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने के लिए हमेशा तत्पर है। पटवारी एवं कानूनगो प्रतिनिधिमंडल ने भी मंत्री विपुल गोयल का उनकी मांगों को गंभीरता से सुनने और सकारात्मक पहल के लिए आभार व्यक्त किया तथा ज्ञापन सौंपने के साथ ही हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की।

37वीं संभागीय युवा संसद प्रतियोगिता में केंद्रीय राज्यमंत्री ने बतौर मुख्य अतिथि की शिरकत

विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं देश के युवा: केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर

फरीदाबाद। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने मंगलवार को एनआईटी-3 स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में केंद्रीय विद्यालय संगठन, गुरुग्राम संभाग द्वारा आयोजित 37वीं संभागीय युवा संसद प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने युवा संसद को विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक सोच, संवाद, नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम बताया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल बड़ी-बड़ी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी जिम्मेदारियों के निर्वहन से भी होता है। स्वच्छ भारत केवल सरकार का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इसी प्रकार स्ब्ल्लह्यह्यद्बश्ठ्ठ स्ब्स्ल्श्च हमें पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाने का संदेश देता है। पानी और बिजली बचाना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, स्वच्छता बनाए रखना तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहना भी राष्ट्र निर्माण के कार्य हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर, अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना मजबूत राष्ट्र की आधारशिला हैं। खेलों के माध्यम से भी युवाओं में इन गुणों का विकास होता है।

विद्यार्थियों को दिलाए पांच संकल्प – केंद्रीय राज्यमंत्री ने विद्यार्थियों से पांच संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पहला संकल्प मेहनत करने, निरंतर सीखने और जीवन में श्रेष्ठता प्राप्त करने का प्रयास करने का होना चाहिए। दूसरा संकल्प भारत की एकता, अखंडता, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करने का होना चाहिए। तीसरे संकल्प के रूप में विद्यार्थियों से टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का उपयोग स्वयं के साथ-साथ समाज एवं राष्ट्र की प्रगति के लिए करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चौथा संकल्प स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और जिम्मेदार नागरिकता को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का होना चाहिए, जबकि पांचवां संकल्प विकसित भारत के निर्माण में अपनी क्षमता और प्रतिभा के अनुरूप सक्रिय भूमिका निभाने का होना चाहिए।

युवा संसद से लोकतंत्र की बारीकियां सीखते हैं विद्यार्थी – केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि युवा संसद प्रतियोगिता विद्यार्थियों को केवल भाषण देना नहीं सिखाती, बल्कि संवाद करना, असहमति का सम्मान करना, तथ्यों के आधार पर तर्क रखना, धैर्यपूर्वक दूसरे की बात सुनना और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना सिखाती है। लोकतंत्र केवल मतदान करने का नाम नहीं, बल्कि विचारों के सम्मान, संवाद, सहभागिता और जिम्मेदारी का नाम है। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज युवा संसद में निभाई जा रही भूमिकाएं केवल मंच तक सीमित नहीं हैं। संभव है कि आज कोई विद्यार्थी सांसद की भूमिका निभा रहा हो और भविष्य में वह वास्तविक संसद में जनप्रतिनिधि के रूप में देश की सेवा करे।

राजनीति में युवाओं की भागीदारी जरूरी– केंद्रीय राज्यमंत्री ने युवाओं से राजनीति और सार्वजनिक जीवन में आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2024 को लाल किले की प्राचीर से ऐसे एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने का आह्वान किया था, जिनकी कोई राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि नहीं है। इसका उद्देश्य राजनीति में नई ऊर्जा, नए विचार और नई नेतृत्व क्षमता को अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि यदि युवाओं के पास प्रतिभा, विचार और देश के लिए कुछ करने का संकल्प है, तो उनकी पृष्ठभूमि उनकी सीमा नहीं होनी चाहिए। लोकतंत्र में नए लोगों के लिए रास्ते खुले होने चाहिए।

डिजिटल नागरिकता के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी - केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि आज के दौर में लोकतंत्र के साथ-साथ डिजिटल नागरिकता भी बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। युवाओं के हाथ में केवल स्मार्टफोन नहीं, बल्कि सूचना की शक्ति है। सोशल मीडिया पर किसी संदेश को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सत्यता की जांच करना जरूरी है। फेक न्यूज, गलत सूचना और साइबर फ्रॉड से स्वयं भी बचना चाहिए और दूसरों को भी जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गलत सूचना समाज में अविश्वास पैदा कर सकती है, जबकि सही सूचना किसी व्यक्ति का जीवन बदल सकती है। इसलिए जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनना भी राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इस अवसर पर फरीदाबाद महापौर प्रवीण बत्रा जोशी, डीसी आयुष सिन्हा, पूर्व मंत्री सीमा त्रिखा, के.वी.एस. गुरुग्राम रीजन उपायुक्त चन्द्र शेखर आज़ाद, के.वी.एस. गुरुग्राम रीजन सहायक आयुक्त अनिल कुमार, प्रधानाचार्य गिरीश चन्द एवं प्रधानाचार्य के.वी.एस. एन.आई.टी.3 भारती कुक्कल मौजूद रहे।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में तेजी लाएं अधिकारी : डीसी आयुष सिन्हा

फरीदाबाद। मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरियाणा ए. श्रीनिवास ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को पुनरीक्षण कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा के अनुसार सभी कार्य पूरे करने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा ने सभी ईआरओ (निर्वाचक पंजीयन अधिकारी) के साथ बैठक कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को पूरी गंभीरता और निर्धारित समय-सीमा के अनुसार पूरा किया जाए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम हटाने अथवा किसी प्रकार के संशोधन के लिए प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जाए। दावे एवं आपत्तियां 30 सितंबर तक प्राप्त की जाएंगी, जबकि प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निपटान 28 अक्टूबर तक किया जाएगा। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची 6 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी। डीसी आयुष सिन्हा ने सभी ईआरओ को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की नियमित निगरानी करें और बूथ स्तर पर चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते रहें। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) फॉर्म नंबर 6, 7 और 8 को निर्धारित प्रक्रिया के तहत पूरी तरह अपडेट एवं कंप्लीट करें। पात्र नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के साथ-साथ मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन एवं अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने की कार्रवाई भी नियमानुसार सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि 18 वर्ष या इससे अधिक आयु पूरी कर चुके किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होने से नहीं छूटना चाहिए। बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में घर-घर जाकर पात्र नागरिकों की जानकारी प्राप्त करें तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए गंभीरता से कार्य करें।उपायुक्त ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि किसी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल होने से न छूटे और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में न रहे। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त अंजलि श्रोत्रिया, एसडीएम बड़खल त्रिलोक चंद, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, एसडीएम फरीदाबाद हनी बंसल, एचएसवीपीएस्टेट अधिकारी नवीन कुमार, सीईओ जिला परिषद शिखा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-कानपुर रूट पर रेल यात्रियों को बड़ी राहत, रेलवे ने चलाईं दो नई विशेष ट्रेनें

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से कई रूट की ट्रेनों में भीड़ अधिक होने के कारण यात्रियों को कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा है। आने वाले दिनों में भीड़ और अधिक बढ़ेगी। इसे ध्यान में रखकर रेलवे विशेष ट्रेनें चला रहा है। इसी कड़ी में दिल्ली से कानपुर के लिए दो विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। इसमें एक ट्रेन नई दिल्ली और दूसरी आनंद विहार टर्मिनल से चलेगी। दोनों ट्रेनों में शयनयान व वातानुकूलित श्रेणी के कोच होंगे और इनका रास्ते में अलीगढ़ व इटावा में ठहराव होगा। नई दिल्ली–कानपुर सेंट्रल सुपरफास्ट विशेष ट्रेन (02456/02455): यह विशेष ट्रेन सात सितंबर से 30 नवंबर तक सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को चलेगी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से यह सुबह पौने आठ बजे रवाना होकर दोपहर सवा एक बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। वापसी में यह अपराह्न तीन बजे कानपुर सेंट्रल से चलकर देर शाम 8.20 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। आनंद विहार टर्मिनल–कानपुर सेंट्रल (02458/02457): यह विशेष ट्रेन आठ सितंबर से 29 नवंबर तक मंगलवार, गुरुवार और रविवार को चलेगी। आनंद विहार टर्मिनल से यह सुबह 8.20 बजे चलकर दोपहर सवा एक बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। वापसी में कानपुर सेंट्रल से अपराह्न तीन बजे रवाना होकर देर शाम 8.10 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी।

दिल्ली आने वाली अंतरराज्यीय बसों में सुरक्षा भगवान भरोसे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में अंतरराज्यीय बसों की आवाजाही होती है, जिसमें यात्रियों के लिए निर्धारित मानकों की अनदेखी धड़ल्ले से हो रही है। सबसे बड़ा उल्लंघन खिड़कियों पर पर्दे लगाने को लेकर है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि दिल्ली में किसी भी बस में पर्दे नहीं लगाए जा सकते हैं। पर्दे लगाने की स्थिति में अंदर की लाइट जलाना अनिवार्य है, लेकिन उसका पालन नहीं होता है। इसी तरह, बसों में बंद कूपों की व्यवस्था समेत कई व्यवस्थाएं नियमों का उल्लंघन करती है। यहीं नहीं, बसों से अवैध तरीके से सामानों के साथ प्रतिबंधित ज्वलनशील सामानों की ढुलाई भी आम है। मनमाने तरीके से आपातकालीन निकास की जगह पर सीटें लगाने से भी आपात स्थिति में काफी गंभीर स्थिति बन जाती है। इसी तरह, चालकों और कंडक्टरों का व्यवहार भी पैसेंजर फ्रेंडली नहीं होता है। जिसके चलते यात्रियों से अक्सर विवाद की स्थिति बनी रहती है।

दिल्ली में जाम से निपटने को ट्रैफिक पुलिस की नई रणनीति, हॉटस्पॉट्स पर पहले से होगी निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सड़कों पर जाम की समस्या से निपटने के लिए अब ट्रैफिक पुलिस संवेदनशील और जाम वाले स्थानों पर पहले से नजर रखेगी। इसके साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस संबंधित सभी विभागों और एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी। सोमवार को दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने टोडापुर स्थित दिल्ली ट्रैफिक पुलिस मुख्यालय पहुंचकर ट्रैफिक यूनिट के कामकाज की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ट्रैफिक जाम, सड़क सुरक्षा और यातायात से जुड़ी समस्याओं को कम करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। उपराज्यपाल ने वरिष्ठ ट्रैफिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल किया जाए। उन्होंने जाम वाले प्रमुख स्थानों पर पहले से प्रभावी प्रबंधन करने के साथ सड़क पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। कहा कि सड़क सुरक्षा और बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। बैठक में एलजी को दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ओर से यातायात सुधार के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने ट्रैफिक पाठशाला के बारे में बताया कि इसके जरिये यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को सड़क सुरक्षा और नियमों के प्रति जागरूक किया जाता है। ट्रैफिक पंचायत में नागरिक एजेंसियों और दूसरे संबंधित पक्षों को यातायात प्रबंधन में शामिल करने के प्रयासों की भी जानकारी दी जाती है। अधिकारियों ने एलजी को बताया कि सम्मेलन के दौरान विदेशी राष्ट्राध्यक्षों, सरकारों के प्रमुखों, विदेशी प्रतिनिधियों और अन्य महत्वपूर्ण मेहमानों की आवाजाही के लिए पुख्ता और तकनीक आधारित ट्रैफिक व्यवस्था तैयार की जा रही है।

दिल्ली में रांग साइड ड्राइविंग पर ट्रैफिक पुलिस का शिकंजा

नई दिल्ली, एजेंसी। सड़क पर गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के खिलाफ उत्तरी रेंज ट्रैफिक पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। रविवार को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने गलत दिशा में वाहन दौड़ाने वाले चालकों के 527 मामलों में चालान काटे, जबकि गंभीर उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नौ एफआइआर दर्ज की गईं। अभियान के तहत रेंज के सभी ट्रैफिक सर्किल में पुलिसकर्मियों ने विशेष निगरानी रखी। गलत दिशा में वाहन चलाने के लिहाज से संवेदनशील स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई गई और नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मौके पर कार्रवाई की गई।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अभियान का उद्देश्य सड़क पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना और सड़क हादसों को कम करना है। गलत दिशा में वाहन चलाना सबसे खतरनाक ट्रैफिक उल्लंघनों में से एक है।

थोड़ी सी जल्दबाजी और जिंदगी भर का पछतावा– विपरीत दिशा में वाहन चलाने से सामने से आने वाले वाहन से सीधी टक्कर की आशंका रहती है। तेज रफ्तार सड़क पर यह खतरा और बढ़ जाता है। अचानक सामने आने वाले वाहन को देखकर दूसरे चालक को संभलने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, जिससे गंभीर हादसा हो सकता है। इस दौरान पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों को चिन्हित किया, जो जाम से बचने, शार्टकट लेने या थोड़ी दूरी बचाने के लिए सड़क की गलत दिशा में वाहन चला रहे थे। मामूली उल्लंघन के मामलों में चालान किया गया, जबकि गंभीर मामलों में एफआइआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई।

करीब डेढ़ दशक बाद भी अधूरे हैं दिल्ली की महिलाओं से किए वादे, फीडर बस से महिला मार्शल तक नहीं पहुंची सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिसंबर 2012 में निर्भया कांड के बाद दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार और पुलिस की ओर से कई बड़े सुधारों और योजनाओं की घोषणा की गई थी। उद्देश्य था कि राजधानी में महिलाएं रात के समय भी खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें और पुलिस व्यवस्था से लेकर सार्वजनिक परिवहन तक में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों। हालांकि, करीब डेढ़ दशक बाद भी इनमें से कई घोषणाएं पूरी तरह धरातल पर नहीं उतर सकीं। कई योजनाएं कागजों और दावों तक ही सीमित रह गईं। निर्भया कांड के बाद रात दस बजे के बाद सभी मेट्रो रूटों पर फीडर बसों की सुविधा शुरू करने की बात कही गई थी। इसका उद्देश्य महिलाओं को मेट्रो स्टेशन से ऐसे सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना था, जहां से वे दूसरी सवारी लेकर आसानी से घर पहुंच सकें। हालांकि, यह व्यवस्था राजधानी में व्यापक और प्रभावी तरीके से लागू नहीं हो सकी। इसी तरह दिल्ली के सभी डार्क स्पाट खत्म करने का लक्ष्य भी तय किया गया था। इसके लिए अंधेरे और सूनसान स्थानों पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइट और सुरक्षा-व्यवस्था करने की बात कही गई थी, लेकिन आज भी राजधानी में कई

ऐसे स्थान हैं जहां रात के समय पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था की कमी की शिकायतें सामने आती रहती हैं। सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित बनाने के लिए टेंपो और बसों को अलग-अलग रंगों में करने की योजना भी प्रस्तावित थी, लेकिन इसे भी पूरी तरह लागू नहीं किया जा सका। बसों में महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए हर बस में मार्शल तैनात करने का फैसला भी लंबे समय तक चर्चा में रहा, लेकिन सभी बसों में नियमित रूप से मार्शल की तैनाती सुनिश्चित नहीं हो सकी। वहीं महिलाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई तेज करने के लिए दुष्कर्म के मामलों में 14 दिन के भीतर ट्रायल शुरू करने का लक्ष्य रखा गया था। व्यवहार में मुकदमों की जांच, चार्जशीट और न्यायिक प्रक्रिया में लगने वाले समय के कारण यह लक्ष्य भी पूरी तरह हासिल नहीं हो पाया। महिला सुरक्षा के लिए हर जिले में महिला थाना खोलने और सभी थानों में करीब 33 प्रतिशत महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने की घोषणा भी की गई थी। लेकिन दोनों लक्ष्य अब तक पूरी तरह हासिल नहीं हो सके हैं।

दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों में बनेंगे मेडिकल रूम, छात्राओं को पीरियड्स के दौरान मिलेगी निजी जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के प्रत्येक स्कूल में मेडिकल रूम बनाए जाएंगे जिसमें प्राथमिक उपचार, अस्थायी विश्राम, स्वास्थ्य से संबंधित मार्गदर्शन और परामर्श की व्यवस्था होगी। छात्राओं के लिए मासिक धर्म से जुड़ी असुविधा के दौरान मेडिकल रूम में सुरक्षित और निजी स्थान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल की शुरुआत 100 स्कूलों में पायलट परियोजना के रूप में की जाएगी। उसके परिणाम के मूल्यांकन के आधार चरणबद्ध तरीके से सभी 1,086 सरकारी स्कूलों में इसका विस्तार होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मेडिकल रूम में प्राथमिक स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षित हेल्थ वर्कर्स की तैनाती होगी। आउटसोर्सिंग व्यवस्था के माध्यम से इनकी सेवा ली जाएगी। हेल्थ वर्कर्स प्राथमिक उपचार और बुनियादी स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने के साथ–साथ विद्यार्थियों को परामर्श देने और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों में सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य से संबंधित इस पहल के लिए स्कूल के आधारभूत संरचना का उपयोग किया जाएगा। योजना के पायलट क्रियान्वयन के लिए इस वर्ष के बजट में पांच करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सुरक्षित, समावेशी और स्वास्थ्य–सहायक विद्यालयी वातावरण के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की पढ़ाई में होने वाले व्यवधान को न्यूनतम करते हुए उनके शारीरिक और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देना है।

शेयर बाजार में मुनाफे का झांसा, 20.72 लाख की साइबर ठगी; बैंक का डिप्टी मैनेजर समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में निवेश कर आकर्षक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 20.72 लाख रुपये की

साइबर ठगी के मामले में उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की साइबर थाना टीम ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

आरोपितों में निजी बैंक का डिप्टी मैनेजर आरिफ हुसैन मंसूरी भी शामिल है। पुलिस के अनुसार, वह दो प्रतिशत कमीशन के बदले साइबर ठगों को बैंक खाते की सुविधा उपलब्ध कराने में संलिप्त था। आरोपितों के कब्जे से अपराध में इस्तेमाल चार मोबाइल फोन बरामद किए गए।

उदयपुर में हुई आरोपियों की पहचानत्न पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव के मुताबिक, पीड़ित नितिन अरोड़ा की शिकायत पर साइबर थाना में पिछले साल फरवरी में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान ठगी की रकम के लेनदेन, बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया।

जांच में रकम एक बैंक खाते में पहुंचने और चेक के माध्यम से निकाले जाने की जानकारी सामने आई। बाद में तकनीकी निगरानी और मैनुअल सत्यापन के आधार पर पुलिस ने मावली, उदयपुर में आरोपितों की पहचान की।

इसके बाद थाना प्रभारी दिनेश कुमार की टीम ने आरोपित कन्हैया दास और राहुल टेलर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि कन्हैया ने ठगी की रकम के लिए अपना बैंक खाता उपलब्ध कराया, जबकि राहुल नकदी निकालने और रकम स्थानांतरित करने में शामिल था। आगे की जांच में आरिफ हुसैन मंसूरी की भूमिका सामने आई। डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर उसे भी अब गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपित मंसूरी अप्रैल 2024 से संबंधित बैंक में कार्यरत था। तीनों मूल तौर पर आरोपित राजस्थान के उदयपुर के रहने वाले हैं।

एम्स केयर परीक्षा में गड़बड़ी: जयपुर के दो केंद्रों पर परीक्षा रद्द, 7 सितंबर को होगा री-एग्जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। एम्स नई दिल्ली की ओर से देश के विभिन्न एम्स और केंद्रीय सरकारी एवं स्वायत्त स्वास्थ्य संस्थानों में गैर-शैक्षणिक पदों पर भर्ती के लिए कामन रिक्रूटमेंट एग्जामिनेशन (सीआरई) कराया जा रहा है। दो दिन चलने वाली इस परीक्षा के पहले दिन सोमवार को जयपुर के दो परीक्षा केंद्रों पर गड़बड़ी हुई, जिसके बाद वहां परीक्षा को निरस्त कर दिया गया। अब इन दोनों केंद्रों पर यह परीक्षा सात सितंबर को दोबारा कराई जाएगी। इन केंद्रों पर दो हजार परिक्षार्थी पंजीकृत थे। उधर, परीक्षा का संचालन कर रही टीसीएस कंपनी ने एम्स प्रशासन को बताया है कि यह गड़बड़ी परीक्षा केंद्रों पर बिजली व्यवस्था के फेलियर होने से हुई है। अब यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सात सितंबर को होने वाली परीक्षा में इस तरह की गड़बड़ी दोबारा न हो। एम्स प्रबंधन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार सीआरई के माध्यम से विभिन्न संस्थानों में ग्रुप बी और ग्रुप सी के गैर-शैक्षणिक पदों पर भर्ती की जाती है। इसका उद्देश्य विभिन्न संस्थानों की भर्ती प्रक्रिया को साझा परीक्षा के माध्यम से संचालित करना है। एम्स नई दिल्ली के परीक्षा अनुभाग को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2021 से इस परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी दी हुई है। सीआरई-2026 की भर्ती प्रक्रिया में 57 पद समूहों में

1484 रिक्तियां शामिल हैं। इनमें जूनियर प्रशासनिक सहायक, वरिष्ठ प्रशासनिक सहायक, डाटा एंट्री आपरेटर, निजी सहायक, स्टेनोग्राफर, निजी सचिव, सहायक सुरक्षा अधिकारी, रिसेप्शनिस्ट, जूनियर मेडिकल रिकार्ड अधिकारी, जूनियर वार्डन, हास्टल वार्डन, टेलीफोन आपरेटर और सामाजिक सुरक्षा अधिकारी समेत विभिन्न पद हैं। परीक्षा के लिए कुल 30,142 अभ्यर्थी पंजीकृतः एम्स के अनुसार सीआरई के लिए कुल 30,142 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। सोमवार की पहली पाली में 21,098 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 16,193 ने परीक्षा दी। देशभर के परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हुई। जयपुर में टीसीएस संचालित आइओएन डिजिटल जोन सीतापुरा स्थित परीक्षा केंद्र नंबर आरजे 0101 और आरजे 0102 केंद्रों पर परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत सामने आई। इनमें आरजे0101 पर 1,342 और आरजे0102 पर 436 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। यह परीक्षा सोमवार व मंगलवार को तीन पालियों में हो रही है। एम्स प्रबंधन का कहना है कि जयपुर के इन दो केंद्रों को छोड़कर देशभर के अन्य परीक्षा केंद्रों पर कोई गड़बड़ी की शिकायत नहीं मिली है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर व्यवहार से पकड़ा संदिग्ध कपड़ों के बीच छिपे मिले 85000 यूएई दिरहम

नई दिल्ली, एजेंसी। आइजीआइ अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सीआइएसएफ के जवानों ने व्यवहार के आधार पर संदिग्ध यात्री की पहचान कर उसके हैंडबैग से 85 हजार यूएइ दिरहम बरामद किए हैं। बरामद विदेशी मुद्रा की भारतीय मुद्रा में कीमत करीब 22.08 लाख रुपये बताई गई है। यात्री दुबई जाने वाली फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-442 से यात्रा करने वाला था। मामले में यात्री और बरामद मुद्रा को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए कस्टम विभाग को सौंप दिया गया है। सीआइएसएफ के अनुसार, 30 अगस्त को इंटरनेशनल डिपार्चर क्षेत्र में चेक-इन इन्वेस्टिगेशन विंग के जवान यात्रियों की प्रोफाइलिंग और व्यवहार के आधार पर निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान एक यात्री की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। उसे विस्तृत जांच के लिए चिन्हित किया गया। इसके बाद यात्री के सामान की जांच की गई। हैंडबैग की तलाशी लेने पर उसमें कपड़ों और सामानों के बीच छिपाकर रखे गए यूएई दिरहम बरामद हुए। गौरतलब हो कि एयरपोर्ट पर विदेशी मुद्रा और बिना हिसाब के नकदी की बरामदगी के मामले में 20 अगस्त को भी सीआइएसएफ ने दो यात्रियों के पास से 68.53 लाख रुपये की नकदी बरामद की थी।

उत्तर मध्य रेलवे

No: AGC/PU/2026/02R — Date : 27.08.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता, परियोजना इकाई, आगरा उत्तर मध्य रेलवे द्वारा खुली निविदा निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है।

निविदा संख्या : AGCPU202602R	**अनुमानित लागत :** ₹ 26774475.42
कार्य का नाम : उत्तर मध्य रेलवे के आगरा एवं झांसी प्रभाग के मथुरा (रहित) - धौलपुर - आंतरी (रहित) खंड (195 आरकेएम/606 टीकेएम) में, आगरा प्रभाग (उत्तर मध्य रेलवे) के विद्युत कर्षण वितरण विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मथुरा - धौलपुर खंड (106 आरकेएम-345 टीकेएम) के बीच, मौजूदा 1X25 केवी विद्युत कर्षण प्रणाली को 2X25 केवी विद्युत कर्षण प्रणाली में उन्नत करने के लिए डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के कार्य के संबंध में विभिन्न निर्माण स्थलों/खंडों पर परियोजना पर्यवेक्षण सेवाओं (पीएसएस) की नियुक्ति।	
धरोहर राशि : ₹ 535500/-	**कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 18 माह

1- निविदा पत्र भारतीय रेलवे की वेब साइट (www.ireps.gov.in) पर देखा व भरा जा सकते है।
2. निविदा पत्र सिर्फ भारतीय रेलवे की वेब साइट (www.ireps.gov.in) पर दि. 01.10.2026 को 1500 Hrs तक भरा जा सकता है। 2005/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

☛ रेलयात्री कृपया ध्यान दें! ☚

जन्माष्टमी विशेष रेलगाड़ियाँ

जन्माष्टमी त्यौहार के अवसर पर रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्न विशेष रेलगाड़ियाँ निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार संचालित करने का निर्णय लिया गया है:–

04410/04409 हज़रत निज़ामुद्दीन जं. – मथुरा जं. – हज़रत निज़ामुद्दीन जं. अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी (06 फेरे)

रेलगाड़ी सं.: 04410 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04409 आगमन	प्रस्थान
----	10:30	हज़रत निज़ामुद्दीन जं.	16:45	----
13:05	----	मथुरा जं.	----	13:35

चलने के दिन : 04410 हज़रत निज़ामुद्दीन जं. से एवं 04409 मथुरा जं. से दिनांक 03.09.2026, 04.09.2026 एवं 05.09.2026 को।
ठहराव: ओखला, तुगलकाबाद, फरीदाबाद, फरीदाबाद न्यू टाउन, बल्लभगढ़, असावती, पलवल, रूँधी, शोलाका, बनचारी, होडल, कोसी कलाँ, छाता, अझई, वृन्दावन रोड और भूतेश्वर स्टेशन।
स्थान: सामान्य श्रेणी।

04412/04411 हज़रत निज़ामुद्दीन जं. – मथुरा जं. – हज़रत निज़ामुद्दीन जं. अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी (06 फेरे)

रेलगाड़ी सं.: 04412 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04411 आगमन	प्रस्थान
----	09:45	हज़रत निज़ामुद्दीन जं.	16:30	----
12:20	----	मथुरा जं.	----	12:50

चलने के दिन : 04412 हज़रत निज़ामुद्दीन जं. से एवं 04411 मथुरा जं. से दिनांक 03.09.2026, 04.09.2026 एवं 05.09.2026 को।
ठहराव: ओखला, तुगलकाबाद, फरीदाबाद, फरीदाबाद न्यू टाउन, बल्लभगढ़, असावती, पलवल, रूँधी, शोलाका, बनचारी, होडल, कोसी कलाँ, छाता, अझई, वृन्दावन रोड और भूतेश्वर स्टेशन।
स्थान: सामान्य श्रेणी।

04415/04416 दिल्ली जं. – रींगस जं.– दिल्ली जं. अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी (06 फेरे)

रेलगाड़ी सं.: 04415 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04416 आगमन	प्रस्थान
----	18:50	दिल्ली जं.	07:00	----
00:40	----	रींगस जं.	----	02:00

चलने के दिन : 04415 दिल्ली जं. से 03.09.2026, 04.09.2026 एवं 05.09.2026 को एवं 04416 रींगस जं. से दिनांक 04.09.2026, 05.09.2026 एवं 06.09.2026 को।
ठहराव: दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली कैंट, गुड़गांव, पटौदी रोड, रेवाड़ी जं., नारनौल और नीम का थाना स्टेशन।
स्थान: सामान्य श्रेणी।

04413/04414 दिल्ली जं. – हरिद्वार जं. – दिल्ली जं. अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी (06 फेरे)

रेलगाड़ी सं.: 04413 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04414 आगमन	प्रस्थान
----	23:00	दिल्ली जं.	22:00	----
04:55	----	हरिद्वार जं.	----	17:00

चलने के दिन : 04413 दिल्ली जं. से 03.09.2026, 04.09.2026 एवं 05.09.2026 को एवं 04414 हरिद्वार जं. से दिनांक 04.09.2026, 05.09.2026 एवं 06.09.2026 को।
ठहराव: गाजियाबाद जं., मेरठ सिटी जं., मुजफ्फरनगर, देवबन्द और रुड़की स्टेशन।
स्थान: सामान्य श्रेणी।

01941/01942 आगरा कैंट जं. – पलवल – आगरा कैंट एमईएमयू अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी (10 फेरे)

रेलगाड़ी सं.: 01941 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 01942 आगमन	प्रस्थान
----	06:30	आगरा कैंट जं.	13:00	----
09:45	----	पलवल	----	10:00

चलने के दिन : 01941 आगरा कैंट जं. से एवं 01942 पलवल से दिनांक 02.09.2026 से 06.09.2026 तक।
ठहराव: रुनकुता, बाद, मथुरा जं., छाता, कोसी कलां और होडल स्टेशन।
स्थान: सामान्य श्रेणी।

01943/01944 आगरा कैंट जं. – हज़रत निज़ामुद्दीन जं. – आगरा कैंट एमईएमयू अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी (10 फेरे)

रेलगाड़ी सं.: 01943 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 01944 आगमन	प्रस्थान
----	16:00	आगरा कैंट जं.	01:50	----
20:25	----	हज़रत निज़ामुद्दीन जं.	----	20:35

चलने के दिन : 01943 आगरा कैंट जं. से एवं 01944 हज़रत निज़ामुद्दीन जं. से दिनांक 02.09.2026 से 06.09.2026 तक।
ठहराव: रुनकुता, बाद, मथुरा जं., छाता, कोसी कलां, होडल और पलवल स्टेशन।
स्थान: सामान्य श्रेणी।

04446/04445 दिल्ली जं. – वाराणसी जं.– दिल्ली जं. विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (04 फेरे)

रेलगाड़ी सं.: 04446 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04445 आगमन	प्रस्थान
----	21:10	दिल्ली जं.	11:45	----
15:00	----	वाराणसी जं.	----	20:15

चलने के दिन : 04446 दिल्ली जं. से दिनांक 03.09.2026 एवं 05.09.2026 को एवं 04445 वाराणसी जं. से दिनांक 04.09.2026 एवं 06.09.2026 को।
ठहराव: नई दिल्ली, गाज़ियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर जं., हरदोई, आलमनगर, लखनऊ, अयोध्या कैंट और जौनपुर जं. स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

02416/02415 नई दिल्ली – सूबेदार गंज – नई दिल्ली सुपरफास्ट विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (06 फेरे)

रेलगाड़ी सं.: 02416 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 02415 आगमन	प्रस्थान
----	23:00	दिल्ली जं.	23:30	----
09:45	----	सूबेदार गंज	----	12:10

चलने के दिन : 02416 नई दिल्ली से दिनांक 03.09.26, 04.09.26 एवं 05.09.26 को एवं 02415 सूबेदार गंज से दिनांक 04.09.26, 05.09.26 एवं 06.09.26 को।
ठहराव: गाज़ियाबाद जं., अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., गोविन्दपुरी और फतेहपुर स्टेशन।
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे — हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (फ्रेट), उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल अनुभवी और सक्षम निविदाकारों से एक खुली प्रणाली निम्नलिखित कार्य हेतु मुहरबंद ई–निविदा आमंत्रित जाती है।

1	**कार्य का नाम :** नई दिल्ली डिपो की मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए 03 वर्षों हेतु लिनेन धुलाई का कार्य
2	**कार्य स्थल :** नई दिल्ली
3	**कार्य की अवधि :** तीन (03) वर्ष
4	**विज्ञापित मूल्य :** रु. 7,00,33,468.40/- (जीएसटी के प्रावधान सहित)
5	**बयाना राशि जमा की जानी है :** रु. 5,00,200.00/-, केवल नेट बैंकिंग या गेटवे के माध्यम से
6	**निविदा प्रपत्र मूल्य :** रु. 0/-
7	**ई-निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का समय :** दिनांक 01.09.2026 13:15 बजे से 23.09.2026 12:00 बजे तक
8	**ई-निविदा बंद होने की तिथि और समय :** दिनांक 23.09.2026 12:00 बजे
9	**ई-निविदा खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 23.09.2026 को 12:00 बजे के बाद, यदि खुलने की तारीख अवकाश होता है, तो अगले कार्य दिवस पर ई–निविदा खोली जाएगी
10	**ई-निविदा खोलने का स्थान :** यांत्रिक विभाग, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055

नोट: निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में मिल सकती है।
सं.: NR-DLIOMCNWLINW22026 दिनांक: 01.09.2026 3006/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

ई–निविदा (ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

एन.आई.टी.	46, 49 & 52-2026-27-डब्ल्यू–5				
1. कार्य का नाम और उसका स्थान					
46	ADEN/HNZM के तहत विभिन्न बड़े और छोटे पुलों की वार्षिक मरम्मत। **समान कार्य की प्रकृतिः किसी भी पुल का काम।**				
49	ADEN/DEE के अंतर्गत DLI-RE सेक्शन पर स्टेशनों में टैक्टाइल पाथ, स्टैंडर्ड साइन, पार्किंग, शौचालय और एंड रैंप प्रदान करके दिव्यजन सुविधाओं की व्यवस्था। **समान कार्य की प्रकृतिः ट्रैक के काम के अलावा कोई भी सिविल काम।**				
52	ADEN/DEE के तहत विभिन्न मुख्य और छोटे पुलों की वार्षिक मरम्मत। **समान कार्य की प्रकृतिः किसी भी पुल का काम।**				
2. काम की अनुमानित लागत (रुपये)					
46	₹ 69,99,975.40	49	₹ 4,42,32,342.49	52	₹ 64,99,994.45
3. अग्रिम राशि (रुपये)					
(यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा।) (नोटः– रेलवे बोर्डों के पत्र संख्या 2015/सीई–आई/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आईआरईपीएस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए ईएमडी के रूप में, स्वीकार नहीं किया जाएगा)।					
46	₹ 1,40,000.00	49	₹ 8,84,700.00	52	₹ 1,30,000.00
4. काम की समाप्ति अवधि					
46	12 महीने	49	12 महीने	52	12 महीने
5. निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय	24.09.2026 को 15:00 बजे तक तथा 24.09.2026 को 15:00 बजे निविदा खुलना है।				
6. वेबसाइट के विवरण का नोटिस बोर्ड स्थान, निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	यह निविदा आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।				

सं.: 128-W/280/OET/2026-27/W-V/NIT-46, 49 & 52-2026-27
दिनांक: 01.09.2026 3012/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

नशे के विरुद्ध देहरादून की महिलाओं का मोर्चा, गांव की गलियों में दे रही पहरा

ये महिलाएं शाम होते ही गांव की गलियों में निकल आती हैं और हर आने-जाने वाले पर नजर रखती हैं। इनका मकसद गांव को मादक पदार्थों के सेवन और कारोबार से दूर रखना है। देश में नशीले पदार्थों का बढ़ता अवैध कारोबार व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है। इससे न केवल स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं पैदा हो रही हैं, बल्कि घरेलू कलह, हिंसा और अन्य आपराधिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है। खासकर युवा पीढ़ी इससे ज्यादा प्रभावित हो रही है और घरेलू स्तर पर इसकी मार महिलाओं और बच्चों को झेलनी पड़ती है।सरकार की ओर से नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन इन्हें धरातल पर उतारने की गंभीरता कम ही नजर आती है। ऐसी स्थिति में विभिन्न राज्यों में सामाजिक स्तर पर नशे के खिलाफ मुहिम चलाने के प्रयास होते रहे हैं। इसी क्रम में अब उत्तराखंड में देहरादून के थानी गांव में महिलाओं ने नशे के विरुद्ध मोर्चा संभाला है।ये महिलाएं शाम होते ही गांव की गलियों में निकल आती हैं और हर आने-जाने वाले पर नजर रखती हैं। इनका मकसद गांव को मादक पदार्थों के सेवन और कारोबार से दूर रखना है। महिलाओं का यह साहस और प्रतिबद्धता निश्चित तौर पर एक स्थायी बदलाव की दिशा में सराहनीय प्रयास है, लेकिन इससे सरकारी तंत्र की व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े होते हैं।गौरतलब है कि देश में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार का जाल अब ग्रामीण इलाकों तक पहुंच गया है।

स्कूल-कालेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थी और बेरोजगार युवा मादक पदार्थों के तस्करों का आसान निशाना बन रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि सामाजिक स्तर पर भी नशे के खिलाफ व्यापक मुहिम चले। हालांकि, देहरादून के गांव में महिलाओं ने जो बीड़ा उठाया है, वह आसान नहीं है।दिनभर घर के कामकाज में व्यस्त रहना और रात को गांव की गलियों में पहरा देना दूसरे लोगों के लिए भी प्रेरणादायक है। इस तरह की मुहिम इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि अगर सरकार किसी राज्य या जिले में मादक पदार्थों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, तो मादक पदार्थों के सेवन और कारोबार से जुड़े लोग वैध-अवैध वैकल्पिक रास्ता तलाश लेते हैं। मगर, जब सामाजिक स्तर पर बदलाव का प्रयास किया जाए, तो उसके परिणाम समस्या के स्थायी समाधान के रूप में सामने आ सकते हैं। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि संबंधित सरकारी महकमे या सुरक्षा एजंसियों की जिम्मेदारी कम हो जाती है।

विश्वविद्यालय को इस नियुक्ति के लिए खासी सराहना मिली, मगर यह चार बरस की चांदनी ही साबित हुई। जुलाई, 2026 में कुछ लोगों ने प्रोफेसर जेसन पर नकल करके पीएचडी करने के आरोप लगा दिए। इसके बाद पीएचडी की उपाधि देने वाले विश्वविद्यालय के स्पष्टीकरण पर यह मामला थोड़ा शांत हुआ, पर विवाद का जिन्न फिर जाग गया। कैंब्रिज विश्वविद्यालय के कुछ अधिकारियों ने ही प्रोफेसर जेसन की नियुक्ति के मानदंडों पर पर सवाल खड़े कर दिए। मीडिया में भी इस पर चर्चा हुई और विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से भी इस मामले पर असंवेदनशीलता दिखाई गई, जबकि आरोप सिद्ध नहीं हुए थे।

उच्च शिक्षण संस्थानों की साख पर सवाल

(प्रदीप कुमार राय)

कैंब्रिज के प्रोफेसर जेसन अर्डे से जुड़े विवाद ने अकादमिक ईमानदारी, नस्लीय भेदभाव, पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं

दुनिया के किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान की साख में गिरावट पूरी मानवता के लिए स्वाभाविक चिंता का विषय होना चाहिए, क्योंकि यहां की चारदीवारी में न केवल तरक्की की इबारत लिखी जाती है, बल्कि 'व्यक्ति से व्यक्तित्व' का निर्माण भी होता है। सवाल जब उस देश से जुड़ा हो, जो उच्च कोटि के विश्वविद्यालयों का घर (इंग्लैंड) है और उसमें में भी वहां के श्रेष्ठतम विश्वविद्यालय आशंका के घेरे में हों, तो चिंता और भी गहरी हो जाती है। भरोसे की दीवार एक बार ढह जाए, तो उसे दोबारा बनाना आसान नहीं होता।

दरअसल, न्यूटन, डार्विन और स्टीफन हाकिंग जैसी विलक्षण प्रतिभाओं को पल्लवित करने वाले इंग्लैंड के वर्ष 1209 में स्थापित कैंब्रिज विश्वविद्यालय और यहां के लीवर पूल जान मूर्स नाम के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के भरोसे की दीवार बुरी तरह दरकी है। इन विश्वविद्यालयों की दुनिया में एक अलग पहचान है, मगर ये आज भी नस्लीय भेदभाव से अछूते नहीं हैं।

कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने वर्ष 2022 में एक अश्वेत शिक्षाविद डा जेसन अर्डे को 37 बरस की उम्र में अपने यहां 'शिक्षा और समाजशास्त्र' विषय में प्रोफेसर नियुक्त किया था।

विश्वविद्यालय को इस नियुक्ति के लिए खासी सराहना मिली, मगर यह चार बरस की चांदनी ही साबित हुई। जुलाई, 2026 में कुछ लोगों ने प्रोफेसर जेसन पर नकल करके पीएचडी करने के आरोप लगा दिए। इसके बाद पीएचडी की उपाधि देने वाले विश्वविद्यालय के स्पष्टीकरण पर यह मामला थोड़ा शांत हुआ, पर विवाद का जिन्न फिर जाग गया। कैंब्रिज विश्वविद्यालय के कुछ अधिकारियों ने ही प्रोफेसर जेसन की नियुक्ति के मानदंडों पर पर सवाल खड़े कर दिए। मीडिया में भी इस पर चर्चा हुई और विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से भी इस मामले पर असंवेदनशीलता दिखाई गई, जबकि आरोप सिद्ध नहीं हुए थे। वहीं, आरोपों से व्यथित होकर प्रोफेसर जेसन ने सही से अपना पक्ष रखे बिना ही बीते पांच अगस्त को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। विश्वविद्यालय ने भी उन्हें जांच पूरी होने तक अपने पद पर बने रहने के लिए नहीं कहा।

प्रोफेसर जेसन इस प्रकरण से बहुत आहत हुए और चौदह अगस्त को अचानक उनका निधन हो गया। जांच एजंसियों ने इसे प्राकृतिक मौत माना, पर इसके लिए अप्राकृतिक कारण जिन्होंने पैदा किए, उस पर पूरा व्यवस्था तंत्र मौन है। प्रोफेसर जेसन की पीएचडी को अपनी शिकायत से विवादों में लाने वाले श्वेत अनुसंधानकर्ता नाथन काफनास को उनके अपने ही बैल्जियम स्थित गेंट विश्वविद्यालय ने नस्लीय भेदभाव के आरोप में निलंबित कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि नाथन अपने अध्ययनों के जरिए यह दावा भी कर चुके हैं कि कैसे श्वेत और अश्वेत व्यक्ति की योग्यता आनुवांशिक आधार पर तय की जाती है। कैंब्रिज में ह्ययूनवर्सिटी एंड कालेजह्न यूनियन के महासचिव जो ग्रेडी का कहना है कि प्रोफेसर जेसन को जिस तरह का उत्पीड़न झेलना पड़ा, उससे घृणित कुछ भी नहीं हो सकता। उन्होंने इसकी गहराई से जांच करने की मांग की है।

गौरतलब है कि प्रोफेसर जेसन की मौत के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री से लेकर दुनिया भर के शिक्षक समुदाय तथा अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की तरफ से जो सवाल उठाए गए, उसने कैंब्रिज विश्वविद्यालय की साख को गहरी चोट पहुंचाई। प्रधानमंत्री एंडी बर्नहेम ने कहा कि प्रोफेसर जेसन की मौत कई स्तरों वाली त्रासदी है। उनके इस सारगर्भित वाक्य को कुछ ऐसे समझा जा सकता है- इस मामले में बहुरूपी त्रासदी बड़े विश्वविद्यालयों की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और उपाधि की पूरी गारंटी देने की विफलता में नजर आती है, यह त्रासदी कैंब्रिज विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष संस्थान की संवेदनहीनता भी दिखाती है। इसके अलावा यह त्रासदी एक बड़े विश्वविद्यालय के नियुक्ति के उच्च मानदंडों पर भी सवाल खड़ा करती है।

इस घटना का ताल्लुक केवल दो विश्वविद्यालयों की दीवारों के भीतर समाप्त नहीं होता, बल्कि यह पूरी दुनिया को खुद से जोड़ता है। सवाल यह है कि प्रोफेसर जेसन को पीएचडी की उपाधि प्रदान करने वाले लीवर पूल जान मूर्स विश्वविद्यालय ने अपना पक्ष रखते हुए पीएचडी में साहित्य चोरी के आरोपों से तो साफ इनकार कर दिया था, मगर जब शिकायतकर्ताओं ने आरोप को दूसरे परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया, तो संबंधित विश्वविद्यालय ने इसका पुरजोर तरीके से विरोध क्यों नहीं किया?

प्रोफेसर जेसन की पीएचडी में गड़बड़ी के आरोपों को उछालने वाले कैंब्रिज के शोधार्थी नाथन काफनास ने दावा किया था कि जेसन ने अपने शोधपत्र में कई पैरा कहीं दूसरी जगह बिना संपादन के चस्पा कर दिए।

सवाल यह भी है कि नाथन के दावे के समांतर प्रोफेसर जेसन को पीएचडी की उपाधि देने वाले विश्वविद्यालय ने शोधपत्र जमा कराने के वक्त खुद की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की। पूरी दुनिया को साहित्य चोरी जांचने के महंगे साफ्टवेयर बेचने वाले पश्चिमी देशों को क्या खुद इनकी विश्वसनीयता पर कोई संदेह है?

दूसरा, अगर मामला साफ्टवेयर की विफलता का नहीं है, तो फिर उन्हें बताना चाहिए कि आखिर परदादारी किस बात की है? शिकायतकर्ता नाथन को तो खुद ही नस्लीय भेदभाव के आरोप में उनके विश्वविद्यालय ने निलंबित कर दिया है, तो अब उनके साहित्य चोरी के आरोप भी गहरी जांच का विषय हैं। देखना होगा कि कहीं यह मामला सुविधा के अनुसार मानदंड बदलने के पूर्वाग्रह का तो नहीं है।

सवाल यह भी उठ रहा है कि कैंब्रिज विश्वविद्यालय इस प्रकरण में बार-बार अपने रंग क्यों बदलता रहा? पहले प्रोफेसर जेसन की नियुक्ति पर जमकर वाहवाही लूटी गई। फिर उनकी पीएचडी को लेकर लगे आरोपों के साबित हुए बिना ही पूरी दुनिया में उनकी छवि को धूमिल होने दिया गया। शायद वह भूल गया कि जब लोग पूछेंगे कि क्या कैंब्रिज जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में भी नियुक्तियों में अनियमितताएं होती हैं, तो उसके पास क्या जवाब होगा। हालांकि, शिक्षाविदों का कहना है कि यह सब इतना आसान नहीं है कि इतनी बड़ी त्रासदी को कैंब्रिज प्रशासन चटाई के नीचे छिपाकर बैठ जाएगा।

विश्वविद्यालय की कुलपति ने इस घटना पर खेद जताकर भले ही मानवीय दृष्टिकोण रखा, लेकिन इसे न्याय की दृष्टि से कभी नहीं देखा जाएगा। इस मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई से न्याय सुनिश्चित हो पाएगा।

एक ब्रिटिश राजनेता का कहना है- 'कुछ विश्वविद्यालयों ने प्रोफेसर जेसन को अपना पोस्टर ब्वाय बनाने के लिए उनकी कम उम्र और अश्वेत होने को ही नियुक्ति का आधार बना लिया'। फिर इस मामले में नस्लीय भेदभाव के आरोप तो और भी कई लोग लगा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि कैंब्रिज ने शोध, पठन-पाठन और प्राध्यापकों की नियुक्ति के उच्च आदर्श स्थापित किए हैं। मगर सैकड़ों वर्षों की इस सशक्त विरासत का अर्थ पारदर्शिता से मुंह मोड़ना नहीं हो सकता। संस्थान को जवाब तो देना होगा।

इस मामले में कैंब्रिज को अपनी चूक भी जगजाहिर करनी चाहिए। प्रोफेसर जेसन दोषी थे या नहीं, इसकी भी गहन जांच होनी चाहिए। अगर यह पीएचडी की उपाधि के बजाय नस्लीय भेदभाव का मामला है, तो भी उसकी तह में जाना होगा। विश्वविद्यालयों की वैश्विक रैकिंग में दूसरे देशों के संस्थानों की व्यवस्था में खोट निकालने वालों को अपनी नैतिक रैकिंग का हिसाब भी देना चाहिए।

दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले

ललित गर्ग

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत को ऐसी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसकी ओर दुनिया आश्चर्य और विश्वास दोनों के साथ देख रही है। इस विकास दर ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है एवं एक उजाला बिखेरा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वृद्धि ऐसे समय दर्ज हुई है, जब परिस्थितियां सामान्य नहीं थीं। महंगाई, ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पथ मजबूत बना रहा। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। यानी एक वर्ष में आर्थिक वृद्धि की गति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया है। घरेलू मांग की मजबूती, सरकारी पूंजीगत व्यय, विनिर्माण, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों का योगदान इस प्रदर्शन के पीछे महत्वपूर्ण रहा है।

आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी समझ में आता है, जब उसे उसके वैश्विक संदर्भ में देखा जाए। आज दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं केवल आर्थिक नीतियों से प्रभावित नहीं हो रहीं, बल्कि युद्ध, कूटनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंध भी उनकी दिशा तय कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया का तनाव ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति तंत्र के लिए चिंता पैदा करता है। इन परिस्थितियों में भारत का अपेक्षाकृत तेज आर्थिक विकास यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने लिए ऐसे मजबूत घरेलू आधार तैयार किए हैं, जो बाहरी झटकों को सहने की क्षमता रखते हैं। यही वह परिवर्तन है जो भारत को केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। करोड़ों उपभोक्ताओं की मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बुनियादी ढांचे पर निवेश और बदलती उपभोग संस्कृति ने अर्थव्यवस्था को आंतरिक गति प्रदान की है। जब वैश्विक बाजार अनिश्चित हों, तब घरेलू मांग अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा-कवच का काम करती है। इसीलिए वर्तमान विकास दर में घरेलू मांग की मजबूती को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए।

इस आर्थिक प्रदर्शन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वृद्धि केवल एक क्षेत्र के सहारे नहीं टिकी है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत धीरे-धीरे उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्यतः सेवा क्षेत्र की शक्ति के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब देश में उत्पादन बढ़ाने, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में किए गए प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। निर्माण क्षेत्र भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़कें, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, आवास, औद्योगिक गलियारे और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश का प्रभाव केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों में नहीं दिखाई देता, बल्कि उससे भविष्य की आर्थिक क्षमता भी निर्मित होती है।

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है। जनधन खातों से लेकर डिजिटल भुगतान तक और राजमार्गों से लेकर रेलवे के आधुनिकीकरण तक, आर्थिक गतिविधियों का एक व्यापक तंत्र तैयार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश के बड़े बाजार को अधिक एकीकृत करने में भूमिका निभाई है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबारी वातावरण को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अनेक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निवेश को बढ़ावा दिया है। इन नीतियों का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद के ताजा आंकड़े इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत अवश्य देते हैं।

शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती अव्यवस्था से क्यों बढ़ रही है युवाओं की चिंता?

ऐसी स्थितियों को निर्मित करने वाले अपराधी पढ़े-लिखे होते हैं, वे व्यवस्था को जानते हैं और उसे चलाने वालों में से कुछ को चिह्नित कर उन्हें भी अपने साथ शामिल कर लेते हैं। इससे स्पष्ट हो जाता है कि शिक्षा संस्थाएं और व्यवस्था उस सर्वकालिक मूल्य-बोध से दूर हो गई हैं, जिसमें उनका घोषित उद्देश्य 'व्यक्ति से व्यक्तित्व' निर्माण होता है। यदि इसे बदलना है, तो शिक्षा व्यवस्था के बाहर के परिदृश्य पर भी निगाह डालनी होगी और उसका विश्लेषण करना होगा।

(जगमोहन सिंह राजपूत)

स्वतंत्रता के बाद देश की आबादी बढ़ी। राज्य सरकारों ने शिक्षा के लिए आवश्यक आबंटन कर पाने में अपनी असमर्थता व्यक्त की। ऐसे में शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा मिला। आजादी के आठ दशक पूरे हो गए हैं। एक पीढ़ी ने इस दौरान हुए परिवर्तन को देखा है और उसमें भागीदारी की है। उपलब्धियों तथा कमियों का विश्लेषण भी किया है। वे आज की 'जेन जी' की भाषा से भले ही अनभिज्ञ हों, मगर अनुभव उनके पास है, जिसको यदि सही ढंग से समझ लिया जाए, तो भावी पीढ़ी के लिए यह उपयोगी ही होगा। ये लोग जब महाविद्यालयों या विश्वविद्यालयों में थे (यानी 1947-67 के दौरान), तब इनका प्रश्नपत्र-लीक, नकल माफिया और कोचिंग संस्थान जैसे शब्दों से कोई परिचय नहीं था।

उन्हें शिक्षकों, परीक्षकों और लोक सेवा आयोग पर पूरा विश्वास था। इससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण यह था कि जनप्रतिनिधियों की निष्ठा पर लोगों को भरोसा था। उन्हें मूल्य-आधारित जीवन जीने का अनुभव था। मगर आज ऐसा नहीं है, युवाओं के लिए अनुकरणीय व्यक्तित्व ढूंढ़ पाना कठिन है। आज का हर तरुण और युवा अपने भविष्य को लेकर तनाव में है। परिवार और माता-पिता उनसे भी अधिक चिंतित हैं।

स्वतंत्रता के बाद देश की आबादी बढ़ी। राज्य सरकारों ने शिक्षा के लिए आवश्यक आबंटन कर पाने में अपनी असमर्थता व्यक्त की। ऐसे में शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा मिला। देश में शिक्षा उद्योग बन गई, जिसमें लाभांश सुनिश्चित था। चूंकि साक्षरता बढ़ाना आवश्यक था, इसलिए स्कूलों की संख्या बढ़ी, विद्यार्थी भी बढ़े, लेकिन गुणवत्ता घटती चली गई। इससे भी अधिक चिंताजनक स्थिति यह बनी कि समाज में नैतिकता का ह्रास हुआ और मानवीय मूल्यों का महत्त्व भी कमजोर होता गया। आज युवाओं को प्रश्नपत्र लीक और दोबारा परीक्षाओं का बोझ एवं तनाव झेलना पड़ रहा है। जंतर मंतर और रांची में प्रदर्शन उनके इसी गुस्से का द्योतक है। यह परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ियों का ही नतीजा है कि कुछ विद्यार्थी तनाव के बीच अपनी जिंदगी से हार मान लेते हैं।

ऐसी स्थितियों को निर्मित करने वाले अपराधी पढ़े-लिखे होते हैं, वे व्यवस्था को जानते हैं और उसे चलाने वालों में से कुछ को चिह्नित कर उन्हें भी अपने साथ शामिल कर लेते हैं। इससे स्पष्ट हो जाता है कि शिक्षा संस्थाएं और व्यवस्था उस सर्वकालिक मूल्य-बोध से दूर हो गई हैं, जिसमें उनका घोषित उद्देश्य 'व्यक्ति से व्यक्तित्व' निर्माण होता है। यदि इसे बदलना है, तो शिक्षा व्यवस्था के बाहर के परिदृश्य पर भी निगाह डालनी होगी और उसका विश्लेषण करना होगा।

बीसवीं सदी ने साम्राज्यवाद का सूरज अस्त होते देखा। वे सभी प्रबुद्ध व्यक्ति और देश जो विश्व शांति और 'अब और युद्ध नहीं' के पक्षधर थे, वे जानते थे कि साम्राज्यवाद मनुष्य की कुछ अंतर्निहित प्रवृत्तियों का परिणाम होता है, जिनमें हर कोई अन्य से अधिक श्रेष्ठ, समृद्ध और अधिकार संपन्न दिखना चाहता है। इसका उदाहरण आज का अमेरिका है, जो वेनेजुएला, कनाडा और ग्रीनलैंड को आत्मसात करना चाहता है। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद यह चर्चा प्रारंभ हुई कि भविष्य के साम्राज्य ज्ञान के साम्राज्य होंगे। भारत इसे बहुत पहले से समझ चुका था कि 'ज्ञान से पवित्र और कुछ भी नहीं है'। प्राचीन भारत के मनीषी इसे जानते-समझते थे, उनकी ज्ञान-साधना का लक्ष्य सत्य की खोज था।

आधुनिक विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान अर्जन में जो तेजी आई है, उसमें और प्राचीन भारतीय ज्ञान अर्जन परंपरा में एक बहुत बड़ा अंतर है। वैसे यह अब पूरी तरह स्थापित हो चुका है कि ज्ञान के साथ बुद्धि, विवेक और मानवीय संवेदना का समन्वय आवश्यक है। यह भारत का उत्तरदायित्व बनता है कि सहिष्णुता के अपने इतिहास को याद कर वह वैश्विक स्तर पर इस विचार को स्थापित करे, लेकिन भारत इस उत्तरदायित्व का निर्वाह तभी कर सकेगा, जब उसकी अपनी शिक्षा व्यवस्था और उसका प्रबंधन अनुकरणीय स्तर पर आ सके।

मगर आज ऐसा दिखाई नहीं देता है। शिक्षा नीतियां कुछ भी कहें, तथ्य यह है कि गुणवत्ता का मानक आज भी पश्चिमी देशों की व्यवस्था तथा विषय वस्तु तक ही सीमित है। विश्व के जिन देशों के लिए भारत केवल एक बाजार है, वह हमारी शिक्षा व्यवस्था को रास्ता कैसे दिखा सकते हैं? भारत भी पश्चिम के देशों की नकल कर यदि अपनी शिक्षा की विषयवस्तु और व्यवस्था बनाता है, तो वह केवल डिग्री ही दे सकता है, भारतीयता नहीं। शिक्षा में मानव-तत्त्व की उपस्थिति बहुत आवश्यक है, लेकिन वही कमजोर हो रहा है।

कृत्रिम मेधा शिक्षा और उसके प्रबंधन को नए-नए स्तरों पर ले जा रही है। भारत को भी उसमें अग्रणी होना होगा, लेकिन भारतीय तत्त्व उसमें खो न जाए, इसका ध्यान भी रखना होगा। अब यह सिद्ध हो चुका है कि विश्व में मान-सम्मान उसी देश को प्राप्त हो सकेगा, जिसकी शिक्षा व्यवस्था गुणवत्ता, उत्कृष्टता और मानवीय तत्त्व से परिपूर्ण होगी। भारत की शिक्षा नीति में ऐसे तत्त्व उपलब्ध हैं, जो उसे भविष्योन्मुखी बना सकते हैं। मगर इसके लिए हर स्तर पर अकादमिक नेतृत्व की उपस्थिति आवश्यक है। जिन लोगों ने आजादी के बाद के तीन दशकों तक की शिक्षा व्यवस्था देखी है, वे जानते हैं कि उस समय तक शिक्षा संस्थाओं का नेतृत्व नौकरशाहों के हाथ में नहीं था, जैसा कि आज है। देश में आज एक लाख से अधिक स्कूल केवल एक अध्यापक के सहारे चल रहे हैं। पिछले दो वर्षों में सरकारी स्कूलों में नामांकन 86 लाख तक घटा है, जबकि निजी स्कूलों में इसी दौरान नामांकन 88 लाख बढ़ा है।

केवल कागजों में शिक्षक-छात्र अनुपात के महत्त्व को दर्शाना और व्यावहारिकता में उससे आंखें चुरा लेना, हर उस बच्चे के साथ अन्याय है जो इस प्रकार की व्यवस्था में पढ़ने के लिए मजबूर है। ये बच्चे उन परिवारों से आते हैं, जिन्हें शिक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता है और वे विकास की धारा में अंतिम छोर पर खड़े हैं। इनके भविष्य निर्माण के लिए चाहिए नेतृत्व क्षमता से परिपूर्ण ऐसे व्यक्तित्व, जिनमें भारत की विविधताओं की समझ हो, उसके प्रति सम्मान की भावना हो। जिनके पास देश के भविष्य को संवारने का आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति हो। ऐसे लोगों की उपस्थिति प्राथमिक पाठशाला से लेकर उच्च शिक्षा संस्थानों तक सुनिश्चित करनी होगी। (यह लेखक के अपने विचार है)

बिना खर्ची-बिना पर्ची नौकरी से मेवात के युवाओं में बढ़ा सरकार पर भरोसा : रमेश मानुवास

मुख्यमंत्री नायब सैनी के नूंह दौरे का भाजपा जिला महामंत्री ने किया स्वागत, कहा- विकास और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ रहा हरियाणा

नूंह जुबैर खान नूंह: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के हालिया नूंह दौरे को लेकर भाजपा जिला महामंत्री रमेश मानुवास ने मुख्यमंत्री का पुष्प भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान नूंह जिले को करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात मिलने के साथ-साथ क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के क्षेत्र में भी नई उम्मीद मिली है। जिला महामंत्री रमेश मानुवास ने कहा कि नूंह जिले के युवाओं के लिए यह विशेष अवसर है कि प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में उन्हें एक साथ नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। सबसे बड़ी बात यह है कि युवाओं को बिना खर्ची और बिना पर्ची के योग्यता के आधार पर रोजगार का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था ने मेवात के युवाओं के भीतर नई ऊर्जा और विश्वास पैदा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सरकारी भर्ती की व्यवस्था में पारदर्शिता और योग्यता को प्राथमिकता दी है। आज किसी युवा को नौकरी के लिए किसी की सिफारिश के पीछे भागने के बजाय अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर आगे बढ़ने का विश्वास मिला है। यही बदलाव प्रदेश के युवाओं के भविष्य को मजबूत करने वाला है।रमेश मानुवास ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षों पहले देश को विकसित और सशक्त बनाने का जो सपना देखा था, उसे हरियाणा में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में आगे बढ़ाया गया। अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उसी विकास यात्रा को गति देने में जुटे हुए हैं। सरकार 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मूलमंत्र के साथ प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य, कृषि, व्यापार, रोजगार, कर्मचारी और श्रमिक कल्याण सहित प्रत्येक क्षेत्र में सरकार द्वारा योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। हरियाणा का युवा आज पढ़ाई के साथ खेलों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहा है। योग्य युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं और सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जा रही है।भाजपा जिला महामंत्री रमेश मानुवास ने कहा कि मेवात का युवा लंबे समय से विकास और रोजगार के बेहतर अवसरों की उम्मीद लगाए बैठा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नूंह जिले के विकास को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है। जिले में विकास परियोजनाओं को गति मिलने से आने वाले समय में क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से आज आम कार्यकर्ता और आम नागरिक के भीतर यह विश्वास पैदा हुआ है कि सरकार उनकी आवाज सुन रही है। केंद्र और प्रदेश सरकार मिलकर जनहित के कार्यों को आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नीति के चलते हरियाणा विकास के नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। रमेश मानुवास ने मेवात के युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि युवा अपनी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर पूरा ध्यान दें। मेहनत और प्रतिभा के दम पर आगे बढ़ें। सरकार योग्य युवाओं को उनकी काबिलियत के अनुसार अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे सरल, सहज और संवेदनशील मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की जनता के हित में लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से भी आह्वान किया कि वह सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते रहें।

भीम स्टेडियम भिवानी में थल सेना की अग्निवीर भर्ती रैली 2 से 15 सितम्बर तक होगी आयोजित

▶▶ उम्मीदवारों को 1600 मीटर की दौड़ में और तिथिवार अलग अलग श्रेणियों में लेना होगा भाग

रेवाड़ी। भीम स्टेडियम, भिवानी में 02 सितम्बर से शुरू होने वाली सेना भर्ती रैली के लिए समुचित व्यवस्थाएं की गई है द्ध डायरेक्टर (स्टेट्स), मुख्यालय अम्बाला सेना भर्ती कार्यालय से कर्नल बीआर शेखावत ने भर्ती रैली में आये हुए आर्मी के अधिकारियो एवं सभी पदाधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि फ़ौज का अनुशासन पहली प्राथमिकता है, इसलिए सभी को अनुशासन के परिचय के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन पूरी पारदर्शिता के साथ जिम्मेदारी को नियमानुसार पूरा करना है द्ध कर्नल बीआर शेखावत ने बताया कि उम्मीदवारों का प्रवेश सुबह चार बजे प्रतिदिन किया जाएगा।

ऑनलाइन परीक्षा पास उम्मीदवारों को फिजिकल टेस्ट के लिए एडमिट कार्ड जारी किये गए है। उम्मीदवारों को अग्निवीर बनने के लिए 1600 मीटर दौड़ में थितिवार अलग-अलग श्रेणी में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना के तहत सेना भर्ती कार्यालय, चरखी दादरी ने भर्ती के लिए महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी और भिवानी जिलो के सभी ऑनलाइन परीक्षा उत्तीर्ण 7,138 उम्मीदवारों को शारीरिक परीक्षण के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए है। उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि भर्ती रैली भीम स्टेडियम में 2 सितम्बर से 15 सितम्बर तक आयोजित की जाएगी।

साइबर सेल द्वारा 11 लाख रुपये से अधिक कीमत के 38 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद:डीसीपी उत्तम

▶▶ डीसीपी एनआईटी उत्तम ने मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे

फरीदाबाद। भेदी नजर,सुनील कुमार जांगड़ा, फरीदाबाद पुलिस आमजन की सुरक्षा एवं उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए लगातार तकनीक आधारित कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में एनआईटी जोन की साइबर सेल ने तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए 11 लाख रुपये से अधिक कीमत के 38 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को लौटाने में सफलता हासिल की है। बरामद किए गए मोबाइल फोन डीसीपी एनआईटी उत्तम द्वारा अपने कार्यालय में उनके वास्तविक मालिकों को विधिवत सुपुर्द किये हैं।

लंबे समय से अपने गुम हुए मोबाइल फोन के मिलने की उम्मीद छोड़ चुके लोगों के लिए यह खुशी का अवसर रहा। मोबाइल फोन प्राप्त करने वाले नागरिकों ने फरीदाबाद पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गुमशुदा मोबाइल फोन की तलाश के लिए एनआईटी जॉन की साइबर सेल द्वारा केंद्र सरकार के सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का तकनीकी विश्लेषण किया गया। टीम ने मोबाइल फोन के आई एम ई आई नंबर, डिजिटल ट्रैकिंग, नेटवर्क संबंधी तकनीकी जानकारी एवं अन्य आधुनिक संसाधनों की सहायता से फोन की पहचान की।

झविभिन्न स्थानों पर मोबाइल फोन की लोकेशन एवं उपयोग संबंधी जानकारी मिलने के बाद आवश्यक कार्रवाई करते हुए उन्हें बरामद किया गया है।

डीसीपी एनआईटी उत्तम ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि मोबाइल फोन गुम होने की स्थिति में घबराएं नहीं और शिकायत दर्ज कराने में देरी न करें। नागरिक तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं तथा आवश्यक पुलिस प्रक्रिया पूरी करें।

समय पर शिकायत दर्ज कराने से मोबाइल फोन को ट्रैक करने, उसे ब्लॉक करने तथा उसके संभावित दुरुपयोग को रोकने में मदद मिलती है।फरीदाबाद पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम होने पर सीईआईआर पोर्टल पर तुरंत शिकायत दर्ज कराएं, मोबाइल फोन का आई एम ई आई नंबर सुरक्षित रखें, बैंकिंग एवं अन्य संवेदनशील जानकारी होने पर संबंधित सेवाओं की सुरक्षा के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाएं, मोबाइल फोन में मजबूत पासकोड/स्क्रीन लॉक का उपयोग करें। फरीदाबाद पुलिस आमजन की डिजिटल एवं व्यक्तिगत संपत्ति की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और तकनीकी माध्यमों से नागरिकों की शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी रखेगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर डीसी ने समीक्षा बैठक

डीसी अभिषेक मीणा ने 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं से वोट बनवाने का किया आह्वान

रेवाड़। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अभिषेक मीणा ने मंगलवार को लघु सचिवालय के सभागार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इससे पहले हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि मतदाता सूची को पारदर्शी, शुद्ध एवं अपडेट बनाए रखना निर्वाचन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संबंधित अधिकारी इस कार्य को पूरी गंभीरता के साथ करें। साथ ही मतदाता भी इस कार्य में पूरा सहयोग करें। जब बीएलओ सत्यापन के लिए उनके घर पहुंचे तो उन्हें सही जानकारी एवं आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करवाएं, ताकि मतदाता सूची का सत्यापन कार्य सुचारू रूप से पूरा हो सके। उन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी युवाओं से भी अपना वोट अवश्य बनवाने का आह्वान किया।

डीसी ने बताया कि मतदाता सूची से संबंधित प्राप्त दावों एवं आपत्तियों की सुनवाई निर्धारित समय-सीमा में पूरी की जाए। बीएलओ सत्यापन कार्य में तेजी लाएं। वहीं आमजन भी बीएलओ द्वारा मांगे गई आवश्यक जानकारी उपलब्ध करवाएं। सभी बीएलओ के पास सभी संबंधित फार्म उपलब्ध होने चाहिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने हरियाणा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की संशोधित समय-सारणी जारी की है।

झ इसके तहत दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि अब 30 सितंबर 2026 कर दी गई है। इस अवधि के दौरान पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करवाने के साथ-साथ मतदाता सूची में दर्ज नाम अथवा विवरण से संबंधित दावे एवं आपत्तियां भी प्रस्तुत कर सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची 6 नवंबर 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

डीसी ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे निर्धारित अवधि के दौरान मतदाता सूची में अपने नाम और विवरण की जांच अवश्य करें।

यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है या नाम, पता अथवा अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि है, तो वह निर्धारित अवधि के भीतर संबंधित दावा या आपत्ति दर्ज करवाए।

इस अवसर पर एसडीएम रेवाड़ी दलबीर सिंह, एसडीएम बावल संजीव कुमार और नायब तहसीलदार चुनाव अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारियों की मांगों के समर्थन में उतरीं मंजूलता

● मांगें नहीं मानी तो होगा बड़ा आंदोलन

कोसली,(सुनील नठेडा) आदवंशी फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजूलता ने हरियाणा सफाई कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से उनकी जायज मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी दिन-रात मेहनत कर शहरों और गांवों को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनकी समस्याओं और मांगों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। मंजूलता ने कहा कि हरियाणा सफाई कर्मचारियों की मांगें पूरी तरह जायज हैं और सरकार को कर्मचारियों के हित में सकारात्मक कदम उठाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने सफाई कर्मचारियों की मांगों को अनदेखा किया तो प्रदेश में बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं सरकार की होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं है और उसका रवैया सफाई कर्मचारी विरोधी नजर आ रहा है। उन्होंने

सरकार से अपील की कि टकराव की स्थिति पैदा करने के बजाय कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनकी मांगों का समाधान किया जाए। मंजूलता ने कहा कि सफाई कर्मचारियों के सम्मान, अधिकार और सुविधाओं के लिए उनका संगठन लगातार आवाज उठाता रहेगा।

एनएसओ (एफओडी) द्वारा किया जा रहा सर्वेक्षण कार्य नागरिक सर्वेक्षण की सूचनाएं देने में करें सहयोग: सहायक निदेशक पूजा कुमारी

विकास योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण के लिए किया जा रहा है सर्वेक्षण कार्य

रेवाड़ी। भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के क्षेत्र संकार्य प्रभाग (एफओडी) द्वारा वर्ष 1950 से परिवारों एवं प्रतिष्ठानों से विभिन्न सामाजिक-आर्थिक विषयों पर सूचनाएं एकत्र करने का कार्य किया जा रहा है। सांख्यिकी कार्यालय की सहायक निदेशक पूजा कुमारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इन सर्वेक्षणों से प्राप्त आंकड़े देश एवं राज्य स्तर पर विकास योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण, उनके प्रभाव के आकलन तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति को समझने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। इन सर्वेक्षणों में एकत्र की गई सभी सूचनाएं पूर्णतः गोपनीय रखी जाती हैं। सहायक निदेशक ने बताया कि इसी उद्देश्य से सितंबर 2026 माह के दौरान रेवाड़ी जिले के विभिन्न गांवों में भी एनएसओ (एफओडी) द्वारा सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है, जिसमें आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस), वार्षिक असंगठित क्षेत्र उद्यम सर्वेक्षण (एएसयूएसई), राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण (एनएचआईएस), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) सर्वेक्षण, अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण (एआईडीआईएस), स्थिति मूल्यांकन सर्वेक्षण (एसएएस), प्रवासन संबंधी विवरण सर्वेक्षण (एमपीएस) तथा सेवा क्षेत्र में सम्मिलित प्रतिष्ठानों का वार्षिक सर्वेक्षण (एएसआईएसएसई) पर विशेष सर्वेक्षण किया जा रहा है। सर्वेक्षण के दौरान प्रशिक्षित एनएसओ अधिकारी चयनित परिवारों एवं प्रतिष्ठानों से सुरक्षित डिजिटल उपकरणों एवं अधिकृत वेब पोर्टल के माध्यम से जानकारी एकत्रित की जाएगी। सहायक निदेशक ने बताया कि रेवाड़ी जिले में गैर निंगमित क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण के लिए गांव मालपुरा, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण में रेवाड़ी i1-0004, bl-019 , राष्ट्रीय पारिवारिक आय सर्वेक्षण में रेवाड़ी IV-0003, BL-031, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक सर्वेक्षण के लिए गांव पाल्हावास व खडखड़ा, प्रवासन संबंधी विवरण में सर्वेक्षण के लिए गांव रामसिंहपुर व भाड़ावास तथा अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश व कृषि परिवारों की स्थिति मूल्यांकन सर्वेक्षण के लिए गांव शेखपुर शिकारपुर व धारण शामिल है। उन्होंने बताया कि इन सर्वेक्षणों में एकत्र की गई सभी सूचनाएं पूर्णतः गोपनीय रखी जाती हैं तथा उनका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

किसी भी रिपोर्ट अथवा प्रकाशित आंकड़ों में सर्वेक्षण में शामिल परिवारों एवं प्रतिष्ठानों की पहचान उजागर नहीं की जाती है। सहायक निदेशक पूजा कुमारी ने सभी चयनित परिवारों एवं प्रतिष्ठानों से अनुरोध किया है कि वे सर्वेक्षण अधिकारियों को सही एवं पूर्ण जानकारी प्रदान करने में आवश्यक सहयोग दें। जनता का सहयोग देश के लिए विश्वसनीय सांख्यिकीय आधार तैयार करने तथा बेहतर नीति निर्माण एवं राष्ट्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

फिरोजपुर झिरका के गांव महू में चौधरी नसीम अहमद के समर्थन में उमड़ा जनसमर्थन

▶▶ हाजी हयात खान व चौधरी जाकिर के नेतृत्व में आयोजित हुआ भव्य समर्थन समारोह

नूंह जुबैर खान नूंह : फिरोजपुर झिरका विधानसभा क्षेत्र के गांव महू में मंगलवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक चौधरी नसीम अहमद के समर्थन में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हाजी हयात खान एवं चौधरी जाकिर के नेतृत्व में किया गया। जिसमें क्षेत्र के ग्रामीणों और समर्थकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर चौधरी नसीम अहमद के प्रति अपना समर्थन जताया।समारोह में पहुंचने पर चौधरी नसीम अहमद का ग्रामीणों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान पूरा माहौल उत्साह और जोश से भरा नजर आया। लोगों ने चौधरी नसीम अहमद के समर्थन में नारे लगाते हुए उनके साथ मजबूती से खड़े रहने का भरोसा दिलाया।वक्ताओं ने कहा कि चौधरी नसीम अहमद का क्षेत्र की राजनीति में लंबा अनुभव और लोगों के साथ उनका मजबूत जुड़ाव उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। पूर्व विधायक के रूप में उन्होंने क्षेत्र के विकास और आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का काम किया है। यही वजह है कि आज भी इलाके के लोगों में उनके प्रति सम्मान और विश्वास कायम है। हाजी हयात खान एवं चौधरी जाकिर ने कहा कि चौधरी नसीम अहमद केवल एक राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में खड़े रहने वाले जनप्रतिनिधि रहे हैं। उन्होंने कहा कि महू गांव में आयोजित यह समर्थन समारोह क्षेत्र में चौधरी नसीम अहमद के प्रति बढ़ते जनविश्वास और मजबूत होते समर्थन का प्रतीक है।समारोह में मौजूद ग्रामीणों ने कहा कि वे क्षेत्र के हितों और विकास के मुद्दों पर चौधरी नसीम अहमद के साथ मजबूती से खड़े हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, समर्थक एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रेवाड़ी में 6 को होगा हॉफ मैराथन का आयोजन, मुख्यमंत्री दिखाएंगे हरी झंडी

● डीसी अभिषेक मीणा ने तैयारियों के संबंध में ली अधिकारियों की बैठक ● मैराथन की सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे अधिकारी : डीसी

रेवाड़ी। हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम के तहत पीतल नगरी रेवाड़ी में रविवार, 6 सितंबर को राज्य स्तरीय हॉफ मैराथन का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तरीय हॉफ मैराथन की तैयारियों को लेकर डीसी अभिषेक मीणा ने मंगलवार को लघु सचिवालय सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की। वहीं हरियाणा आउटरीच कार्यक्रम के विशेष अधिकारी पंकज नैन ने भी वीसी के माध्यम से डीसी अभिषेक मीणा और एसपी हेमेंद्र मीणा सहित संबंधित अधिकारियों को मैराथन के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि राज्य स्तरीय हाफ मैराथन में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होंगे और धावकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के साथ ही विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित भी करेंगे। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हॉफ मैराथन रूट पर साफ सफाई व्यवस्था पुरी तरह से दुरूस्त होनी चाहिए। इसके साथ-साथ रोड मार्किंग और विभिन्न चौक के सौंदर्यीकरण का कार्य सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस हाफ मैराथन में भाग लेने वाले धावकों को दौडने में किसी भी तरह की कोई दिक्कत न हो।

70 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने करवाया पंजीकरण; डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि रेवाड़ी मैराथन के लिए 70 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण करवाया है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया लगातार जारी है। इसके लिए httpsÑ//www-runagainst-drugsrwr-in/#/en/registration ; पर क्लिक करके अपना नाम, माता या पिता का नाम, आयु, राज्य, जिला और मोबाइल नंबर दर्ज कर पंजीकरण किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त क्यूआर कोड को स्कैन करके भी मैराथन के लिए आसानी से पंजीकरण किया जा सकते है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से रेवाड़ी मैराथन के लिए अपना पंजीकरण करवाने का आह्वान किया।

रेवाड़ी मैराथन कार्यक्रम के दौरान सजेगा सांस्कृतिक मंच; रेवाड़ी मैराथन के नोडल अधिकारी एवं एडीसी राहुल मोदी ने मैराथन के रूट का जायजा लिया। साथ ही बाल भवन परिसर में मैराथन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के चयन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों का बारीकी से अवलोकन किया।

एडीसी राहुल मोदी ने बताया कि राज्य स्तरीय हॉफ मैराथन कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक मंच सजेगा जिसमें प्रदेश के विख्यात कलाकार और स्थानीय कलाकार विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम के उद्देश्यों से भी अवगत कराएंगे। साथ ही हॉफ मैराथन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में जोश व उत्साह का संचार करेंगे। लोक कलाकार सांस्कृतिक मंच से हरियाणवी गीतों व गानों की प्रस्तुति देंगे।

ये रहे मौजूद; बैठक में डीएमसी प्रदीप अहलावत, एसडीएम रेवाड़ी दलबीर सिंह, एसडीएम बावल संजीव कुमार, सीटीएम जितेंद्र कुमार और डीएसपी पवन कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एसएचओ विद्यासागर ने संभाला कोसली थाने का कार्यभार

● अपराध और अपराधियों पर होगी सख्त कार्रवाई: विद्यासागर

कोसली,(सुनील नठेडा) कोसली थाना में नए थाना प्रभारी (एसएचओ) के रूप में विद्यासागर ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने तथा अपराध पर अंकुश लगाने को अपनी प्राथमिकता बताया। एसएचओ विद्यासागर ने कहा कि 'अपराध और अपराधियों का सफाया होगा।' उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अपराधियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा

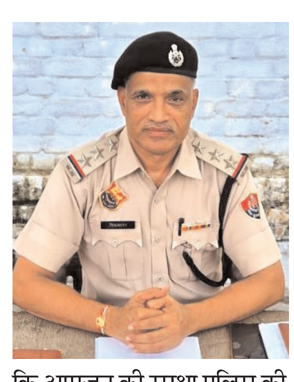

कि आमजन की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही नशे, चोरी, मारपीट सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाएगी। एसएचओ विद्यासागर ने क्षेत्र के लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा में मतदाता सूची में नाम और पता जांचने का एक और मौका, 30 सितंबर दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तारीख

फरीदाबाद, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी स्क्क्र कार्यक्रम की समय सीमा बढ़ा दी है. अब मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम या पते में सुधार कराने अथवा किसी नाम को लेकर दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए 30 सितंबर 2026 तक का समय दिया गया है. पहले दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तारीख इससे पहले निर्धारित थी, लेकिन निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को अतिरिक्त समय देते हुए इसे बढ़ा दिया है. ऐसे में जिले के पात्र नागरिकों के पास अपनी मतदाता सूची की जांच करने और जरूरी सुधार कराने का एक और मौका है. नाम और पता जरूर जांचें: फरीदाबाद के उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि 'वे मतदाता सूची में अपना नाम जरूर जांच लें. उन्होंने कहा कि अगर किसी मतदाता का नाम सूची में नहीं है या नाम, पता अथवा अन्य जानकारी में गलती है तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत 30 सितंबर तक दावा या आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है.' उन्होंने अधिकारियों और बूथ लेवल अधिकारियों को भी संशोधित कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं, ताकि जिले के हर पात्र नागरिक को इसकी जानकारी मिल सके. 28 अक्टूबर तक निपटेंगी आपत्तियां: निर्वाचन आयोग के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, 30 सितंबर तक मिलने वाले दावे और आपत्तियों पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. संबंधित मामलों में नोटिस जारी करने और दावे-आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया 28 अक्टूबर 2026 तक पूरी की जाएगी. इसके बाद तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची 6 नवंबर 2026 को प्रकाशित होगी. कोई भी पात्र मतदाता न छूटे: जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा ने कहा कि 'सही और अपडेटेड मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूत नींव है. इसलिए हर पात्र नागरिक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मतदाता सूची में उसका नाम और अन्य जानकारी सही दर्ज हो.' उन्होंने 'नागरिकों से अपील की कि वे अंतिम तारीख का इंतजार न करें और समय रहते अपनी जानकारी की जांच कर लें. अगर नाम नहीं है, विवरण में गलती है या किसी प्रविष्टि को लेकर दावा अथवा आपत्ति है, तो 30 सितंबर तक निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करें.' आपको बता दें निर्वाचन विभाग का उद्देश्य है कि जिले की मतदाता सूची में हर पात्र नागरिक का नाम दर्ज हो और सभी विवरण सही रहें.

चरखी दादरी में बड़ा हादसा:

गोगामेड़ी जा रही श्रद्धालुओं से भरी ट्रॉली पलटी, मची चीख-पुकार, 36 श्रद्धालु घायल

चरखी दादरी, एजेंसी। नेशनल हाईवे-334बी स्थित लोहारू रोड पर गांव खेड़ी बत्तर के पास मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया. दरअसल, यूपी के अलीगढ़ से राजस्थान के प्रसिद्ध गोगामेड़ी धाम दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से तेज रफ्तार ट्राले ने जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर लगते ही ट्रॉली पलट गई. इसके बाद हाईवे पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई. हादसे में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों समेत 36 श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई. घायलों को पहुंचाया गया अस्पताल: इधर, सूचना पाकर सदर थाना पुलिस, एंबुलेंस और राहत दल मौके पर पहुंचे. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाहर निकालकर तुरंत चरखी दादरी के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां अस्पताल प्रशासन ने इमरजेंसी सेवाएं सक्रिय कर सभी डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को अलर्ट पर तैनात कर दिया. घायलों में महिलाएं व बच्चे भी शामिल: इस बारे में डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. राहुल अरोड़ा ने कहा कि, 'हादसे में करीब 35-36 श्रद्धालु घायल होकर अस्पताल पहुंचे हैं. इनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं. प्राथमिक उपचार के बाद लख्मी पत्नी हनीफ, छिया पुत्र महावीर, नत्थे सिंह पुत्र प्रभात और विजय पुत्र ध्राजीराम की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया है. अन्य सभी घायलों का उपचार सिविल अस्पताल में जारी है.' अलीगढ़ से गोगामेड़ी दर्शन के लिए निकले थे श्रद्धालु: वही, जिन घायलों को इलाज चल रहा है, उनमें घायल शैलेश कुमार, राहुल और नीरज ने बताया कि, 'सभी श्रद्धालु अलीगढ़ से ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर गोगामेड़ी धाम जा रहे थे. दादरी के पास पीछे से तेज रफ्तार ट्राले ने टक्कर मार दी, जिससे ट्रॉली पलट गई और लगभग सभी सवारियां घायल हो गईं.

अंकित बालियान हत्याकांड:

मोहित-सुमित एनकाउंटर से सदमे में परिवार, मोहित की मां खबर सुन बेसुध, सुमित के पिता ने लगाए गंभीर आरोप

सोनीपत, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के शामली में हरियाणवी सिंगर और यूट्यूबर अंकित बालियान की हत्या के मामले में पुलिस मुठभेड़ में सोनीपत के रहने वाले दो कथित शूटर मोहित और सुमित की मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक दोनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम था और उनके तार गोगी गैंग से जुड़े थे. दोनों अंकित की हत्या के बाद फरार थे. पुलिस के अनुसार शामली के औद्योगिक क्षेत्र में उन्हें घेरा गया, जिसके बाद मुठभेड़ हुई. इस दौरान दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए.

6 महीने से घर से गायब था मोहित: मुठभेड़ में मारे गए मोहित के परिवार को पिछले करीब छह महीने से उसकी कोई जानकारी नहीं थी. वह सोनीपत के बेयापुर खुर्द का रहने वाला था. परिवार के मुताबिक घर छोड़ने के बाद वह कहां रहा और किन लोगों के संपर्क में था, इसकी जानकारी उन्हें नहीं थी. उसकी मौत की खबर जब परिवार तक पहुंची तो मां बेसुध हो गई.

नौवीं के बाद अपराध की राह: परिवार के अनुसार मोहित ने नौवीं कक्षा के बाद अपराध की दुनिया में कदम रखा था. दोस्तों के साथ विवाद के एक मामले में वह जेल भी गया था. पैरोल पर बाहर आने के बाद उसने बेयापुर खुर्द छोड़ दिया था. परिवार पहले किराए के मकान में रहता था, लेकिन पिछले कुछ समय से उसकी मां, भाई और बहन अपने मामा के पास रह रहे हैं. मां बोली- 'बेटा सुधरने की बात करता था ': मोहित की मां ने कहा कि, 'मेरा बेटा कई बार खुद को सुधारने की बात करता था, लेकिन उसके आसपास के लोगों और दोस्तों का असर उस पर बना रहा. हमें अंकित बालियान हत्याकांड में उसके नाम आने की जानकारी भी नहीं थी. छह महीने पहले आखिरी बार मोहित से बातचीत हुई थी, उसके बाद परिवार का उससे संपर्क टूट गया. वह बार-बार सुधरने की बात करता था, लेकिन उसके आसपास के दोस्त उसे सुधरने नहीं दे रहे थे.' मौत की खबर से सदमे में परिवार: मोहित के परिवार का कहना है कि उन्हें यह तक जानकारी नहीं थी कि वह यूपी में था. पुलिस ने उसे कब पकड़ा और मुठभेड़ कब हुई, इसकी जानकारी भी परिवार को पहले नहीं मिली. बेटे की मौत की खबर सुनते ही उसकी मां की हालत बिगड़ गई. बहन और छोटे भाई समेत पूरा परिवार सदमे में है.

सुमित की भी एनकाउंटर में मौत: मुठभेड़ में मारे गए दूसरे कथित शूटर सुमित का परिवार भी सोनीपत में रहता है. पुलिस की जांच के मुताबिक सुमित भी अंकित बालियान हत्याकांड में शामिल चार कथित शूटरों में से एक था. पुलिस का कहना है कि वारदात के बाद मोहित और सुमित दूसरे रास्ते से फरार हुए थे और बाद में उन्हें ट्रैक किया गया. 'मोहित के संपर्क में आने के बाद बदला बेटा ': सुमित के पिता धर्मपाल ने कहा कि, 'मेरा बेटा मोहित के संपर्क में आने के बाद ही अपराध की दुनिया में गया था. हम उसे मोहित के साथ रहने से मना करते थे. हमने उसे मोहित के साथ रहने से रोकने की कोशिश भी की थी. सुमित 12वीं कक्षा की एक परीक्षा पास नहीं कर पाया था और मेरे साथ मजदूरी करता था. 26 अगस्त को मेरे पास फोन आया था. मोहित ने सुमित से बात नहीं करवाई और बाद में परिवार को बताया कि सुमित चला गया है. इसके बाद परिवार को उसके ठिकाने की जानकारी नहीं मिली. सुमित घर से कपड़े लेकर निकला था. इसके बाद हमें नहीं पता कि वो कहां जा रहा है. '

पिता ने एनकाउंटर पर उठाए सवाल: सुमित के पिता ने दावा किया कि यूपी पुलिस शनिवार को उन्हें और उनके छोटे बेटे को अपने साथ ले गई थी. धर्मपाल ने कहा कि, 'पुलिस ने हमें भरोसा दिया था कि सुमित का एनकाउंटर नहीं किया जाएगा. अब सवाल है कि उस भरोसे के बाद भी ऐसा क्यों हुआ? ' छोटे बेटे के साथ व्यवहार का लगाया आरोप: धर्मपाल ने अपने छोटे बेटे यशपाल के साथ पुलिस द्वारा गलत व्यवहार किए जाने का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि, 'यशपाल वाई-फाई लगाने का काम करता है और पुलिस के व्यवहार से वह परेशान हैं. उसके साथ थर्ड डिग्री का इस्तेमाल किया गया. मैं गरीब आदमी हूं. अगर मेरे छोटे बेटे को कुछ हुआ तो मेरे परिवार का गुजारा कैसे होगा? ' परिवार ने कार्रवाई की जांच की मांग की:सुमित के पिता ने पुलिस कार्रवाई को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है. वहीं मोहित का परिवार बेटे की मौत की खबर से सदमे में है. दूसरी ओर पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी अंकित बालियान हत्याकांड की जांच में वांछित थे और मुठभेड़ के दौरान पुलिस पर फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई की गई. मामले में पुलिस की जांच अभी जारी है. इन आरोपों पर पुलिस का पक्ष सामने आना बाकी है.

करनाल हर्ष एनकाउंटर मामला, 1 सितंबर तक का समय, 3 मांगें नहीं मानी गई तो रोड़ समाज तेज करेगा आंदोलन

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। करनाल में हुए हर्ष एनकाउंटर मामले को लेकर रोड़ समाज में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है. शनिवार को कुरुक्षेत्र की रोड धर्मशाला में रोड समाज के बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और आगामी रणनीति को लेकर बैठक की. बैठक में सरकार की ओर से बातचीत के लिए मिल रहे संकेतों पर भी चर्चा की गई.

'सीबीआई या सिटिंग जज से जांच हो': रोड़ समाज के मथाना कमेटी के सदस्य प्रवीण मथाना ने कहा कि 'समाज ने सरकार के सामने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं और इन तीनों मांगों के पूरा होने तक आंदोलन जारी रहेगा. हर्ष एनकाउंटर मामले की सीबीआई जांच या सिटिंग जज से जांच करवाई जानी चाहिए, ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके. यदि सरकार और प्रशासन की मंशा साफ है तो निष्पक्ष जांच करवाने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए. ' गांव-गांव आंदोलन की चेतावनी: प्रवीण मथाना ने कहा कि 'समाज की दूसरी मांग मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की है. तीसरी मांग विधायक जगमोहन आनंद के खिलाफ कार्रवाई हो.' उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 1 सितंबर तक समाज की मांगों पर सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा. इसके तहत गांव-गांव में राजनीतिक नेताओं के बहिष्कार और धरना-प्रदर्शन की रणनीति अपनाई जाएगी. मुख्यमंत्री से अपील, मामले में गंभीरता से विचार हो: प्रवीण मथाना ने कहा कि 'रोड समाज किसी भी कीमत पर पीछे हटने वाला नहीं है. यह आंदोलन सिर्फ एक बिरादरी तक सीमित नहीं रहेगा. अगर मांगें नहीं मानी गई तो 36 बिरादरियों और अन्य समुदायों को भी आंदोलन से जोड़कर इसे गांव-गांव तक फैलाया जाएगा.' उन्होंने मुख्यमंत्री से भी अपील करते हुए कहा कि 'रोड़ समाज ने सरकार का समर्थन किया है और अब सरकार को समाज की मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए. '

सरकार ने 2 दिन का समय मांगा: फिलहाल रोड समाज ने सरकार को दो दिन का समय देने की बात कही है. अब देखना होगा कि सरकार की ओर से इस मामले में क्या कदम उठाया जाता है. क्या आंदोलन को शांत करने के लिए कोई ठोस फैसला सामने आता है.

15 साल बाद जन्माष्टमी पर बन रहा दुर्लभ संयोग, जानें पूजा का शुभ मुहूर्त और विधि

फरीदाबाद, एजेंसी। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं के लिए इस बार जन्माष्टमी बेहद खास होने जा रही है. पंचांग के अनुसार इस साल श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर यानी कि शुक्रवार को मनाई जाएगी. भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव आधी रात में मनाया जाएगा. दिल्ली-एनसीआर में निशीथ काल यानी जन्मोत्सव का मुख्य समय रात करीब 11 बजकर 57 मिनट से 12 बजकर 43 मिनट तक रहेगा. इसी दौरान मंदिरों और घरों में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव, अभिषेक और आरती की जाएगी.

15 साल बाद बन रहा खास संयोग: इस बार की जन्माष्टमी को लेकर श्रद्धालुओं में खास उत्साह है. बंसी वाले मंदिर के मुख्य पुजारी रवि शास्त्री ने जिसे धार्मिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. करीब 15 साल बाद ऐसा संयोग बन रहा है और इस वजह से इस बार भगवान श्रीकृष्ण की पूजा का विशेष महत्व माना जा रहा है.क्योंकि जिस तरह से द्वापर युग में भगवान कृष्ण का जन्म मध्य रात्रि अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में हुआ था इस बार भी ठीक वैसा ही दुर्लभ संयोग बना रहा है. '

क्या है पूजा का विधि-विधान:पुजारी रवि शास्त्री ने आगे बताया कि, 'जन्माष्टमी के दिन श्रद्धालु सुबह स्नान कर भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लेते हैं. दिनभर उपवास और भगवान का स्मरण किया जाता है. रात में पूजा स्थल को साफ कर बाल गोपाल की प्रतिमा या लड्डू गोपाल को सजाया जाता है. निशीथ काल में भगवान श्रीकृष्ण का पंचामृत से अभिषेक किया जाता है. इसके बाद उन्हें नए वस्त्र पहनाकर चंदन, रोली, अक्षत, फूल और तुलसी दल अर्पित किए जाते हैं. माखन-मिश्री, फल और अन्य सात्विक प्रसाद का भोग लगाया जाता है. इसके बाद भगवान की आरती और जन्मोत्सव मनाया जाता है. '

मध्यरात्रि में होगा कान्हा का जन्म: मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि के समय हुआ था. इसलिए जन्माष्टमी पर आधी रात की पूजा को विशेष महत्व दिया जाता है. इस दौरान मंदिरों में शंख-घंटियों की गूंज के बीच भगवान के जन्म की झांकी निकाली जाती है और श्रद्धालु 'नंद के आनंद भयो' के जयकारे लगाते हैं.

जन्माष्टमी का महत्व: बंसी वाले मंदिर के मुख्य पुजारी रवि शास्त्री ने बताया कि, 'इस बार श्रद्धालुओं को जन्माष्टमी पर विशेष श्रद्धा और नियम के साथ पूजा करनी चाहिए. भगवान श्रीकृष्ण की पूजा में भक्ति, तुलसी और माखन-मिश्री के भोग का विशेष महत्व है. रात के शुभ समय में भगवान का जन्मोत्सव मनाकर आरती और प्रसाद वितरण किया जाएगा. कई जगहों पर जन्माष्टमी के अगले दिन नंदोत्सव और दही-हांडी जैसे कार्यक्रम भी आयोजन किया जाता है. '

हरियाणा में कचरे से पैदा होगी 50 मेगावाट बिजली, चार इंटीग्रेटेड वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में शहरी कचरा प्रबंधन की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए राज्य सरकार ने चार इंटीग्रेटेड वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए. हिसार, अंबाला, फरीदाबाद और गुरुग्राम क्लस्टर में स्थापित होने वाले इन संयंत्रों में संचालन शुरू होने पर प्रतिदिन कुल 5 हजार टन कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण किया जाएगा और इससे कुल 50 मेगावाट ऊर्जा का उत्पादन होगा. इन संयंत्रों के अक्टूबर 2028 तक शुरू होने की उम्मीद है.

शहरी विकास को नई ऊर्जा : नूंह में एमओयू होने के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'ये समझौते प्रदेश के शहरों को स्वच्छ, स्वस्थ और आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं . इन संयंत्रों की स्थापना ऑयल ग्रीन एनर्जी लिमिटेड द्वारा की जाएगी, जो ऑयल इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है '

. उन्होंने कहा कि 'यह साझेदारी हरियाणा के शहरी विकास को नई ऊर्जा देने के साथ-साथ प्रदेश में कचरा प्रबंधन के तौर-तरीकों में भी बड़ा बदलाव लाएगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण के साथ कचरे के उचित प्रबंधन की चुनौती भी लगातार बढ़ रही है. कचरा केवल समस्या नहीं है, बल्कि सही तकनीक और वैज्ञानिक व्यवस्था के माध्यम से इसे ऊर्जा और उपयोगी संसाधन में बदला जा सकता है. इसी सोच को धरातल पर उतारते हुए प्रदेश में चार एकीकृत कचरा-से-ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआत की गई है. '

वेस्ट टू वेल्थ : उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को स्वच्छ भारत का संकल्प देने के साथ ही 'वेस्ट टू वेल्थ' की दिशा में नई सोच दी है. हरियाणा भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ रहा है.

राज्य सरकार का प्रयास है कि शहरों में कचरे के ढेर ना लगें, खुले में कचरा डालने और उसके अवैज्ञानिक निपटान की प्रवृत्ति कम हो तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से कचरे का वैज्ञानिक निपटान सुनिश्चित किया जाए. ये पहल इसी संकल्प को और मजबूत करेगी.

बारिश को तरसा हरियाणा, 5 जिलों में बूंदाबांदी के आसार, 6 जिलों में 40 प्रतनिधि से ज्यादा बारिश की कमी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में मानसून की गतिविधियां फिलहाल कमजोर बनी हुई हैं. मौसम विभाग ने 31 अगस्त को प्रदेश के पांच जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है. पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और करनाल में अलग-अलग स्थानों पर बारिश हो सकती है. इसके बाद भी प्रदेश के कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है. हालांकि, अगले सात दिनों के लिए मौसम विभाग ने किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की है.

हिसार में तापमान पहुंचा 38.8 डिग्री: आईएमडी चंडीगढ़ के मुताबिक रविवार को प्रदेश के औसत अधिकतम तापमान में पिछले दिन के मुकाबले 0.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज हुई. इसके बावजूद तापमान सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक रहा. हिसार में सबसे ज्यादा 38.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया. हल्की बारिश की संभावना के बावजूद गर्मी और उमस से तत्काल राहत मिलने के आसार कम हैं.

बारिश की कमी से बाजरा प्रभावित: महेंद्रगढ़ जिले में बारिश की कमी का असर अब बाजरे की फसल पर दिखाई देने लगा है. कई स्थानों पर बाजरे की फसल सूखकर जल गई. मंढाणा, सेका और कादीपुरी गांवों में किसानों को अधिक नुकसान हुआ है. किसानों का कहना है कि बारिश नहीं होने से फसल प्रभावित हुई है. उन्होंने सरकार से नुकसान का आकलन कर मुआवजा देने की मांग की है.

जींद में 57% बारिश कम: मानसूनी सीजन में प्रदेश के कई जिलों में बारिश की कमी बनी हुई है. जींद में सामान्य से 57 प्रतिशत, अंबाला और सिरसा में 51-51 प्रतिशत, कैथल में 50 प्रतिशत, रोहतक में 43 प्रतिशत और करनाल में 41 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है. इसके विपरीत पलवल में सामान्य से 23 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है.

महेंद्रगढ़ में 15% कम बरसात: 1 जून से 30 अगस्त तक महेंद्रगढ़ में 286.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई, जो सामान्य से करीब 15 प्रतिशत कम है. वहीं गुरुग्राम में 410.3 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 11 प्रतिशत अधिक है. रेवाड़ी में 335.5

मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 5 प्रतिशत कम रही. फतेहाबाद में 211.8 मिमी बारिश सामान्य रही, जबकि भिवानी में 260.6 मिमी बारिश सामान्य से 7 प्रतिशत अधिक दर्ज हुई.

हिसार में भी बारिश की कमी: हिसार में मानसूनी अवधि के दौरान 198.3 मिमी बारिश दर्ज हुई, जो सामान्य से 19 प्रतिशत कम है. इससे जिले में गर्मी और उमस का असर बना हुआ है. मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में कहीं-कहीं बारिश होने से तापमान में मामूली गिरावट संभव है, लेकिन उमस से पूरी तरह राहत मिलने में अभी समय लग सकता है.

1984 के दंगों पर हरियाणा में राजनीति तेज

माफी वाला पर्चा फाड़ने के विरोध में बीजेपी ने पानीपत में किया प्रदर्शन

पानीपत, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा में 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर माफी की मांग के दौरान हुए घटनाक्रम को लेकर सियासत गरमा गई है. विधानसभा में सिख विधायक जरनैल सिंह की ओर से 1984 के दंगों को लेकर माफी की मांग से संबंधित पर्चा दिखाए जाने और उसे फाड़कर नीचे फेंके दिया गया था. इसके विरोध में शनिवार को पानीपत में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के पुतले फूंके गए.

'पर्चा नहीं, सिख समाज की भावनाएं थीं': पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि '1984 के दंगों के दौरान सिख समाज पर हुए अत्याचारों को लेकर विधानसभा में

माफी की मांग से संबंधित पोस्टर को फाड़ना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है. यह केवल कागज का टुकड़ा नहीं था, बल्कि देश और प्रदेश के सिख समाज की भावनाओं से जुड़ा विषय था. भाजपा इसकी कड़ी निंदा करती है. ' निशाने पर बरोदा विधायक इंदुराज नरवाल: उन्होंने आरोप लगाया कि 'विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक काले कपड़े पहनकर पहुंचे थे.

रतिया के विधायक जरनैल सिंह ने 1984 के दंगों को लेकर विरोध दर्ज कराने के लिए पोस्टर दिखाया था, जिसे बरोदा विधायक इंदुराज नरवाल ने कथित तौर पर उनके हाथ से लेकर फाड़कर नीचे फेंक दिया.' पंवार ने कहा कि 'कांग्रेस नेताओं को इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए. 1984 के दंगों का दर्द आज भी सिख समाज के मन में है और इस प्रकार की घटना उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है.

' 'विपक्ष कर्मचारियों के आंदोलन को लंबा खींचने का प्रयास कर रहा है': सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर मंत्री ने कहा कि 'सरकार कर्मचारियों की मांगों को लेकर गंभीर है. करीब एक सप्ताह पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विपुल गोयल और कृष्ण बेदी की मौजूदगी में कर्मचारियों के मांग-पत्र पर विस्तार से चर्चा हुई थी.' उन्होंने दावा किया कि कर्मचारियों की लगभग सभी मांगों को स्वीकार किया जा चुका है.

मुख्यमंत्री ने 50 वर्ष तक की आयु वाले कर्मचारियों को भविष्य में नियमित करने की बात भी स्वीकार की है. पंवार ने विपक्ष पर आंदोलन में राजनीतिक दखल देने का आरोप लगाते हुए कहा कि 'करीब 3,400 सफाई कर्मचारी इस आंदोलन से जुड़े हैं. विपक्ष के पास कोई बड़ा मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह कर्मचारियों के आंदोलन को लंबा खींचने का प्रयास कर रहा है. सरकार सफाई कर्मचारियों के साथ सम्मानपूर्वक बातचीत के लिए हमेशा तैयार है और आगे भी वार्ता का सिलसिला जारी रहेगा.

नेपाल की घटना पर जताया दुख: पंचायत मंत्री ने नेपाल में हुई घटना पर भी दुख जताया. उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पहले ही घटना पर शोक व्यक्त कर चुके हैं. घटना में प्रभावित लोगों को लेकर पूरी और प्रामाणिक सूची सामने आने के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी.

उच्च न्यायालय, जोधपुर भवन के संरचनात्मक पुनर्वास कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करें : वी. श्रीनिवास

जयपुर, एजेंसी। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को शासन सचिवालय में राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर भवन के संरचनात्मक पुनर्वास एवं सुरक्षा संबंधी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से समयबद्ध रूप से पूरा करने तथा उच्च न्यायालय के निर्देशों की बिंदुवार अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी सुनवाई के दृष्टिगत सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ तथ्यात्मक एवं अद्यतन प्रगति रिपोर्ट तैयार रखने को कहा।

मुख्य सचिव ने कहा कि भवन की संरचनात्मक सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने आईआईटी, बॉम्बे की विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट शीघ्र प्राप्त कर उसके आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भवन के निर्माण पर हुए व्यय तथा निर्माण के दौरान रही कमियों की भी समीक्षा करते हुए कहा कि पूरे प्रकरण में जवाबदेही तय की जाए और जहां आवश्यक हो, अनुशासनात्मक कार्रवाई को समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को उत्तरदायित्व निर्धारण की प्रक्रिया प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्रीनिवास ने तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अब तक किए गए परीक्षणों एवं उनके निष्कर्षों की जानकारी लेते हुए लंबित तकनीकी रिपोर्टों को शीघ्र प्राप्त कर उन पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में 17 अगस्त को दिए गए निर्देशों की अनुपालना एवं एक्शन टेकन रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में इस संबंध में यह तीसरी समीक्षा बैठक थी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता ने बताया कि उच्च एवं मध्यम संवेदनशील क्षेत्रों में 27.41 करोड़ रुपये की लागत से प्रथम चरण के संरचनात्मक पुनर्वास कार्य आईआईटी बॉम्बे द्वारा अनुमोदित तकनीकी पद्धति के अनुसार किए जा रहे हैं। प्रथम तल के 24 में से 17 कोर्ट रूम का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही रूफ वाटरप्रूफिंग, सेंट्रल डोम सहित अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यक सुरक्षा एवं पुनर्वास कार्य प्रगति पर हैं।

गुप्ता ने बताया कि द्वितीय चरण के लिए 30.24 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है तथा कार्य 20 सितम्बर से प्रारंभ करने का लक्ष्य है। सेंट्रल डोम के संबंध में अंतरिम नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्ट के अनुसार तत्काल ढहने का जोखिम नहीं है। आईआईटी, बॉम्बे की विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा 10 अगस्त, 2026 को जोधपुर स्थित प्रधान पीठ के भवन के सेंट्रल डोम एवं अन्य संरचनात्मक कमियों से संबंधित मामले में स्वतः संज्ञान लिया गया था। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा भवन की सुरक्षा, पुनर्वास तथा न्यायालय के निर्देशों की अनुपालना की नियमित समीक्षा की जा रही है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता तथा वित्त एवं विधि विभाग और आरएसआरडीसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। आईआईटी जोधपुर एवं आईआईटी बॉम्बे के प्रतिनिधियों सहित संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

आबकारी आयुक्त के निर्देशन में अवैध मदिरा पर कार्रवाई, वॉश एवं भट्टियां नष्ट

जयपुर, एजेंसी। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में निकाय चुनाव आदर्श आचार संहिता के तहत अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी निरोधात्मक गतिविधियों के तहत नाकाबंदी, गश्त, दबिश की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए हजारों लीटर वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। भीलवाड़ा में आबकारी दल द्वारा आरपीएफ के साथ संयुक्त कार्रवाई में 74 पव्वे रॉयल चेलेंज व्हीस्की के बरामद कर अभियोग दर्ज किया। डीग में दबिश कार्रवाई के तहत 5 हजार लीटर वॉश नष्ट किया गया साथ ही एक मोटरसाईकल से 207 लीटर अवैध मदिरा बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। श्रीगंगानगर के रायसिंहनगर में दबिश की कार्रवाई में एक हजार लीटर वॉश सहित 4 कच्ची भट्टियां नष्ट की गई। इसी प्रकार प्रदेश में समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों का किया दौरा, सुनीं आमजन की समस्याएं

भरतपुर, एजेंसी। पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने सोमवार को शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर लोगों से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं को जाना और आमजन की समस्याओं को सुनकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को समस्या समाधान के निर्देश दिए। विधायक डॉ. गर्ग ने जघीना, फुलवारा, महचौली, विजय नगर, रंजीत नगर सहित अन्य क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों के सुख-दुख में भागीदारी निभाई तथा लोगों की विभिन्न समस्याओं को जानकर समस्याओं का समाधान कराने का विश्वास दिलाया। डॉ. गर्ग ने रंजीत नगर के शहनाई मैरिज होम में जगदीश प्रसाद खण्डेलवाल द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शिरकत कर क्षेत्र व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इसी प्रकार मुरवारा के राजकीय उच्च मा. विद्यालय से सेवानिवृत्त हुए अध्यापक भीम सिंह एवं नगर निगम से सेवानिवृत्त हुए आचार्य महेश नाथ रसलीन का अभिनन्दन कर उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी। विधायक डॉ. गर्ग ने दौरे के दौरान रंजीत नगर कार्यालय पर भी जनसुनवाई कर लोगों की समस्याओं को सुनकर समस्याओं का निराकरण करने के अधिकारियों को निर्देश दिये।

जयपुर नगर निगम की सतर्कता टीम की कार्रवाई, अस्थाई अतिक्रमण हटाया; 2 कैंटर सामान जब्त

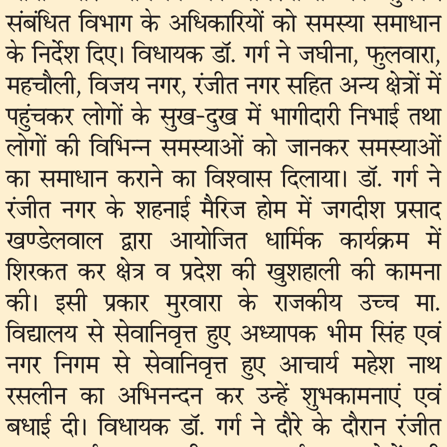

जयपुर, एजेंसी। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में डीसीएम अजमेर रोड़, कमला नेहरू नगर पुलिया के पास, बालाजी विहार नियर केसर चैराहा के पास से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 1 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 2 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में डीसीएम अजमेर रोड़, कमला नेहरू नगर पुलिया के पास, बालाजी विहार नियर केसर चैराहा के पास से अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 2 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 1 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

करप्शन पर एक्शन: AVVNL के जेईएन को 10,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

उदयपुर, एजेंसी। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. उदयपुर इकाई द्वारा आज कार्रवाई करते हुए आरोपी सागर मीणा, जेईएन, एवीवीएनएल ऑफिस देबारी, उदयपुर को परिवादी से 10,000 रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ए.सी.बी. उदयपुर को एक शिकायत इस आशय की प्राप्त हुई कि परिवादी के गांव खाम की मादड़ी स्थित निर्माणाधीन मकान पर घरेलू विद्युत कनेक्शन करने की एवज में सागर मीणा, जेईएन, एवीवीएनएल ऑफिस देबारी, उदयपुर द्वारा रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

परिवादी ने कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, उदयपुर में शिकायत प्रस्तुत की कि उसके निर्माणाधीन मकान पर घरेलू विद्युत कनेक्शन की आवश्यकता होने पर उसने ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था। इसके पश्चात दिनांक 18.08.2026 को आरोपी सागर मीणा, जेईएन एवं लाइनमैन प्रेमजी द्वारा मौके पर पहुंचकर सर्वे किया गया तथा विद्युत कनेक्शन के लिए डीपी एवं पोल लगाए जाने की आवश्यकता बताई गई।

परिवादी के अनुसार आरोपी सागर मीणा, जेईएन ने सरकारी डिमांड राशि के अतिरिक्त 35,000 रुपये खर्चा-पानी के रूप में देने की मांग की। इस संबंध में परिवादी अपने मित्र के साथ आरोपी से मिला। बातचीत के दौरान आरोपी द्वारा रिश्वत राशि कम करते हुए 15,000 रुपये रिश्वत राशि की मांग की गई तथा कहा गया कि जब तक राशि नहीं दी जाएगी, तब तक फाइल आगे नहीं बढ़ेगी।

परिवादी की शिकायत के संबंध में रिश्वत राशि मांग का सत्यापन करवाया गया, जिसमें आरोपी सागर मीणा, जेईएन द्वारा रिश्वत राशि की मांग की पुष्टि हुई। मांग सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा अपने कार्यालय में परिवादी से विद्युत कनेक्शन के लिए 5,000 रुपये रिश्वत राशि प्राप्त कर ली गई तथा शेष 10,000 रुपये बाद में लेना तय किया गया।

इस पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के उप महानिरीक्षक पुलिस, डॉ रामेश्वर सिंह के पर्यवेक्षण में अनन्त कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, उदयपुर के निर्देशन में रामसुमेर मीणा, पुलिस निरीक्षक मय टीम द्वारा ट्रेप कार्रवाई आयोजित की गई। कार्रवाई के दौरान आरोपी को अपने कार्यालय में परिवादी से शेष 10,000 रुपये नकद रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

ए.सी.बी. की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक एस. परिमला के पर्यवेक्षण में आरोपी सागर मीणा के उदयपुर एवं बांसवाड़ा स्थित आवासीय मकान एवं फ्लैट की सघन तलाशी के साथ-साथ आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। ए.सी.बी. द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि किसी व्यक्ति के विरुद्ध एसीबी में प्रकरण (अभियोग, प्राथमिक जांच, आदि) दर्ज होने पर ACB से सीधे संपर्क कर अपना पक्ष/स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रस्तुत स्पष्टीकरण के ACB द्वारा विस्तृत विश्लेषण के उपरांत ही अनुसंधान में निर्णय लिया जाना,ष्क्र की कार्य प्रणाली का हिस्सा है यह जानकारी एसीबी के डर से धोखाधड़ी आदि के शिकार होने की संभावना के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के टोल फ्री नम्बर 1064 एवं व्हाट्सएप हेल्पलाईन नम्बर 9413502834 पर 24X7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी सहायता करेगी।

अलवर में जिंदगी की जीत, 400 फीट गहरे बोरवेल में फंसा 9 वर्षीय भानु 5 घंटे बाद सकुशल रेस्क्यू

अलवर, एजेंसी। अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के बुटोली गांव में सोमवार को एक बड़ा हादसा टल गया। पतंग लूटने के दौरान 9 वर्षीय भानु 400 फीट गहरे बोरवेल में गिर गया, लेकिन करीब पांच घंटे तक चले कठिन रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बच्चे के बाहर आते ही पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई और मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार, बुटोली गांव निवासी भानु पुत्र शीशराम पतंग लूटने के लिए खेत की तरफ दौड़ रहा था। इसी दौरान उसका पैर एक पुराने बोरवेल के ऊपर रखे पत्थर पर पड़ गया। पत्थर खिसकते ही भानु सीधे बोरवेल में जा गिरा। बताया जा रहा है कि बोरवेल करीब 400 फीट गहरा था और बच्चा लगभग 40 से 50 फीट की गहराई पर जाकर फंस गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना प्रशासन और पुलिस को दी। शाम करीब 6:30 बजे सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और मौके पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका रघुवंशी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। रेस्क्यू ऑपरेशन में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को लगाया गया। मौके पर एसडीएम मनीषा रेशम, तहसीलदार मनीष कुमार शर्मा, डीएसपी नरेंद्र कुमार तथा थाना प्रभारी राजेश कुमार समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बोरवेल के आसपास जेसीबी मशीनों की मदद से खुदाई शुरू की गई। रेस्क्यू टीम लगातार बच्चे तक ऑक्सीजन पहुंचा रही थी और उसे पानी भी उपलब्ध कराया गया। पूरे अभियान के दौरान बच्चे की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी गई।

करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रात लगभग 11 बजे रेस्क्यू टीम को बड़ी सफलता मिली और भानु को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

राहुल गाँधी पर FIR भाजपा के घमंड और दमनकारी मानसिकता का प्रतीक : टीकाराम जूली

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाए जाने पर इसकी निंदा की है तथा इसे भाजपा के सत्ता के अहंकार और दमनकारी मानसिकता का परिचायक बताया है। जूली ने कहा है कि हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद सभास्थल का भाजपा से जुड़े लोगों द्वारा शुद्धीकरण किया जाना सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा पर गंभीर प्रहार था और जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी ने इस अपमान के खिलाफ आवाज़ उठाई, तो उल्टा उन्हीं पर एफआईआर दर्ज कर दी गई जो यह बताता है कि दलितों की आवाज़ उठाने वालों को परेशान करने का प्रयास किया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अपमान की शिकायत को अनसुना करना और न्याय माँगने वालों पर मुकदमे दर्ज करवाना सत्ता के अहंकार और दमनकारी मानसिकता का परिचायक है। यह भाजपा के घमंड और तानाशाही की पराकाष्ठा है। आखिर सरकार भेदभाव रोकना चाहती है या उसके खिलाफ उठने वाली आवाज़ को दबाना?

भाजपा -आरएसएस पर निशाना साधते हुए जूली ने कहा कि वे हमेशा चाहते हैं कि दलितों के साथ छुआछूत और भेदभाव होता रहे और जो इसके खिलाफ बोले, उसे प्रताड़ित किया जाए। देश के गरीबों, दलितों, आदिवासियों और कमजोर वर्गों का सम्मान किसी सरकार की मेहरबानी नहीं, उनका संवैधानिक अधिकार है तथा इस अधिकार पर कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता।

डिलीवरी के 24 घंटे बाद बंद हुआ यूरिन आउटपुट, प्रसूता की किडनी में आई गंभीर समस्या

जयपुर, एजेंसी। प्रसव के बाद प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने और किडनी से जुड़ी गंभीर समस्या के मामले सामने आने का सिलसिला जारी है। राजधानी जयपुर में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां डिलीवरी के करीब 24 घंटे बाद एक प्रसूता का यूरिन आउटपुट अचानक बंद हो गया। हालत बिगड़ने पर उसे जयपुरिया अस्पताल से सवाई मानसिंह अस्पताल (स्स्र) रेफर किया गया। अस्पताल प्रशासन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, प्रीति शर्मा की 25 अगस्त को जयपुरिया अस्पताल में डिलीवरी हुई थी।

भौगोलिकसंदर्भ

प्रसव के बाद शुरुआती करीब 24 घंटे तक उसकी स्थिति सामान्य बताई गई। इसके बाद अचानक यूरिन आउटपुट कम होते-होते बंद हो गया और उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। चिकित्सकों ने स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे स्स्र अस्पताल रेफर कर दिया। स्स्र अस्पताल के मेडिसिन विभाग में भर्ती करने के बाद प्रसूता की आवश्यक जांचें कराई गईं। जांचों में किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने की बात सामने आने के बाद चिकित्सकों ने डायलिसिस शुरू किया। सूत्रों के मुताबिक, प्रसूता पिछले करीब चार दिनों से डायलिसिस पर है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

विरासत के वैभव के बीच समस्याओं का चक्रव्यूह, हवामहल विधानसभा क्षेत्र की जनता मांगे जवाब

जयपुर, एजेंसी। गुलाबी नगरी की पहचान हवामहल विधानसभा क्षेत्र में एक तरफ विश्व प्रसिद्ध विरासत, मंदिर, बाजार और संस्कृति की चमक है तो दूसरी तरफ नागरिक समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। नए परिसीमन में विधानसभा क्षेत्र के हिस्से में 133 से 147 तक 15 वार्ड हैं। यहां वार्डों की संख्या भले कम हुई हो, लेकिन आबादी और क्षेत्रफल बढ़ने से जनप्रतिनिधियों के सामने चुनौतियां कम नहीं हुईं। परकोटे की संकरी गलियों में अतिक्रमण और जाम, पुरानी सीवरेज लाइनें, बरसात में जलभराव, कचरा, आवारा पशु और अवैध निर्माण आज भी प्रमुख समस्याओं में शामिल हैं।

विरासत के बीच विकास की परीक्षा :

हवामहल, गोविंद देवजी मंदिर, तालकटोरा, पौंड्रिक पार्क, चांदी की टकसाल और काले हनुमानजी मंदिर इस क्षेत्र की पहचान हैं। छोटी और बड़ी चौपड़, सुभाष चौक और आमेर रोड, ब्रह्मपुरी, गणगौरी जैसे बाजार व्यापार की धुरी हैं। वहीं क्षेत्र भौगोलिक और सामाजिक रूप से अलग-अलग हिस्सों में फैला होने के कारण हर इलाके की समस्याएं भी अलग हैं।

बड़ा सवाल ?

नया परिसीमन अब जनप्रतिनिधियों के सामने बड़ा क्षेत्र और बड़ी जिम्मेदारी लेकर आया है। विधायक विकास कार्यों की लंबी सूची गिना रहे हैं, जबकि नागरिक रोजमर्रा की समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं। सवाल यही है—क्या विरासत की इस धरती पर विकास अब कागज से निकलकर गलियों तक पहुंचेगा?

हवामहल विधानसभा क्षेत्र की 10 प्रमुख समस्याएं :

अतिक्रमण - बाजारों और बरामदों में अतिक्रमण से रास्ते संकरे।

यातायात जाम - ब्रह्मपुरी, गणगौरी, चांदी की टकसाल, आमेर रोड, सुभाष चौक सहित प्रमुख मार्गों पर दबाव।

डॉ. सूरज सिंह नेगी होंगे हिन्दी सृजन सम्मान से सम्मानित...भावेश जो कह न सका के लिए मिलेगा सम्मान

टोंक, एजेंसी। टोंक जिले में एसडीएम और एडीएम जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दे चुके तथा टोंक में साहित्यिक गतिविधियों को सक्रिय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं उपन्यासकार डॉ. सूरज सिंह नेगी को वर्ष 2026 के डॉ. नंदलाल महर्षि स्मृति हिन्दी सृजन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़ की ओर से यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। 27 सितंबर को श्रीडूंगरगढ़ में आयोजित सम्मान समारोह में डॉ. नेगी को 11 हजार रुपए की नकद राशि, प्रशस्ति पत्र एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. सूरज सिंह नेगी की अब तक छह उपन्यास, एक कहानी संग्रह और एक संस्मरण प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अलावा वे 19 पुस्तकों का संपादन कर चुके हैं, जबकि उनका एक कहानी संग्रह और एक नाटक प्रकाशाधीन है। यह सम्मान उनके हाल ही में प्रकाशित एवं चर्चित उपन्यास 'भावेश जो कह न सका' के लिए दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि राष्टभाषा प्रचार समिति द्वारा राष्ट्रीय सृजन पुरस्कारों की घोषणा की गई। इसके तहत मधुकांत को साहित्यश्री, डा. सूरजसिंह नेगी को हिन्दी सृजन पुरस्कारमीरा जैन, लाल देवेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. सतीश कुमार और अरविंद पथिक को देकर सम्मान किया जाएगा। 2026 के राष्ट्रीय सृजन पुरस्कारों के तहत समिति का सर्वोच्च मलाराम माली स्मृति साहित्यश्री सम्मान रोहतक के वरिष्ठ साहित्यकार मधुकांत को उनके समग्र साहित्यिक अवदान के लिए प्रदान किया जाएगा। वहीं डॉ. नंदलाल महर्षि स्मृति हिन्दी सृजन पुरस्कार जयपुर के कथाकार-

उपन्यासकार डॉ. सूरजसिंह नेगी को उनकी औपन्यासिक कृति 'भावेश जो कह न सका' के लिए दिया जाएगा। सभी पुरस्कार 27 सितम्बर को श्रीडूंगरगढ़ में आयोज्य समारोह में अर्पित किए जाएंगे। समिति अध्यक्ष श्याम महर्षि एवं उपाध्यक्ष डॉ. मदन सैनी ने बताया कि हिन्दी की विभिन्न विधाओं में श्रेष्ठ सृजन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर ये पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष देश के बारह से अधिक राज्यों से प्रविष्टियां एवं प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से चयन समिति ने कृतियों एवं रचनाकारों का चयन किया। संस्था के मंत्री एवं पुरस्कार समिति के संयोजक रवि पुरोहित ने बताया कि श्री शिवप्रसाद सिखवाल स्मृति महिला लेखन पुरस्कार उज्जैन की साहित्यकार मीरा जैन को व्यंग्य संग्रह 'हेल्थ हादसा' के लिए तथा श्यामसुन्दर नागला स्मृति बाल साहित्य पुरस्कार मड़वा नगर, उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ बाल साहित्यकार लाल देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव को बाल काव्य कृति 'देश की मिट्टी है अनमोल' के लिए प्रदान किया जाएगा। सुरेश कंचन ओझा लेखन पुरस्कार किशनगढ़ के डॉ. सतीश कुमार को उनकी कृति 'भारत में लोकतंत्र' के लिए दिया जाएगा। यह पुरस्कार पं. गोविंद वल्लभ पंत पुरस्कार से सम्मानित लेखक सुरेश ओझा के सौजन्य से इतर साहित्यिक लेखन के क्षेत्र में प्रदान किया जाता है। गत वर्ष प्रारम्भ किये गए श्री चन्द्रमोहन हाड़ा हिमकर स्मृति उपन्यास लेखन पुरस्कार के लिए गाजियाबाद के साहित्यकार अरविंद पथिक की कृति 'असभ्यता का आक्रमण' का चयन हुआ है।

आयोजन समन्वयक महावीर माली ने बताया कि पुरस्कार अर्पण समारोह के साथ साहित्यिक संगोष्ठी भी आयोजित होगी। संस्था के कोषाध्यक्ष रामचन्द्र राठी के अनुसार साहित्यश्री सम्मान के तहत 21 हजार रुपए नगद, जबकि अन्य पुरस्कारों के तहत 11-11 हजार रुपए के साथ सम्मान-पत्र, स्मृति-चिह्न एवं शॉल प्रदान किए जाएंगे।

मनी प्लांट का यह नाम कैसे पड़ा? इसके पीछे छिपी ये अनोखी कहानी

घर की खूबसूरती बढ़ाने के साथ-साथ मनी प्लांट को सुख-समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। इसकी पत्तियों का आकार और इससे जुड़ी कहानियां इसे एक विशेष पौधा बनाती हैं। आइए जानते हैं, आखिर इसे 'मनी प्लांट' क्यों कहा जाता है और क्या है इसके पीछे की कहानी।

मनी प्लांट का नामकरण और ताइवान के किसान की कहानी

मनी प्लांट का नामकरण एक प्रेरक घटना पर आधारित है। कहानी कहती है कि ताइवान में रहने वाले एक गरीब किसान को एक अलग सा पौधा मिला। उसने इसे अपने घर के बाहर लगाया। पौधा बिना किसी देखभाल के तेजी से बढ़ता रहा। किसान ने इसे अपनी प्रेरणा माना और मेहनत से एक सफल व्यवसायी बन गया। लोगों को लगा कि किसान की सफलता इस पौधे की वजह से है, और इस तरह इसे मनी प्लांट कहा जाने लगा।

मनी प्लांट की खासियत

सिक्के जैसे पत्ते: मनी प्लांट की पत्तियां गोल और चिकनी होती हैं, जो सिक्कों की तरह दिखती हैं। इस कारण इसे मनी प्लांट कहा जाता है।

समृद्धि का प्रतीक: ऐसा माना जाता है कि यह पौधा जितना बढ़ता है, घर के सदस्यों की तरक्की भी उतनी ही होती है।

फेंगशुई में महत्व: फेंगशुई के अनुसार, मनी प्लांट घर की ऊर्जा को सकारात्मक बनाता है और हवा को शुद्ध करता है।

क्यों मनी प्लांट को दोस्ती का पौधा भी कहते हैं?

मनी प्लांट को 'दोस्ती का पौधा' भी कहा जाता है क्योंकि इसे एक तने या पत्ती से आसानी से उगाया जा सकता है। यह पौधा बिना ज्यादा देखभाल के पनपता है और इसे उपहार में देना शुभ माना जाता है।

मनी प्लांट के फायदे

हवा शुद्ध करता है: यह पौधा ऑक्सीजन छोड़ता है और रेडिएशन के प्रभाव को कम करता है।

धन-समृद्धि: इसे घर में लगाने से धन की कमी नहीं होती, ऐसा विश्वास किया जाता है।

सजावट का हिस्सा: इसकी हरियाली और आकर्षक पत्तियां घर की सुंदरता बढ़ाती हैं।

मनी प्लांट न केवल घर की शोभा बढ़ाता है, बल्कि इसे सुख-समृद्धि और दोस्ती का प्रतीक भी माना जाता है। ताइवान की कहानी से लेकर इसकी पत्तियों की खूबसूरती तक, यह पौधा हर घर के लिए खास बन जाता है।

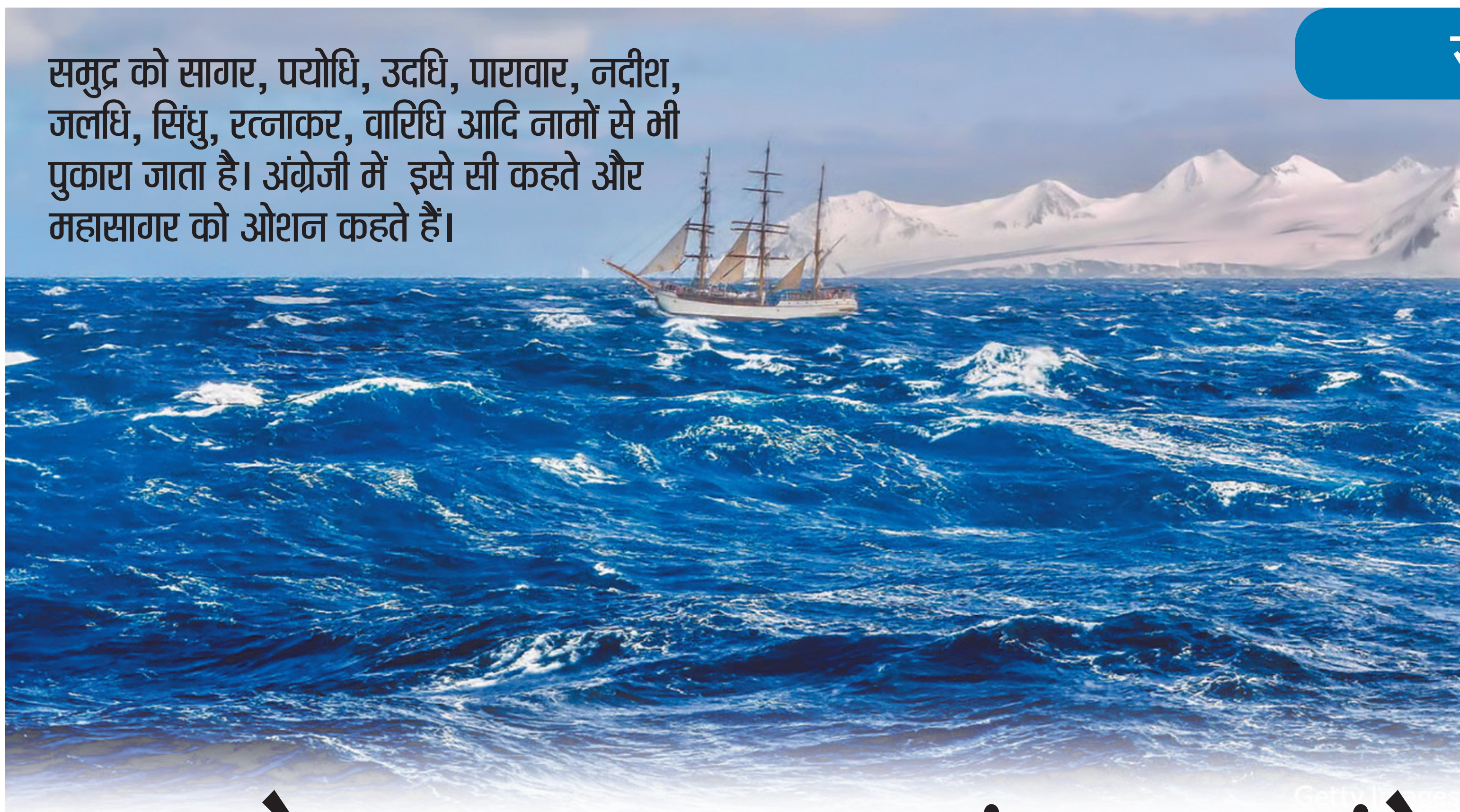

समुद्र के रहस्य, जानकर दंग रह जाएंगे

ब्रह्मांड में धरती धूल का कण भी नहीं। मान लो अगर धरती धूल के कण के बराबर है तो सूर्य संतरे के बराबर होगा। आज भी इस धरती पर 70 प्रतिशत से अधिक जल है। धरती के वजन से 10 गुना ज्यादा इस धरती ने जल को वहन कर रखा है। मानव आबादी धरती के मात्र 20 से 25 प्रतिशत हिस्से पर रहती है उसमें भी अधिकतर पर जंगल, रेगिस्तान, पहाड़ और नदियां हैं। इस 20 से 25 प्रतिशत हिस्से पर ही रहस्यों के अंबार लगे हुए हैं। ऐसे में समुद्र के 70 से 75 प्रतिशत हिस्सों को तो अभी मानव संपूर्ण रूप से देख भी नहीं पाया है। प्राचीनकाल से लोग सागर की यात्रा करने और इसके रहस्यों को जानने की कोशिश में लगे हुए हैं।

मात्र खारा पानी नहीं

पृथ्वी की सतह के 70 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में फैले समुद्र मूलतः खारे पानी का एक सतत निकाय हैं अर्थात इसका पानी पीने लायक जरा भी नहीं होता। कुछ देर इसमें नहाने के बाद आपका बदन चिपचिपा हो जाएगा। मनुष्य ज्यादा समय तक समुद्र के पानी में नहीं रह सकता। हालांकि इसके लिए उसने समुद्री सूट विकसित कर लिए हैं। फिर भी कहना होगा कि कुछ सागर का पानी मात्र खारा ही नहीं है कहीं-कहीं वह मीठा है, लेकिन पीने लायक नहीं। समुद्र को 'सागर' भी कहते हैं। सागरों से बड़े महासागर होते हैं और 3 ओर से घिरे समुद्र को खाड़ी कहते हैं। हालांकि सभी महासागर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

महासागर

पृथ्वी का वह भाग, जो विशाल जलराशि (लवणीय जल) से घिरा हुआ है, महासागर कहलाता है। पृथ्वी का 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर, हिन्द महासागर, आर्कटिक महासागर तथा दक्षिणी महासागर कुल 5 महासागर हैं। प्रशांत महासागर तथा अटलांटिक महासागर का विस्तार उत्तरी गोलार्द्ध तथा दक्षिणी गोलार्द्ध दोनों जगह है इसलिए भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित उत्तरी प्रशांत महासागर तथा दक्षिण में स्थित दक्षिणी प्रशांत महासागर स्थित हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर 7 महासागर या 7 समंदर हैं। उल्लेखनीय है कि अंटार्कटिका में बर्फीली जमीन के अंदर 400 से ज्यादा झीलें हैं।

सागर

लवणीय जल का वह बड़ा क्षेत्र, जो महासागर से जुड़ा हुआ हो, 'सागर' कहलाता है। कैस्पियन सागर सागर, मृत सागर, लाल सागर, उत्तर सागर, लापतेव सागर, भूमध्य सागर आदि अनेक।

गल्फ

जल का वह भाग, जो तीन तरफ स्थल भाग से घिरा हुआ हो, उसे 'गल्फ' कहते हैं। गल्फ व खाड़ी लगभग समानार्थी शब्द हैं। अरब की खाड़ी और बंगाल की खाड़ी का नाम ज्यादा प्रसिद्ध है।

हिन्दू शास्त्रों में समुद्र को 7 भागों में बांटा गया है- लवण का सागर, इक्षुरस का सागर, सुरा का सागर, घृत का सागर, दधि का सागर, क्षीर का सागर और मीठे जल का सागर। भारत के 3 ओर समुद्र है। आंध्रप्रदेश, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, गोवा, गुजरात, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, दमन और दीव तथा लक्षद्वीप समूह भारत के समुद्र तटवर्ती राज्य हैं।

समुद्र का जन्म

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि समुद्र का जन्म आज से लगभग पचास करोड़ से 100 करोड़ वर्षों के बीच हुआ होगा है। दरअसल, धरती के विशालकाय गड्ढे पानी से कैसे भर गए यह अनुमान लगाना मुश्किल है। दूसरी ओर इतने विशालकाय गड्ढे कैसे निर्मित हुए यह भी एक बड़ा सवाल है। वैज्ञानिक कहते हैं कि जब पृथ्वी का जन्म हुआ तो वह आग का एक गोला थी। जब पृथ्वी धीरे-धीरे ठंडी होने लगी वे उसके चारों तरफ गैस के बादल फैल गए। ठंडे होने पर ये बादल काफी भारी हो गए और उनसे लगातार मूसलाधार वर्षा होने लगी। लाखों साल तक ऐसा होता रहा। पानी से भरे धरती की सतह के ये विशाल गड्ढे ही बाद में समुद्र कहलाए। पृथ्वी की 70.92 प्रतिशत सतह समुद्र से ढंकी है। इसका आशय यह हुआ कि पृथ्वी के लगभग 36,17,40,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में समुद्र है। विश्व का सबसे विशाल महासागर प्रशांत महासागर है जिसका क्षेत्रफल लगभग 16,62,40,000 वर्ग किलोमीटर है। यह विश्व के सभी महासागरों का 45.8 प्रतिशत है। प्रशांत महासागर के भीतर जल जंतुओं की एक रहस्यमयी दुनिया है जिस पर अभी भी खोज जारी है। शांत महासागर विश्व का सबसे गहरा सागर है। इसकी औसत गहराई 3939 मीटर है। महासागर को छोड़कर यदि हम सागर की बात करें तो विश्व का सबसे विशाल सागर दक्षिण चीन सागर है जिसका क्षेत्रफल 2974600 वर्ग किलोमीटर है।

समुद्री लहरों का रहस्य

समुद्र की लहरों को समुद्र विज्ञानी ही जानता है। समुद्र की लहरें 3 तरह से पैदा होती हैं। पहली समुद्र की सतह पर बहने वाली हवा, दूसरी चंद्रमा के कारण उत्पन्न हुआ ज्वार और तीसरी समुद्र के भीतर कहीं आया भूकंप। हवा या तूफान से उत्पन्न लहरें भूमि के पास उथले पानी में पहुंचने पर मंद पड़ने लगती हैं फिर भी कभी-कभी इनकी ऊंचाई 30 से 50 मीटर तक हो सकती हैं। अधिक ऊंची लहरें अस्थिर हो जाती हैं और अंततः सागर तट पर झाग के रूप में टूटती हैं। 'सुनामी' नामक लहरें समुद्र तल पर आए भूकंप या भूस्खलन की वजह से उत्पन्न होती हैं और सागर के बाहर बमुश्किल ही दिखाई देती हैं, लेकिन किनारे पर पहुंचने पर ये लहरें प्रचंड और विनाशकारी रूप धारण कर लेती हैं। चंद्रमा से उत्पन्न लहरें भी कभी-कभी विनाशकारी साबित होती हैं। चंद्रमा के कारण दैनिक रूप से 2 बार उत्पन्न होती हैं- सुबह और शाम। यह घटना चंद्रमा द्वारा पृथ्वी पर लगाए जाने वाला गुरुत्व बल के कारण घटित होती है। इसके बाद अमावस्या को समुद्र शांत रहता है जबकि पूर्णिमा को अशांत।

अद्भुत समुद्री जीव-जंतु

समुद्री जीव 2 प्रकार के होते हैं- पौधे तथा प्राणी। समुद्री जीवन धरती की अपेक्षा कहीं ज्यादा विचित्र और रहस्यों से भरा है। यहां एक और जहां विशालकाय व्हेल है तो दूसरी और आंखों से न दिखाई देने वाली मछलियां या जीव भी अपना जीवन जी रहे हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि ब्लू व्हेल की जीभ का वजन ही हाथी के बराबर है। महासागर में मौजूद सबसे छोटा जीव प्लैंकटन है। समुद्र की गहराई के इस 1 प्रतिशत में रहने वाले जीवों और वनस्पतियों की किस्मों के बारे में वैज्ञानिक जानकर हैरान रह गए हैं। इन महासागरों के गर्भ में अद्भुत जीव-जंतु, दुर्लभ पौधे और हैरान कर देने वाले बैक्टीरियां मौजूद हैं। वैज्ञानिक कहते हैं कि समुद्र में जीव-जंतुओं की 2 लाख से अधिक प्रजातियां विचरण करती हैं। बैक्टीरिया की 35 हजार प्रजातियां, वायरस की 5 हजार और एक कोशिकीय पौधों की करीब डेढ़ लाख नई प्रजातियां खोजी गई हैं। शिकारी स्पर्म व्हेल और अंटार्कटिक स्लीपर शार्क, अन्य भयानक शार्क, विशालकाय व्हेल, डरावनी शक्लों वाले ड्रैगन जैसी दिखने वाली मछलियां, चमकीली मछलियां, लैंप जैसी आंखों वाली मछलियां, करीब 1 मीटर चौड़ी जेली फिश, स्टार फिश, पारदर्शी मछली, रंग बदलने वाली मछलियां आदि हजारों मछली की प्रजातियां हैं। मछली को समुद्र का प्रमुख जीव माना जाता है। समुद्र मछलियों से भरा पड़ा है।

समुद्र में विशालकाय समुद्री सांप की लाखों प्रजातियां रहती है। जैसे, केप साटेनो के समुद्री सांप, एचएमएस डेडोलस के समुद्री सांप, हालिफैक्स का समुद्री सांप, प्रिंस के समुद्री सांप, मानेड के समुद्री सांप, ऐजेडे के समुद्री सांप, ग्लॉस्टर के समुद्री सांप, ओलाउस के समुद्री सांप आदि।

इसके अलावा भयानक सूंडों वाले तरह-तरह के ऑक्टोपस, 13 मीटर लंबा आर्किटयूथिस, विशालकाय अनाकोंडा और भयानक जहरीले सर्पों से भरा है समुद्र। इसके अलावा समुद्र में हजारों किस्म के बैक्टीरिया, कीड़े-मकोड़े, केकड़े और झींगों की संख्या करोड़ों में होगी, जो समुद्र की गहराइयों में पाए जाते हैं। 2 मीटर तक के कीड़े भी समुद्र के कुछ विशेष क्षेत्र में पाए जाते हैं। सागर में जीवित प्राणियों के सभी प्रमुख समूह जैसे कि जीवाणु, प्रोटिस्ट, शैवाल, कवक, पादप और जीव पाए जाते हैं।

इसके अलावा कमल जैसे दिखने वाले रेंगते फूल, ब्लड रेड समुद्र फेनी (स्विड), रेंगने और कई भुजाओं वाले पौधे, कोरल और लाखों तरह की वनस्पतियां पाई जाती हैं। अधिकांश समुद्री पौधे हरे, भूरे तथा लाल शैवाल हैं।

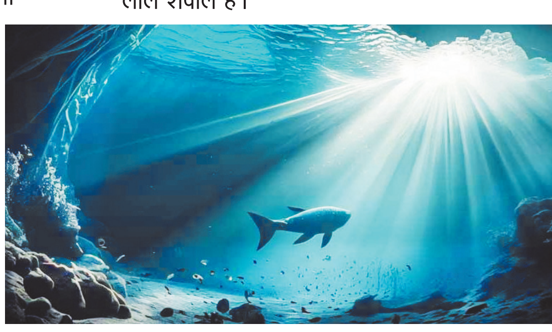

दुनिया का चौथा सबसे छोटा देश तुवालु, यहां है सिर्फ एक बैंक, इंटरनेट डोमेन से होती है कमाई

दुनिया में एक से बढ़कर एक स्थान मौजूद हैं, जिन्हें अपनी खासियतों की वजह से पहचाना जाता है। कोई जगह किसी पर्यटक स्थल की वजह से पहचानी जाती है, तो किसी की प्राकृतिक सुंदरता उसे लोगों के बीच प्रसिद्ध बनाने का काम करती है। यह एक ऐसी जगह है जो दुनिया का चौथा सबसे छोटा देश है। छोटा होना तो इसकी खासियत है ही लेकिन उसके अलावा यहां पर कुछ ऐसी रोचक चीज भी हैं जो किसी को भी हैरान कर देगी। आपको आश्चर्य होगा लेकिन यहां पर सिर्फ एक ही बैंक है और लोग इंटरनेट डोमेन से कमाई करते हैं।

यहां है सिर्फ एक बैंक

बैंक आम आदमी के जीवन से जुड़ी हुई एक ऐसी सुविधा है। जिसके बिना जीवन की कल्पना कर पाना मुश्किल है। भारत के अलग-अलग शहरों में नहीं बल्कि गांव में भी बैंकों की कई सारी शाखाएं आजकल मिल जाती है। तुवालु एक ऐसी जगह है जहां पर एक ही बैंक है। इसके अलावा इस देश में कोई एटीएम भी नहीं है क्योंकि यहां का बैंक सारे काम नगद में करता है।

कहां है तुवालु

तुवालु एक द्वीपीय देश है जो दक्षिण प्रशांत महासागर में मौजूद है। यहां पर नेशनल बैंक ऑफ तुवालु मौजूद है जो यहां की 11 से 12000 की आबादी के लिए लेनदेन का मुख्य जरिया है। इसके अलावा यह देश इंटरनेट डोमेन से अपनी सारी कमाई करता है। यहां के डोमेन की दुनिया भर में मांग है।

इंटरनेट डोमेन से होती है कमाई

तुवालु में जो इंटरनेट डोमेन मिलते हैं वह यहां का मुख्य कमाई का जरिया है। यहां की अर्थव्यवस्था डोमेन के साथ मछली पकड़ने और विदेशी सहायता से होने वाली आय पर निर्भर करती है। यहां का डोमेन t1 टेलीविजन से जुड़ा हुआ है। इनफ्लुएंसर, मीडिया और स्ट्रीमिंग कंपनियों के बीच ये बहुत फेमस है। जानकारी के मुताबिक इस डोमेन की बिक्री से यह देश साल भर में 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर कमा लेता है।

यहां चलता है ऑट्रेलियाई डॉलर

इस देश में जो बैंक है उसे 1980 में बार्कलेज बैंक की सहायक कंपनी के रूप में शुरू किया गया था। यहां पर ऑस्ट्रेलिया डॉलर मुख्य मुद्रा के रूप में उपयोग किया जाता है। इस देश का अपना सिक्का भी है।

दुनिया का चौथा सबसे छोटा देश तुवालु, यहां है सिर्फ एक बैंक, इंटरनेट डोमेन से होती है कमाईफ़ुनाफूती यहां की राजधानी है। यह एक ऐसा देश है जो जलवायु परिवर्तन से सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। समुद्र तल से यहां की ऊंचाई केवल 2 मीटर है। बढ़ते हुए जलस्तर की वजह से उसका अस्तित्व संकट में है।

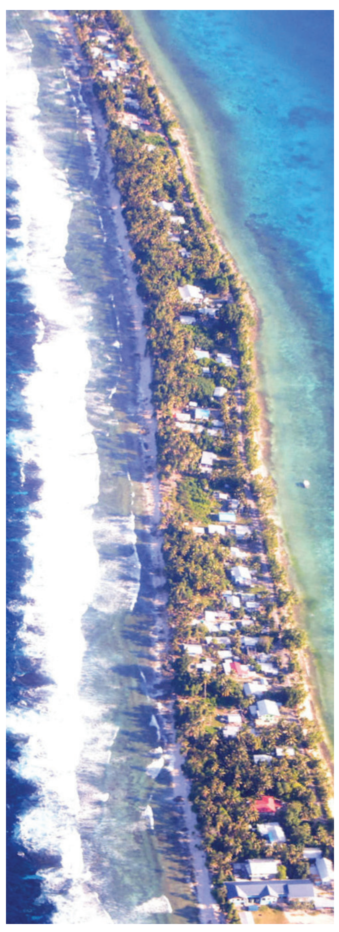

फूटे महंगाई के 6 बम, एलपीजी से सीएनजी और पीएनजी तक के बढ़ गए दाम, दूध भी महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। 1 सितंबर से देश में कई चीजों के दाम बढ़ गए हैं। इनमें एलपीजी से लेकर एलएनजी, पीएनजी और दूध तक शामिल हैं। वहीं कुछ कार कंपनियों ने भी कार की कीमत बढ़ा दी है। ऐसे में अब लोगों को कुछ ज्यादा खर्च करना होगा जिससे उनका बजट गड़बड़ा सकता है। हालांकि कुछ चीजों का असर कुछ राज्यों में ही दिखाई देगा। जानें आज 1 सितंबर ने किन-किन चीजों के दाम में बढ़ोतरी हुई है। कमर्शियल एलपीजी के दाम में बढ़ोतरी हो गई है। सरकारी ऑयल कंपनियों आईओसी, एचपीसीएल, बीपीसीएल 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़ा दी है। दिल्ली में इसके दाम में 9.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2747.50 रुपये, मुंबई में 2701 रुपये और चेन्नई में 2916.50 रुपये हो गई है। कमर्शियल सिलेंडर के महंगे होने से होटल, ढाबे आदि में खाना-पीना महंगा हो सकता है। वहीं घर मिलने वाली चीजों के दाम में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा 5 किलो वाले गैस सिलेंडर का भी दाम 2 रुपये बढ़कर 764 रुपये हो गया है।

मुंबई में सीएनजी और पीएनजी दाम बढ़े

मुंबई में सीएनजी और पीएनजी की सप्लाई करने वाली कंपनी महानगर गैस लिमिटेड ने दोनों गैसों के दाम बढ़ा दिए हैं। सीएनजी के दाम में 2 रुपये प्रति किलो और पीएनजी के दाम में 1 रुपया प्रति की बढ़ोतरी की है। पीएनजी का रेट 53 रुपये प्रति एससीएम हो गया है। सीएनजी के महंगे होने से लोगों का सफर महंगा हो सकता है। वहीं पीएनजी के महंगे होने से इसका असर घर के बजट पर दिखाई देगा।

मुंबई और तमिलनाडु में दूध हुआ महंगा

मुंबई और तमिलनाडु में दूध महंगा हो गया है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने थोक दूध की कीमतों में 9 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इससे दूध की थोक दर 93 रुपये से बढ़कर 102 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं तमिलनाडु सरकार ने आविन दूध का खरीद मूल्य 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद इसकी कीमत 41 रुपये से बढ़कर 44 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

कारें भी हुईं महंगी

आज से कुछ कंपनियों ने अपनी कारों की कीमत बढ़ा दी है। इसमें टाटा और हुंडई शामिल हैं। टाटा मोटर्स ने अपने सभी मॉडल की कारों और वेरिएंट की कीमतें 25 हजार रुपये तक बढ़ा दी हैं। वहीं हुंडई मोटर इंडिया ने भी कीमतों में 1 प्रतिशत तक का इजाफा किया है। ऐसे में वे लोग जो टाटा या हुंडई की कार खरीदना चाहते हैं, उन्हें अब ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। 1 सितंबर से हवाई जहाज में इस्तेमाल होने वाला एविएशन टर्बाइन फ्यूल भी महंगा हो गया है। घरेलू उड़ानों के लिए जेट फ्यूल में 6.28 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। अब यह 115 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 121.28 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

गौतम अडानी को साल की सबसे बड़ी चपत! एक झटके में गंवाए 9.5 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के सभी शेयरों में सोमवार को भारी गिरावट आई। ग्रुप के शेयरों में 8 फीसदी तक गिरावट देखने को मिली। इससे ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 9.5 अरब डॉलर यानी करीब 9,01,79,22,50,000 रुपये की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ अब 103 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 18.6 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस गिरावट के बावजूद अडानी एशिया के अमीरों की लिस्ट में पहले नंबर पर बने हुए हैं जबकि दुनिया की रईसी की सूची में वह 19वें नंबर पर हैं। सोमवार को ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। कंपनी के शेयरों में लगभग 8 प्रतिशत गिरावट आई। इसी तरह अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 7.4 प्रतिशत, अडानी ग्रीन एनर्जी लगभग 7 प्रतिशत और अडानी पावर में 6.5 प्रतिशत गिरावट आई। दूसरे शेयरों में भी

बिकवाली का असर दिखा। अडानी पोर्ट्स के शेयर 4.11 प्रतिशत गिरकर बंद हुए जबकि अडानी टोटल गैस के शेयर 2.5 प्रतिशत फिसल गए। ग्रुप की सीमेंट कंपनियों के शेयरों में भी गिरावट देखी गई। अंबुजा सीमेंट्स के शेयरों में 2.5 प्रतिशत और ष्टष्ट के शेयरों में 2.2 प्रतिशत गिरावट आई। इसी तरह एनडीटीवी का शेयर भी 2.2 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। इस बीच देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में सोमवार को 32.2 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। वह 84.9 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 23वें और एशिया में तीसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 22.8 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

बिटकॉइन 78,000 डॉलर के ऊपर स्थिर, ईथर-सोलाना समेत बड़े कॉइन फिसले

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में मंगलवार को बिटकॉइनकरीब 78,500 डॉलर के स्तर पर कारोबार करता दिखा, जबकि ज्यादातर क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट देखने को मिली। एशियाई कारोबार के दौरान बिटकॉइनपिछले 24 घंटों में लगभग 77,200 से 79,200 डॉलर के दायरे में कारोबार करता रहा। अगस्त में बिटकॉइन ने करीब 24 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की, जो नवंबर 2024 के बाद उसका सबसे मजबूत मासिक प्रदर्शन रहा। इसी बीच, स्ट्रेटेजी ने पिछले सप्ताह करीब 37 करोड़ डॉलर के बिटकॉइन खरीदे। कंपनी ने लगभग दो महीने के

अंतराल के बाद दोबारा बिटकॉइनकी खरीदारी की है। प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में एचवायपीइ सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला कॉइन रहा। इसमें करीब 4 प्रतिशत की तेजी आई और यह लगभग 84 डॉलर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, एथर करीब 1 प्रतिशत गिरकर 2,440 डॉलर से थोड़ा ऊपर रहा। सोलार भी लगभग 1 प्रतिशत फिसलकर 104 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा था। एक्सआरपी 1.40 डॉलर के ठीक नीचे और बीएनबी करीब 693 डॉलर पर रहा। क्रिप्टो बाजार के साथ कुछ प्रमुख एशियाई शेयर बाजारों में भी कमजोरी रही। हांगकांग का हैंग सेंग करीब 1 प्रतिशत गिरकर 25,300 के आसपास आ गया। टेनसेंट और मेइटुआन के शेयरों में करीब 3 प्रतिशत की गिरावट रही। 66,185 के स्तर पर आ गया, जबकि दक्षिण कोरिया के चश्ह्वाश्चद्व में सेमीकंडक्टर शेयरों में सुधार के चलते मामूली तेजी देखने को मिली।

खराब क्रेडिट स्कोर के चक्कर में अटक गया लोन, स्मार्ट तरीकों से सिबिल को करें बेहतर

वेतन से इतना कम रखें मासिक ईएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी आप किसी बैंक से कोई लोन लेते हैं या फिर किसी स्टोर पर जाकर किसी सामान को फाइनेंस कराते हैं, तो उस समय संबंधित संस्था या बैंक के द्वारा सबसे पहले आपका क्रेडिट स्कोर देखा जाता है। लोन की प्रक्रिया के लिए क्रेडिट या सिबिल स्कोर काफी अहम हो जाता है। सिबिल संस्था द्वारा क्रेडिट स्कोर को निर्धारित किया जाता है। इसके अनुसार, 300 से 900 के बीच यह स्कोर रहता है। 750 या उससे अधिक के क्रेडिट स्कोर को अच्छा माना जाता है।

मतलब कि इसपर आपको आसानी से लोन मिल जाता है। लेकिन, अगर आपका क्रेडिट स्कोर कम है तो आपको लोन मिलने में काफी दिक्कत हो सकती है। हो सकता है कि आपका लोन अटक जाए और कोई महत्वपूर्ण कार्य न हो पाए। इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने क्रेडिट स्कोर को हमेशा अच्छा रखे। यह बताता है कि आपने पिछला भुगतान कैसे और कब किया था। जब भी कोई इसे चेक करता है तो यह आपके क्रेडिट स्कोर के इतिहास को दिखाता है। अगर आपका यह स्कोर सही है तो अच्छी बात है, लेकिन अगर खराब है तो इससे चिंता करने की बात नहीं है बल्कि आप इसे कुछ बातों का ध्यान देकर आसानी से सुधार सकते हैं। इसे सुधारने की पहली प्रक्रिया है कि सही समय पर अपना भुगतान कर दें। अगर आपके क्रेडिट कार्ड का कोई भुगतान बकाया है तो उसे बिना ड्यू डेट के इंतजार किए या बिना किसी लेट फाइन के समय पर पेमेंट कर दें। आप इसे हमेशा के लिए अपनी एक अच्छी आदत बना लें। कई बार ऐसा देखा जाता है कि लोग किसी भी सामान को ईएमआई पर तो लेते हैं लेकिन वेतन कम या पैसों की व्यवस्था नहीं होने पर उनकी ईएमआई के पेमेंट में दिक्कतें आने लगती हैं। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अपनी मौजूदा ईएमआई को अपनी सैलरी के 30 फीसदी से कम रखें। अपनी ईएमआई को इसी के दायरे में रखें ताकि आने वाले समय में आपको वित्तीय जोखिम ना उठाना पड़े। इससे आपका क्रेडिट स्कोर भी अच्छा बना रहता है। क्षेत्र के दिग्गज जानकार बताते हैं कि क्रेडिट कार्ड के अत्यधिक इस्तेमाल से बचना चाहिए। इसके यूज को अपने नियंत्रण में रखें। कभी-कभी ऐसा होता है कि बिन जरूरी के भी मन कर देता है कि क्रेडिट कार्ड का यहां भी यूज कर लेना चाहिए, ऐसे में आपको सावधानी बरतनी चाहिए। इससे आपका क्रेडिट कार्ड का बैलेंस कम के साथ हमेशा बना रहता है। जानकार कहते हैं कि अपने बैलेंस को कम बनाए रखें और जब तक कोई अधिक जरूरत ना हो तब तक आप अतिरिक्त क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने से बचें। आप अपने पास बिना किसी जरूरत से ज्यादा क्रेडिट कार्ड ना रखें। इसके बजाय जरूरत पड़ने पर पुराने वाले कार्ड का ही इस्तेमाल करें और उसका पेमेंट समय पर कर दें। इससे क्रेडिट स्कोर को बेहतर करने में मदद मिलती है।

22,000 करोड़ का दावा और 6.5 करोड़ की रिकवरी!

नई दिल्ली, एजेंसी। मीडिया दिग्गज और एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्रा की पर्सनल गारंटी के मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के प्रेसिडेंट जस्टिस अनुपिंदर सिंह ग्रेवाल ने अपनी अध्यक्षता में पांच सदस्यों

वाली एक बेंच का गठन किया है। यह बेंच सुभाष चंद्रा के खिलाफ इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस की इनसॉल्वेंसी याचिका पर सुनवाई करेगी। यह मामला सुभाष चंद्रा की पर्सनल गारंटी से जुड़ा है जो उन्होंने बैंकों को दी थी।

बेंच आज यानी मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करेगी। साथ ही आज ही नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करेगा। एनसीएलटी ने सुभाष चंद्रा के पर्सनल इनसॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस के तहत लगभग 22,007 करोड़ रुपये के दावों के बदले 6.5 करोड़ रुपये के भुगतान को मंजूरी दी थी।

अलग-अलग राय

हालांकि, अशोक कुमार भारद्वाज और रीना सिन्हा पुरी की डिवीजन बेंच ने सोमवार को कहा कि ट्रिब्यूनल के तीसरे सदस्य की अलग राय के बाद मामले पर फिर से विचार करने के बावजूद कोई बहुमत वाली राय नहीं बन पाई और उन्होंने इसे वापस प्रेसिडेंट को भेज दिया गया। बेंच ने कहा, 'जहां टेक्निकल मेंबर ने प्लान को खारिज कर दिया, वहीं ज्यूडिशियल मेंबर ने प्लान को सिर्फ उन लोगों तक सीमित रखा जिन्होंने इसे स्वीकार और मंजूर किया था और असहमति जताने वाले लेनदारों को अपना कर्ज वसूलने की छूट दी। उन्होंने मुख्य देनदार, देनदार, पर्सनल गारंटर के मामले में बैंकों, वित्तीय संस्थानों और असहमति जताने वाले लेनदारों के दावों को खत्म नहीं किया।

तत्काल सुनवाई की मांग

सोमवार को हाउसिंग फाइनेंस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने की बेंच के सामने यह मामला उठाया और दिन के दूसरे हिस्से में तत्काल सुनवाई की मांग की। मेहता केनरा बैंक और यूनियन बैंक का भी प्रतिनिधित्व कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर इस आदेश को जारी रहने दिया गया, तो यह इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के मूल उद्देश्य को ही खत्म कर देगा। दो सदस्यों अशोक कुमार भारद्वाज (ज्यूडिशियल मेंबर) और रीना सिन्हा पुरी (टेक्निकल मेंबर) की अलग-अलग राय थी। इसके बाद प्रेसिडेंट ने तीसरे मेंबर के रूप में ज्यूडिशियल मेंबर नीलेश शर्मा की नियुक्ति की थी।

सोना नहीं खरीदें की पीएम मोदी की रील का असर, टाइटन से कल्याण ज्वेलर्स तक लुढ़के

नईदिल्ली, एजेंसी। अभी कुछ महीने बाद शादियों के सीजन शुरू होने वाले हैं। दशहरा, धनतेरस और दिवाली जैसे बड़े त्योहारों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक रील पोस्ट करके देशवासियों से फिर से अपील की कि जब तक बहुत जरूरी न हो, सोना न खरीदें। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत नहीं है, तो सोना भी नहीं खरीदना चाहिए। जितना हम स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर देंगे, मुझे पूरा विश्वास है कि जब भारत आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तो हम अपनी युवा पीढ़ी को एक विकसित भारत देंगे।' यह साल की दूसरी बार है जब पीएम मोदी ने यह अपील की है। इससे पहले मई में भी उन्होंने एक साल के लिए सोना न खरीदने की सलाह दी थी। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर सोना आयात करता है। सोने का आयात डॉलर में करना पड़ता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का सोना आयात रिकॉर्ड 71.98 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले साल से 24 प्रतिशत ज्यादा है। पीएम मोदी की यह अपील अनावश्यक सोने की खरीदारी कम करके विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा करने के उद्देश्य से है।

भारत की 7.8 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ से पीएम मोदी गदगद, 'झूठ की गूंज' फैलाने वालों पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ को लेकर खुशी जताई है। उन्होंने इसे भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और लोगों के सामूहिक प्रयास का नतीजा बताया। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में युद्ध, संकट और सप्लाई चेन में रुकावट के बावजूद भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने मैसेज दिया, '7.8 प्रतिशत ग्रोथ। मजबूत आंकड़े, उससे भी मजबूत भरोसा।' उन्होंने इस प्रदर्शन को देश की सामूहिक जिम्मेदारी और ताकत का प्रदर्शन बताया। पीएम मोदी ने कहा कि इस समय दुनिया कई चुनौतियों से जूझ रही है। अलग-अलग हिस्सों से युद्ध की खबरें आ रही हैं और वैश्विक सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दौर यानी 2020 के बाद से दुनिया में स्थिरता लगातार चुनौती बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इन सभी चुनौतियों के बावजूद भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने इस उपलब्धि का श्रेय देश के लोगों के संकल्प और मेहनत को दिया। पीएम मोदी ने जीडीपी के आंकड़ों को लेकर देश के भीतर निराशावादी माहौल बनाने वालों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग निराशा में डूबे हुए हैं और लगातार 'झूठ की गूंज' और निराशा फैलाने में लगे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि ने ऐसे लोगों के नकारात्मक नैरेटिव को जवाब दिया है। उन्होंने देशवासियों से इसी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहने की अपील की। आरबीआई के अनुमान से बेहतर रहा जीडीपी ग्रोथ भारत की अर्थव्यवस्था ने अप्रैल-जून 2026 तिमाही में 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि की। यह ग्रोथ भारतीय रिजर्व बैंक के 7 प्रतिशत के

अनुमान से अधिक रही। हालांकि, पिछली तिमाही में दर्ज 8.6 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले इसमें कमी आई है। वहीं, एक साल पहले की समान तिमाही में ग्रोथ 6.9 प्रतिशत रही थी। इस प्रदर्शन के साथ भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

78000 के नीचे बंद हुआ सेंसेक्स, निफ्टी 24 अंक लुढ़का, मारुति के शेयरों का बुरा हाल

मुंबई, एजेंसी। आज सेंसेक्स में आईटीसी, एचसीएल के शेयरों में 3-3 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। इंफोसिस, भारती एयरटेल, रिलायंस, अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा के शेयरों में भी तेजी दर्ज की गई है। दूसरी तरफ मारुति के शेयरों का दाम 4 प्रतिशत लुढ़क चुका है। वहीं, एसबीआई, इंडिगो, बजाज फिनसर्व के शेयरों का दाम 2 प्रतिशत से अधिक टूटने के बाद बंद हुआ है।

सेंसेक्स अब तेजी का दोहरा शतक लगाकर 206 अंकों की उछाल के साथ 77164 पर पहुंच गया है। निफ्टी 20 अंक ऊपर 24100 के लेवल पर है। सेंसेक्स की ड्राइविंग सीट पर अब एचसीएल टेक है। यह 4.37 प्रतिशत ऊपर 1366.25 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

इनके अलावा कोटक बैंक, इन्फोसिस और भारती एयरटेल 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ सेंसेक्स टॉप गेनर की लिस्ट में पहुंच गए हैं। गिरने वाले शेयरों में मारुति (3.66 प्रतिशत), इंडिगो (1.97 प्रतिशत), बजाज फिनसर्व (1.94 प्रतिशत) और स्टेट बैंक (1.88 प्रतिशत) प्रमुख हैं। कमजोर शुरुआत के बाद शेयर मार्केट में अब हरियाली लौट रही हैं। बीएसई सेंसेक्स तेजी का शतक लगाकर 166 अंक ऊपर 77123 पर पहुंच गया है। सेंसेक्स में 3 प्रतिशत से अधिक उछलकर 264 रुपये पर पहुंच गया है। यह इंडेक्स टॉप गेनर है। एचसीएल टेक में 2.51, टाटा स्टील में 2.20 प्रतिशत की तेजी है। कोटक बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज में भी शानदार बढ़त है। सितंबर के पहले कारोबारी दिन शेयर मार्केट की शुरुआत सुस्त रही। बीएसई का 30 स्टॉक्स वाला बेंचमार्क इंडेक्स

सेंसेक्स 36 अंक ऊपर 76994 खुला। जबकि, एनएसई का 50 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक निफ्टी 2 अंक नीचे 24077 के लेवल पर खुला।

भारतीय शेयर बाजार बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी 50, मंगलवार, 1 सितंबर को लाल रंग में खुलने के आसार हैं। एशियाई बाजारों ने मंगलवार को बड़े पैमाने पर गिरावट का कारोबार किया, जबकि अमेरिकी शेयर वायदा सोमवार को कमजोर रहा। इससे पहले सोमवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 307 अंक गिरकर 76,957 बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी लाल निशान में 95 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 24,080 बंद हुआ।

एशियाई बाजार- एशियाई बाजारों में मंगलवार को गिरावट रही। जापान के निक्केई 225 में 0.91 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स काफी हद तक अपरिवर्तित रहा। दक्षिण कोरिया के कोस्पी और स्मॉल-कैप कोस्डैक दोनों शुरुआती कारोबार में 1 प्रतिशत से अधिक गिर गए। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया का बेंचमार्क एसएंडपी/एएसएक्स 200 भी 0.36 प्रतिशत फिसल गया।

गिफ्ट निफ्टी टुडे- गिफ्ट निफ्टी 24,212 के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा था, जो निफ्टी फ्यूचर्स के पिछले बंद होने से लगभग 33 अंक नीचे था। यह भारतीय शेयर बाजार सूचकांकों के लिए नकारात्मक शुरुआत का संकेत देता है।

अमेरिकी शेयर बाजार- वॉल स्ट्रीट के पिछले सत्र में कम बंद होने के बाद सोमवार रात को वॉल स्ट्रीट स्टॉक फ्यूचर्स काफी हद तक म्यूट थे, हालांकि प्रमुख अमेरिकी सूचकांक अभी भी मासिक लाभ के साथ अगस्त में समाप्त हुए। डॉऊ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स 48 पॉइंट बढ़ गए, जबकि एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.1 प्रतिशत से कम की वृद्धि हुई।

सितंबर में 14 दिन बंद रहेंगी बैंक शाखाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपको सितंबर में चेक क्लियरेंस, बैंक ड्राफ्ट, केवायसी अपडेट या किसी अन्य जरूरी काम के लिए बैंक शाखा जाना है, तो घर से निकलने से पहले बैंक हॉलिडे कैलेंडर जरूर देख लें। सितंबर 2026 में अलग-अलग राज्यों में त्योहारों, स्थानीय आयोजनों और साप्ताहिक अवकाश के चलते बैंक शाखाएं कई दिनों तक बंद रहेंगी। हालांकि, सभी राज्यों में बैंक 14 दिन बंद नहीं रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक की छुट्टियों की सूची के मुताबिक कुछ अवकाश क्षेत्रीय हैं यानी किसी खास त्योहार या स्थानीय अवसर पर एक राज्य में बैंक बंद हो सकते हैं, जबकि दूसरे राज्य में शाखाएं सामान्य रूप से खुली रहेंगी।

4 सितंबर, शुक्रवारः जन्माष्टमी/कृष्ण जयंती के अवसर पर अहमदाबाद, आइजोल, भुवनेश्वर, चेन्नई, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कोलकाता, लखनऊ, पटना, रायपुर, रांची, शिलांग, शिमला, तिरुवनंतपुरम और विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे। 11 सितंबर, शुक्रवारः नगर निगम चुनाव के कारण जयपुर में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। महीने का दूसरा शनिवार होने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट: मिसबाह-उल-हक का इस्तीफा, सात खिलाड़ियों को किया बाहर

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. पहले दो मैच हारकर ही वो सीरीज हार चुके हैं. लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में उन्हें 194 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा. इससे पहले लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में उन्हें पारी और 103 रनों हार मिली थी. ये पिछले छह टेस्ट मैचों में से पाकिस्तान की पांचवीं हार है।

टीम के लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ी और कोच से खुश नहीं है. इसलिए बोर्ड ने सीरीज के बीच में ही आखिरी टेस्ट से पहले टीम में बड़े बदलाव कर दिए हैं. बोर्ड ने कोच समेत सात खिलाड़ियों को टीम से एजबेस्टन में 9 सितंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले ही हटा दिया है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिसबाह-उल-हक ने पाकिस्तान पुरुष राष्ट्रीय सिलेक्शन कमिटी से इस्तीफा देने की पेशकश की है। यह कदम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा इंग्लैंड दौरे के दौरान टेस्ट टीम और कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव करने के फैसले के बाद उठाया गया है। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने अभी तक मिसबाह का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने लाहौर में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में बैटिंग कंसल्टेंट की भूमिका से भी हटने का फैसला किया है।

टीम से बाहर होने वाले खिलाड़ी

टेस्ट स्क्वाड से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में सलमान अली आगा, विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान, ओपनिंग बल्लेबाज इमाम-उल-हक, अली उस्मान, आमिर जमाल, मुहम्मद अवैस जफर और खुर्रम शहजाद के नाम शामिल हैं।

कोच की भी छुट्टी

यह बदलाव सिर्फ खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि रेड-बॉल हेड कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को भी उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है. उनकी जगह अब व्हाइट-बॉल के हेड कोच माइक हेसन और एशले नोफके को रखा गया है।

7 नए खिलाड़ियों की टीम में एंट्री

बाहर किए गए 7 खिलाड़ियों की जगह 7 नए खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है. जिसमें टेस्ट स्तर पर पांच अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं. जिसमे बल्लेबाज साइम अयूब और अब्दुल्ला फजल के साथ-साथ बाएं हाथ के स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर अराफात मिन्हास शामिल हैं. अनकैप्ड खिलाड़ी मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बेग, मोहम्मद इमरान और रजाउल्लाह भी टीम से जुड़ेंगे।

साइम अयूब 8 टेस्ट और अब्दुल्ला फजल दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं. जबकि अराफात मिन्हास ने तीन वनडे और चार टी-20 मैच खेले हैं. इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान जूनियर, विकेटकीपर-बल्लेबाज और कायद-ए-आजम ट्रॉफी 2025-26 के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' साद बेग, और दाएं हाथ के पेस बॉलिंग ऑलराउंडर मोहम्मद इमरान (जिन्हें इमरान रंधावा के नाम से भी जाना जाता है) और रजाउल्लाह हैं।

पाकिस्तान की अपडेटेड टेस्ट स्[ड

बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अराफात मिन्हास, अजान अवैस, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अली, मुहम्मद इमरान, मोहम्मद इमरान जूनियर, मुहम्मद गाजी गोरी (विकेटकीपर), रजाउल्लाह, साद बेग (विकेटकीपर), साइम अयूब, साजिद खान, सऊद शकील, शान मसूद और उबैद शाह।

अल्काराज की 139 दिन बाद जीत से वापसी

यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचे, सबालेंका भी जीतीं

यूएस (एजेंसी)। यूएस ओपन 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने 139 दिन बाद सिंगल्स कोर्ट पर जीत के साथ वापसी की। अल्काराज कलाई की चोट के कारण चार महीने से ज्यादा समय तक टेनिस से दूर थे। स्पेन के खिलाड़ी ने न्यूयॉर्क के आर्थर एश स्टेडियम में रूस के रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। वहीं, विमेंस सिंगल्स में दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने कैमिला ओसोरियो को 6-2, 6-4 से हराया।अल्काराज ने चोट के कारण इस दौरान फ्रेंच ओपन और विंबलडन में हिस्सा नहीं लिया था। मैच के दौरान वह दाहिने हाथ पर कम्प्रेशन स्लीव पहनकर खेले।

स्वियातेक और नोस्कोवा भी जीतीं

छठी ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने चीन की वांग शियू को 6–2, 6–3 से हराकर शुरुआत की। विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने अमेरिका की केटी वोलीनेट्स को 7–5, 6–1 से हराया। वहीं, पिछले साल यूएस ओपन की रनर–अप अमांडा अनिसिमोवा ने अपने 25वें जन्मदिन पर एशलिन क्रूगर को 6–1, 6–3 से शिकस्त दी।

सबालेंका ने ओसोरियो को हराया

महिला सिंगल्स में दुनिया की नंबर–1 आर्यना सबालेंका ने कैमिला ओसोरियो को 6–2, 6–4 से हराया। इसके साथ ही उनका लगातार तीसरा स-ओपन खिताब जीतने का अभियान जारी रहा। वह ओपन एरा में लगातार तीन स-ओपन खिताब जीतने वाली तीसरी महिला बन सकती हैं। उनसे पहले सेरेना विलियम्स और क्रिस एवर्ट ऐसा कर चुकी हैं। पहला सेट आसानी से जीतने के बाद सबालेंका को दूसरे सेट में संघर्ष करना पड़ा। हालांकि 4–4 के स्कोर के बाद वापसी कर मैच अपने नाम कर लिया। अगले दौर में उनका सामना रूस की क्वालिफायर पोलिना यात्सेंको से होगा।

● **अल्काराज बोले– लय हासिल करने के लिए और मैच खेलने की जरूरत –** अल्काराज की वापसी जीत शानदार रही, लेकिन सर्विस में उन्हें संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि चार महीने बाद वापसी में उन्हें मैच फिटनेस को लेकर थोड़ी चिंता थी। उन्हें यह भी संदेह था कि वह पांच सेट का मैच खेल पाएंगे या नहीं। जीत के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें लय हासिल करने के लिए अभी और मैच खेलने की जरूरत है। कार्लोस अल्काराज 2004 से 2008 के बीच लगातार पांच बार खिताब जीतने वाले रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन पुरुष सिंगल्स का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन– 94/3, सेंट्रल जोन ने 159 रन का टारगेट दिया

नईदिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए। सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। ईस्ट जोन को टेस्ट मैच जीतने के लिए 159 रन का टारगेट मिला है। इसके जवाब में टीम ने 27 ओवर में 3 विकेट पर 94 रन बना लिए हैं। कुमार कुशाग्र 16 और कप्तान ईशान किशन 1 रन बनाकर खेल रहे हैं।

सेंट्रल जोन ने 37 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे

सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब रही और 37 रन तक टीम के तीन विकेट गिर गए। कप्तान रजत पाटीदार 5 और रिंकू सिंह 20 रन ही बना सके। 95 रन तक 7 विकेट गंवाने के बाद अरशद खान ने लोअर ऑर्डर के साथ मिलकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। हालांकि टीम 158 रन पर ही सिमट गई। अमन मोखाड़े ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। अरशद खान ने 25 और हर्ष दुबे ने 24 रन की पारी खेली।

मुकेश कुमार को 4, शमी को 3 विकेट – ईस्ट जोन की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 12 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने 3, जबकि अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और कुनैन कुरैशी ने 1–1 विकेट लिया।

स्टोक्स की 11 साल बाद बिग बैश लीग में वापसी

एडिलेड स्ट्राइकर्स से जुड़े. पूरा सीजन खेलेंगे

लंदन (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास के बाद बेन स्टोक्स बिग बैश लीग की टीम एडिलेड स्ट्राइकर्स से जुड़े हैं। वे फ्रेंचाइजी के साथ 5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर में जुड़े। एग्रीमेंट के अनुसार, अगर स्ट्राइकर्स क्वालिफाई करते हैं, तो स्टोक्स टूर्नामेंट के आखिरी दौर तक टीम के साथ रहेंगे। इस सीजन का फाइनल 26 जनवरी 2027 को होगा। स्टोक्स ने आखिरी बार 2015 की शुरुआत में बीबीएल मैच खेला था। 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल खेलने के बाद से उन्होंने कोई टी-20 क्रिकेट नहीं खेला है। बीबीएल ने इस पोस्ट के लिए स्टोक्स की वापसी का ऐलान किया।

स्टोक्स ने खुद स्ट्राइकर्स को चुना

स्टोक्स ने बीबीएल में लौटने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद साउथ ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) के क्रिकेट जनरल मैनेजर साइमन इंस्ली ने उनसे बातचीत की। स्टोक्स को सिडनी सिक्सर्स और मेलबर्न रेनेगेड्स जैसी टीमों भी अपने साथ जोड़ना चाहती थीं। स्ट्राइकर्स अभी दो अन्य बड़े नामों के साथ बातचीत कर रहे हैं। टीम को उम्मीद है कि जल्द ही उनके साथ जुड़ने की पुष्टि कर दी जाएगी। उनका पहला मैच कैनबरा में सिडनी थंडर के खिलाफ होगा।

स्टार टेनिस खिलाड़ी की दरियादिली बाढ़ पीड़ितों के लिए दान किए 1 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की स्टार टेनिस खिलाड़ी झेंग छिनवेन ने एक बार फिर मुश्किल वक्त में अपने देश के लोगों का साथ देकर दिल जीत लिया है। याहू स्पोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टार खिलाड़ी ने तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक मिलियन युआन यानी करीब 1.5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.4 करोड़ रुपये) दान किए हैं। चीन चैरिटी फेडरेशन ने इस योगदान की पुष्टि की है। यह मदद ऐसे समय में आई है जब खुद झेंग चोट और सर्जरी के बाद अपने करियर को दोबारा पटरी पर लाने की कोशिश कर रही हैं।

बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई भारी तबाही

चीन-नेपाल सीमा के पास स्थित ग्यिरोंग काउंटी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई। इस आपदा में बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। इसी मुश्किल घड़ी में झेंग ने आपदा राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए बड़ी रकम दान की। उनका 10 लाख युआन का योगदान प्रभावित लोगों तक आपात सहायता पहुंचाने और बचाव-पुनर्निर्माण कार्यों में इस्तेमाल किया जाएगा। यह पहली बार नहीं है जब झेंग ने प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों की मदद के लिए आगे बढ़कर योगदान दिया है।

2023 में भी की थी बड़ी मदद

झेंग ने इससे पहले 2023 में चीन के गांसू प्रांत के जिशिशान काउंटी में आए भूकंप के बाद राहत कार्यों के लिए 2 लाख युआन यानी करीब 28 हजार डॉलर का दान दिया था। इस बार उनका योगदान पहले की तुलना में पांच गुना है। चीन की सबसे चर्चित खेल हस्तियों में शामिल झेंग का यह कदम उनके सामाजिक सरोकार को भी दिखाता है। 23 साल की झेंग ने खेल की दुनिया में भी कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं।

चोट ने बदली करियर की रफ्तार

हालांकि, पिछले कुछ समय में झेंग के टेनिस करियर को चोट ने बुरी तरह प्रभावित किया। वह कोहनी की चोट के कारण सर्जरी से गुजरीं और लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहीं। इसका असर उनकी रैंकिंग पर भी पड़ा। एक समय दुनिया की नंबर-4 खिलाड़ी रह चुकीं झेंग अब रैंकिंग में 121वें स्थान पर पहुंच गई हैं। चोट के कारण वह 2025 यूएस ओपन में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। इस सीजन में वापसी के बाद उन्हें शुरुआती दौर में कई हार का सामना करना पड़ा। खुद झेंग ने माना कि लगातार हार से वह मानसिक रूप से भी परेशान हुईं।उन्होंने कहा, 'वापसी के बाद मैं कुछ ऐसे मैच हार गई, जिन्हें मुझे नहीं हारना चाहिए था। यह मेरे लिए बहुत दर्दनाक था।' झेंग ने बताया कि उन्हें लगता था कि उन्होंने अपने प्रशंसकों को निराश किया है।

यूएस ओपन में वापसी से नई उम्मीद

चोट से वापसी के बाद झेंग के लिए 2026 यूएस ओपन बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए उन्हें क्वालीफाइंग के तीन मुकाबले खेलने पड़े और तीनों में जीत हासिल कर उन्होंने अपनी वापसी को यादगार बनाया। उन्होंने पहले मुकाबले में चीन की यू शियाओदी को 6–3, 6–2 से हराया। इसके बाद क्लारा बुरेल को 6–1, 7–5 से मात दी। आखिरी क्वालीफाइंग मुकाबले में एलेना प्रिदांकिना के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद उन्हें दूसरे सेट में हार मिली, लेकिन निर्णायक सेट में उन्होंने 6–0 की शानदार जीत के साथ 6–4, 3–6, 6–0 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल की सेवा, श्रृंगार और पूजा में जरूर शामिल करें ये चीजें

जन्माष्टमी का त्योहार 4 सितंबर, शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस दिन लड्डू गोपाल की विशेष पूजा, सेवा और श्रृंगार किया जाता है। इस दौरान कान्हाजी की पूजा व सेवा में पंचामृत, जल, तुलसी दल सहित कुछ महत्वपूर्ण चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए। इन चीजों के बिना पूजा अधूरी रह सकती है। तो चलिए विस्तार से जानें जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल की पूजा, सेवा और श्रृंगार सामग्री लिस्ट।

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 4 सितंबर, शुक्रवार को पड़ रही है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन विधि-विधान से व्रत, बाल गोपाल की सेवा और पूजा की जाती है। साथ ही, मध्य रात्रि में जन्मोत्सव के समय कृष्णजी का जल व पंचामृत से अभिषेक करके उन्हें वस्त्र पहनाए जाते हैं। पूरा श्रृंगार करने के बाद उन्हें झूला झुलाया जाता है। ऐसे में जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल की सेवा, पूजा और श्रृंगार में अनेक प्रकार की चीजों की आवश्यकता होती है। कुछ चीजों के बिना कान्हाजी की पूजा और सेवा अधूरी रह सकती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि जन्माष्टमी के दिन किन-किन चीजों की आवश्यकता होती है। विस्तार से पढ़ें जन्माष्टमी पूजा, सेवा और श्रृंगार सामग्री लिस्ट।

जन्माष्टमी लड्डू गोपाल सेवा और श्रृंगार सामग्री लिस्ट

नई पोशाक, मुकूट, मोरपंख, बांसुरी, कंग, पायल, कमरबंद, तुलसी, मोतियों व फूलों की माला, चंदन का तिलक सुबह का भोग,जल,दीपक कामधेनु गाय बछड़े सहित

जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण अभिषेक सामग्री

दूध, घी, दही, जल, शक्कर, ंगाजल, इत्र, लड्डू गोपाल के लिए सूती वस्त्र

जन्माष्टमी पूजा सामग्री

सिंहासन अथवा झूला, धूप, कपूर, रोली, चंदन, सिंदूर, यज्ञोपवीत, अक्षत, सुपारी, हल्दी, पान के पत्ते रुई, ताजे पुष्पों की माला और फूल, सप्तधान, दूर्वा, दही, गंगाजल, दीपक

जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण भोग सामग्री

मौसमी फल, माखन-मिश्री, पंचमेवा, शक्कर मिष्ठानछोटी इलायची, औषधि, पंचामृत, नारियल, खीरा, केले के पत्ते, तुलसी दल

जन्माष्टमी के दिन सुबह से लेकर मध्य रात्रि की पूजा में इन चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए। मान्यता है कि विधि-विधान से व्रत और लड्डू गोपाल की पूजा करने से कान्हाजी प्रसन्न होते हैं। साथ ही, उनकी कृपा से परिवार में सालभर खुशियां बनी रह सकती हैं।

जन्माष्टमी का महत्व

शास्त्रों और कथाओं के अनुसार, द्वापर युग में भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर रोहिणी नक्षत्र में भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। इस तिथि पर चंद्रमा वृषभ राशि और सूर्य सिंह राशि में विराजमान थे। यही कारण है कि हर साल भाद्रपद कृष्ण अष्टमी तिथि पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव मनाया जाता है। इस दिन भगवान के बाल स्वरूप की पूजा और रात्रि में भजन करने का अत्यंत महत्व होता है। वहीं, मध्य रात्रि में लड्डू गोपाल का अभिषेक करने के बाद उन्हें वस्त्र व आभूषण पहनाए जाते हैं। फिर, झूले में बैठाकर झूला झुलाया जाता है और अनेक प्रकार के भोग लगाने का विधान होता है। साथ ही, जन्माष्टमी पर चंद्रमा के दर्शन और जल अर्पित करने के बाद ही व्रत का पारण किया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान कृष्ण की कृपा प्राप्त हो सकती है।

पितृपक्ष कब से आरंभ होगा, इस बार बना गजच्छाया योग का शुभ संयोग

पितृपक्ष का आरंभ इस बार 26 सितंबर से होने जा रहा है। ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज पितृलोक से धरती पर आते हैं और अपने परिवार के लोगों को आशीर्वाद देते हैं। इसलिए इन दिनों में उनके नाम से तर्पण आदि के कार्य करने चाहिए। आइए जानते हैं पितृपक्ष की सारी प्रमुख तिथियां।पितृपक्ष वह समय होता है जब हम अपने पूर्वज जो पितर लोक में है उन्हें याद करते हैं। उनके नाम से निमित्त श्राद्ध कर्म करते हैं। बता दें कि पितृपक्ष के 15 दिन पितृ पितर लोक से धरती पर अपने परिवारजनों को देखने के लिए आते हैं। इस दौरान नियमित रुप से जप तप और पितरों के नाम से तर्पण आदि कार्य करने से पितर प्रसन्न होते हैं। आइए जानते हैं इस साल पितृपक्ष कब से आरंभ हो रहा है। यहां देखें पितृपक्ष की सारी प्रमुख तिथियां।

पंचांग की गणना के अनुसार, पितृपक्ष का आरंभ 26 अक्टूबर से होगा। इस दिन पूर्णिमा तिथि का श्राद्ध होगा। इस बार पितृपक्ष में गच्छाया योग भी बन रहा है। दरअसल, इस बार 10 अक्टूबर को सूर्य और चंद्रमा दोनों हस्त नक्षत्र में गोचर करेंगे जिससे गजच्छाया योग का निर्माण होगा। बता दें कि इस बार चतुर्थी और पंचमी तिथि का श्राद्ध एक ही दिन पर होने वाला है। बता दें कि आश्विन अमावस (पितृ अमावस) के दिन सूर्य और चन्द्रमा (दोनों) हस्त नक्षत्र में संचार कर रहे तो 'गजच्छाया योग' बना है। इस योग में श्राद्ध, पितृ-तर्पण तथा तीर्थस्नान का अत्यधिक माहात्म्य होता है। इसदिन (10 अक्तूबर, शनिवार) यह योग सारा दिन (सूर्योदय से सूर्यास्त तक) होगा।

सर्वपितृ अमावस्या शनिवार 10 अक्टूबर को रहेगी। पितृपक्ष में यह दिन बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन जिस किसी का श्राद्ध आप भूल गए हैं उन सभी के नाम से आप पितृ तर्पण आदि कार्य कर सकते हैं।

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। यदि कोई समस्या लंबे समय से चली आ रही थी, तो वह दूर होगी। संतान को किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपने यदि किसी से कोई कर्जा लिया था, तो वह भी काफी हद तक पूरा होगा। किसी अजनबी पर आप भरोसा न करें, नहीं तो नुकसान हो सकता है। आपकी यदि कोई संपत्ति संबंधित डील अटकी हुई थी, तो वह भी फाइनल हो सकती है।

वृषभ

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मुश्किलों भरा रहने वाला है। काम को लेकर यदि कोई समस्या चल रही थी, तो वह दूर होगी। आपको किसी प्रकार की कोई एलर्जी या इन्फेक्शन था, तो वह लापरवाही से बढ़ सकता है। घर परिवार में भी आपसे लड़ाई झगड़े बढ़ेंगे, जिसमें आप दोनों पक्षों की सुनकर कोई बात कहें। आपको अपने लेनदेन से संबंधित मामलों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है।

मिथुन

मिथुन- आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। पार्टनरशिप में की गई डील आपको थोड़ी समस्या दे सकती है। आपको अपने पार्टनर पर भरोसा करने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का बोझ थोड़ा अधिक रहेगा। नौकरी बदलने का यदि आप प्रयास कर रहे थे, तो उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपका कोई लेनदेन से संबंधित मामला आपको परेशान कर सकता है।

कर्क

कर्क- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपने दिनचर्या को बेहतर रखें। आप कामों को लेकर व्यस्त रहेंगे, लेकिन आप अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों पर भी पूरा ध्यान देंगे। नौकरी में आप अपने बॉस से किसी बात को लेकर उलझ सकते हैं। आपको अपनी जरूरतों पर पूरा ध्यान देना होगा। धार्मिक गतिविधियों पर भी आपका पूरा ध्यान रहेगा।

सिंह

सिंह- आज का दिन आपके लिए सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा। आपको अपने मन में चल रही उलझनों को दूर करना होगा। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपनी कला व कौशल से काम करके अधिकारियों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। आपके कुछ नए विरोधी हो सकते हैं। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आप किसी कानूनी मामले को लेकर आप थोड़ा परेशान रहेंगे।

कन्या

कन्या- आज का दिन आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएगा। भविष्य को लेकर आपको यदि कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। जो युवा रोजगार को लेकर परेशान चल रहे हैं, उन्हें कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। व्यवसाय में आपको अपनी निर्णय क्षमता पर भरोसा रखना होगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपके घर किसी पूजा पाठ का आयोजन होने से परिजनों का आना-जाना लगा रहेगा।

तुला

तुला- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। योग्यता अनुसार काम मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके आसपास में यदि कोई वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें पूरा ध्यान दें। भविष्य को लेकर आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे। नौकरी वाले लोगों के ऊपर काम का बोझ अधिक रहेगा। आपको काम को लेकर थकान अधिक रहेगी।

वृश्चिक

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर बुद्धि व विवेक से काम लेना होगा। यदि कोई काम रुका हुआ था, तो उसे पूरा करने के लिए आपको मेहनत अधिक करनी होगी। आप अपने घर में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देंगे। जीवनसाथी से भी किसी बात को लेकर खटपट होने की संभावना है। आप किसी निर्णय को जल्दबाजी में लेकर समस्या में आ सकते हैं।

धनु

धनु- आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहेगा। आपको अपनी पुरानी गलतियों से कुछ सीख लेने की आवश्यकता है और आप किसी विरोधी की बातों में ना आएं। आप धार्मिक गतिविधियों में भी बढ़-चढकर हिस्सा लेंगे। व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना होगी। आपका कोई प्रोजेक्ट यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी शुरू हो सकता है।

मकर

मकर- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती है। आपको किसी काम को लेकर यदि टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी और आप किसी प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। जो आपके लिए अच्छी रहेगी। जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं उनके लिए समय शुभ है। आपको अपनी मेहनत का कार्यक्षेत्र में पूरा फल मिलेगा।

कुंभ

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आप किसी पर भरोसा बहुत ही सोच समझकर करें, नहीं तो वह आपके उस भरोसे को तोड़ सकता है। संतान के करियर को लेकर आप परेशान रहेंगे। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को थोड़ा ध्यान देना होगा, नहीं तो उन्हें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपने यदि बिजनेस में बिना सोचे समझे इन्वेस्टमेंट किया, तो उससे आपको नुकसान होने की संभावना है।

मीन

मीन- आज का दिन आपके लिए कुछ नए संपर्कों से लाभ लेकर आएगा। आपको अपनी योग्यता अनुसार काम मिलने से कला क्षेत्र में खुशियां मिलेगी। आपको अपनी संतान की तरक्की के लिए कुछ नई प्लानिंग करनी होगी। यदि आपके मन में किसी बात को लेकर कोई उलझन चल रही है, तो उसे दूर करने के लिए आप अपने भाइयों से बातचीत कर सकते हैं। आपका बिजनेस पहले से तरक्की करेगा। आपको किसी सहयोगी से काम को लेकर सलाह लेनी होगी।

बिहार में अब क्यूआर कोड से खाद खरीदेंगे किसान, अधिक दाम वसूलने पर होगी कार्रवाई

पटना, एजेंसी। खेत बचाओ, गुणवत्तायुक्त बीज और खाद सुलभ कराओ अभियान किसान हित में विभाग की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य उर्वरक बिक्री व्यवस्था को पारदर्शी, सुव्यवस्थित, जवाबदेह और किसान-केंद्रित बनाना है। ये बातें सोमवार को कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहीं। वे मीठापुर स्थित कृषि भवन सभागार में विभागीय अधिकारियों के कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि किसान को अब क्यूआर कोड उपलब्ध कराया जाएगा। यह क्यूआर कोड तीन दिनों तक मान्य रहेगा। इसके माध्यम से किसान उसमें अंकित अधिकृत उर्वरक विक्रेता से निर्धारित प्रक्रिया के तहत भुगतान कर उर्वरक खरीद सकेंगे।

प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करना आवश्यक: उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक समय पर और सुगमता से उपलब्ध कराना कृषि विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उर्वरक की उपलब्धता, वितरण और बिक्री व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करना आवश्यक है।

उर्वरक बिक्री व्यवस्था को डिजिटल और

किसान-केंद्रित बनाने के लिए विभाग ने एफएसएएस (उर्वरक बिक्री आवेदन प्रणाली का ढांचा) के माध्यम से ऑनलाइन व्यवस्था विकसित की है। आइएफएमएस और एग्रीस्टैक के एकीकरण से उर्वरक की खरीद-बिक्री प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने का प्रयास किया गया है।

शिकायत पर तत्काल कठोर कार्रवाई के निर्देश

कृषि मंत्री ने निर्धारित मूल्य से अधिक पर बिक्री, कालाबाजारी, जमाखोरी या अन्य अनियमितता की शिकायत पर तत्काल कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीक का उद्देश्य किसान की सुविधा बढ़ाना है, उसकी परेशानी नहीं। किसी भी तकनीकी या प्रशासनिक समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।

बंगाल में युवाओं को मिलेगा रोजगार, सभी विभागों में एक साल के भीतर खाली पदों को भरने का मेगा प्लान

कोलकाता, एजेंसी। लंबे समय से सरकारी नौकरियों का इंतजार कर रहे बंगाल के बेरोजगार युवाओं के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य सरकार ने प्रशासनिक विभागों में वर्षों से खाली पड़े पदों को भरने के लिए एक बड़े अभियान की शुरुआत कर दी है। सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि अगले एक साल के भीतर जिन विभागों में कर्मचारियों की सबसे ज्यादा किल्लत है, उन सभी जरूरी रिक्तियों की पहचान कर विस्तृत प्रस्ताव जल्द से जल्द भेजा जाए। नवान्न (राज्य सचिवालय) सूत्रों के अनुसार, राज्यस्तरीय 'मैनपावर रैशनेलाइजेशन कमेटी' की आगामी बैठक से पहले तमाम प्रशासनिक विभागों से उनके यहां खाली पदों का पूरा हिसाब-किताब मांगा गया है। हालांकि एक साथ सभी रिक्तियों को भरने के बजाय सरकार ने चरणबद्ध तरीके से सबसे ज्यादा जरूरी और महत्वपूर्ण पदों पर प्राथमिकता के आधार पर नियुक्तियां करने का निर्णय लिया है। पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने और नए पदों पर भर्ती न होने के कारण प्रशासनिक कामकाज पर भारी दबाव पड़ रहा था। कई विभागों में तो स्थिति यह है कि कर्मचारियों की भारी कमी के कारण आम जनता को मिलने वाली दैनिक नागरिक सेवाएं भी प्रभावित हो रही थीं। सरकार इस असंतुलन को दूर करने के लिए पूरी पारदर्शिता के साथ काम करना चाहती है। आगामी मंगलवार तक सभी संबंधित विभागों को अपनी रिपोर्ट और रिक्तियों का ब्योरा कमेटी के पास जमा कराने का कड़ा निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाबी इन्फ्लुएंसर मंजीत की मौत केस में नया खुलासा

मोहाली, एजेंसी। पंजाबी इन्फ्लुएंसर मंजीत कौर की मौत के मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, घटना को लेकर कई अहम सवाल सामने आ रहे हैं। मंजीत तीन जुलाई को चंडीगढ़ के सेक्टर-34 में आई थी। उस समय उसके साथ उसकी एक युवती दोस्त भी थी, जिसे मंजीत की बेस्ट फ्रेंड बताया जा रहा है। मंजीत के पास थार गाड़ी थी। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घटना वाली रात वह थार में सेक्टर-34 पहुंची थी या फिर कैब में। मंजीत की बेस्ट फ्रेंड नेहा को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, तीन जुलाई को घटना हुई थी और चार जुलाई को नेहा मोहाली के शोको और मास्क क्लब गई थी। उसके मोबाइल फोन में उस समय मंजीत की फोटो थी। मंजीत की मां कांता देवी ने पुलिस को दिए बयानों में आरोप लगाया है कि शुभी और पिंदा ने मंजीत को सेक्टर-34 स्थित शराब के ठेके के पास बुलाया था। इसके बाद उसके साथ मारपीट कर उसे गाड़ी में अगवा किया गया और मोरिंडा के जंगल क्षेत्र में ले जाकर पेड़ से बांधकर आग लगा दी गई। पुलिस अब इस बयान और जांच में सामने आ रही सेक्टर-34 में पहुंचने की बात को लेकर जांच कर रही है।

संक्रामक रोगों का हॉटस्पॉट बना मेरठ मंडल, स्वाइन फ्लू-डेंगू के 435 मामले आए सामने; सर्वे पर भी उठे सवाल

गाजियाबाद, एजेंसी। शासन स्तर से आये दिन जारी होने वाले दिशा निर्देशों के बाद भी एक जुलाई से शुरू होकर 31 जुलाई तक संचालित होने वाला डोर टू डोर संचारी रोग नियंत्रण अभियान बेअसर हो रहा है। कम से कम मेरठ मंडल के छह जिलों की ताजा रिपोर्ट से तो यह साफ लगता है। 31 अगस्त देर शाम को जारी की गई रिपोर्ट बयां कर रही है कि मेरठ मंडल संक्रामक रोगों का हाट स्पाट बनता जा रहा है। मेरठ मंडल में स्वाइन फ्लू के संग डेंगू ने भी पैर पसारने शुरू कर दिये हैं।अगस्त तक मंडल के छह जिलों में स्वाइन फ्लू के 302 और डेंगू के 133 केस मिल चुके हैं। मलेरिया के 83,स्क्रब टायफस के 25,लेप्टोस्पायरोसिस के 27 और चिकनगुनिया का भी एक केस मिल चुका है। खास बात यह है कि शासन स्तर से रोज समीक्षा होने के बाद भी संचारी रोगों पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। सर्वे भी कमजोर पड़ रहा है। अधिकांश केस प्राइवेट लैबों में जांच के बाद पुष्ट किये जा रहे हैं। जिले वार गठित सर्विलांस विंग और मलेरिया अनुभाग की गतिविधियां भी संचारी रोग बढने पर सवालों के दायरे में आ रहीं हैं। हर साल सर्वे एवं एंटी लार्वा स्प्रे और लार्वा नष्ट करने के लिये ब्रीड चेकर रखे जाते हैं। कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी कराया जाता है।

बोरवेल में गिरा 9 साल का बच्चा, 48 फीट की गहराई पर मिट्टी और पाइप के बीच फंसा

जयपुर, एजेंसी। अलवर जिले के बुटोली गांव में नौ वर्षीय बच्चा खेलते हुए तीन सौ फीट गहरे खुले बोरवेल में गिर गया। बच्चा करीब 48 फीट गहराई पर मिट्टी व पाइप के बीच फंसा हुआ है। देर रात तक बचाव कार्य जारी रहा, पर बच्चे को नहीं निकला जा सका। जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम करीब छह बजे भानू अन्य बच्चों के साथ खेल रहा रहा था। इसी दौरान वह खुले बोरवेल में गिर गया। सूचना मिलने पर प्रशासन और पुलिस के अफसरों की टीम आपदा प्रबंधन दल के साथ मौके पर पहुंची। बच्चे को बाहर निकालने के लिए बोरवेल के आसपास जेसीबी व अन्य मशीनों से खुदाई की गई। स्वजन बार-बार बच्चे को आवाज दे रहे हैं, जिसका वह जवाब दे रहा है। रस्सी के सहारे पानी की बोतल, बिस्किट बच्चे तक पहुंचाए गए। बोरवेल काफी समय से बंद था, काम नहीं आ रहा था।

राधा उपाध्याय बनीं ओवरआल तीज क्वीन, देहरादून तीज महोत्सव में महिलाओं ने बिखेरे लोक संस्कृति के रंग

देहरादून, एजेंसी। लाडपुर-तपोवन रोड स्थित ब्लाक सभागार में आयोजित तीज महोत्सव में महिलाओं ने लोक संस्कृति

का संदेश देते हुए गीत और नृत्य की प्रस्तुति से रंग जमाया। लोकगायिका पूनम सती के गीतों पर महिलाएं झूम उठीं। राधा उपाध्याय ने ओवरआल तीज क्वीन का खिताब जीता। महोत्सव में लोक नृत्य, कथक, योग और फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। तीज के रंग में सजी महिलाओं ने रैंप वाक के साथ सावन के गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। इस दौरान तीज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

40 से कम आयुवर्ग में राधिका बड़थ्वाल प्रथम, मीनाक्षी सेमवाल द्वितीय, जबकि सोनिया तृतीय रहीं। 40 से अधिक आयुवर्ग में अलकनंदा सेमवाल बहुगुणा प्रथम, मोनिका द्वितीय, जबकि भावना ने तृतीय स्थान हासिल किया। मुख्य अतिथि रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ, विशिष्ट अतिथि महापौर सौरभ थपलियाल व महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने विजेताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व पार्षद कविंद्र सेमवाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन आगे भी किए जाएंगे। इस मौके पर पार्षद अभिषेक पंत, कपिल धर, विजय लक्ष्मी, पूजा नेगी, प्रशांत डोभाल, रायपुर मंडल अध्यक्ष उज्ज्वल नेगी, पूर्व अध्यक्ष रुद्रेश शर्मा, राकेश थपलियाल आदि मौजूद रहे।

लखनऊ समेत 25 जिलों में तीन दिनों तक होगी भारी बारिश, सितंबर में बदलेगा मौसम का मिजाज

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में पिछले तीन-चार दिन से मानसून कमजोर पड़ गया है, लेकिन सितंबर के पहले सप्ताह में मौसम का मिजाज बदलेगा।

एक से तीन सितंबर तक लखनऊ और सुल्तानपुर समेत पूर्वी एवं दक्षिणी यूपी में मध्यम से भारी वर्षा को लेकर अलर्ट किया गया है। इस दौरान 25 जिलों में गरज-चमक के साथ वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है।

वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को बांदा, प्रयागराज, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, संत रवि दास नगर, रायबरेली, सुल्तानपुर, अमेठी, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, संभल और आसपास के कई जिलों में भारी वर्षा के पूर्वानुमान हैं। गुरुवार तक इन जिलों में अच्छी बारिश के संकेत मिल रहे हैं। शुक्रवार रात या शनिवार से मौसम फिर करवट लेगा और मानसूनी सक्रियता में कमी होगी। सोमवार को मुरादाबाद में सर्वाधिक 149 मिमी बारिश हुई, जबकि प्रयागराज में 132 मिमी, चित्रकूट में 67 मिमी वर्षा हुई। राजधानी में सोमवार को सुबह से ही बादलों की आवाजाही के बीच कहीं-कहीं बूंदाबांदी हुई। दोपहर बाद हल्की उमस बढ़ी, लेकिन देर शाम मौसम अचानक बदला और काले बादल छाए रहने के साथ

करीब 30 मिनट तक जोरदार बारिश हुई। हल्की हवा के साथ हुई बरसात से मौसम काफी अच्छा हो गया और लोगों को उमसभरी गर्मी से राहत मिली। गोमतीनगर, हजरतगंज, निशातगंज समेत शहर के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। सोमवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस कम है। अधिकतर जिलों में तापमान की यही स्थिति रही। मंगलवार को दिन का पारा 30 डिग्री सेल्सियस रहने के पूर्वानुमान हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अगस्त माह में उम्मीद से अधिक बारिश हुई। एक अगस्त से 31 अगस्त तक प्रदेश में सामान्य वर्षा 235.5 मिमी की तुलना में 291.3 मिमी यानी करीब 24 प्रतिशत अधिक बरसात हुई है। इसमें पूर्वी यूपी में सामान्य से 20 प्रतिशत और पश्चिमी यूपी में 29 प्रतिशत बादल अधिक बरसे हैं। एक जून से 31 अगस्त तक सामान्य से 0.7 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

2028 राष्ट्रपति चुनावः हेगसेथ के नाम की अटकलों पर ट्रंप ने लगाया विराम; बोले- अभी बहुत जल्दी है

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की अटकलों को फिलहाल खारिज करते हुए कहा कि इस बारे में बात करना अभी बहुत जल्दबाजी है। ट्रंप ने जोर दिया कि पार्टी और सरकार का ध्यान पहले आगामी मिडटर्म चुनावों पर होना चाहिए। ओवल ऑफिस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि हेगसेथ शानदार काम कर रहे हैं, लेकिन 2028 के चुनाव को लेकर चर्चा के लिए अभी काफी समय है। उन्होंने कहा पहले हमें मिडटर्म चुनावों से गुजरना होगा। ट्रंप ने हेगसेथ को बहुत अच्छे व्यक्ति के तौर पर बताया और कहा कि रिपब्लिकन पार्टी में 2028 के लिए संभावित उम्मीदवारों की संख्या काफी ज्यादा हो सकती है। उनके मुताबिक, कई ऐसे लोग भी चुनाव लड़ने पर विचार कर रहे होंगे, जिनके नाम अभी सार्वजनिक नहीं हुए हैं। हेगसेथ की प्राथमिकता सैन्य मामलों पर ही केंद्रित है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने विदेशों में हालिया सैन्य अभियानों का जिक्र करते हुए वेनेजुएला और ईरान में अमेरिकी कार्रवाई का भी उल्लेख किया और दावा किया कि वहां अमेरिका अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। ट्रंप की टिप्पणी से पहले पीट हेगसेथ ने एनबीसी न्यूज की उस रिपोर्ट को खारिज किया था, जिसमें दावा किया गया था कि वह 2028 के राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। हेगसेथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर रिपोर्ट को पूरी तरह गलत बताया। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र काम अमेरिकी रक्षा विभाग को मजबूत बनाना है और वह इसी जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद अगले चुनाव को लेकर राजनीतिक अटकलें अक्सर समय से पहले शुरू हो जाती हैं। हालांकि, ट्रंप और हेगसेथ दोनों की ओर से 2028 की चर्चा को फिलहाल खारिज किए जाने से संकेत मिलता है कि रिपब्लिकन नेतृत्व का सार्वजनिक फोकस आगामी मिडटर्म चुनाव और रक्षा प्राथमिकताओं पर बनाए रखने की कोशिश है।

साठगांठ: चुनाव अभियान के तहत हजारों डॉलर देकर बनवाए जा रहे वीडियो, पैसे देकर अपना प्रचार करा रहे अमेरिकी नेता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चुनाव प्रचार का मैदान तेजी से सोशल मीडिया की ओर खिसक रहा है। उम्मीदवार और उनके अभियान अब टीवी विज्ञापनों और रैलियों के साथ लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भी अपने संदेश का माध्यम बना रहे हैं। लाखों फॉलोअर्स वाले इन क्रिएटर्स की सामान्य वीडियो सामग्री दर्शकों को पारंपरिक राजनीतिक विज्ञापन की तुलना में ज्यादा सहज और विश्वसनीय लगती है। चिंता की बात यह है कि कई मामलों में इन्फ्लुएंसर्स को हजारों डॉलर देकर उम्मीदवारों या राजनीतिक मुद्दों के समर्थन में वीडियो बनवाए गए, लेकिन दर्शकों को स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया कि इन पोस्ट के लिए भुगतान किया गया है। इससे किसी इन्फ्लुएंसर की निजी राय और पैसे लेकर तैयार किए गए राजनीतिक संदेश के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। पेड प्रचार का यह नेटवर्क न्यूयॉर्क टाइम्स की पड़ताल में सामने आया है। पड़ताल के दौरान पाया गया कि कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए उम्मीदवार टॉम स्टेयर के अभियान ने फरवरी से अगस्त के बीच कम से कम 17 इन्फ्लुएंसर्स को 5,000 डॉलर या उससे अधिक का भुगतान किया। इनमें टिकटॉक पर 14 लाख से अधिक फॉलोअर्स वाले कार्लोस एडुआर्डो एस्पिना भी शामिल थे। पूर्व प्रतिनिधि कैटी पोर्टर के अभियान ने 12 इन्फ्लुएंसर्स को कुल 1,39,500 डॉलर दिए। लाइफस्टाइल क्रिएटर एवरी साइरस को एक पोस्ट के लिए 25,000 डॉलर मिले। असल मुद्दा यह नहीं कि इंफ्लूएंसर्स प्रचार का हिस्सा बन रहे, बल्कि सवाल यह है कि लोगों के सामने जाहिर की जा रही उनकी राय कितनी स्वतंत्र है।कैलिफोर्निया में राजनीतिक पेड पोस्ट के लिए भुगतान की जानकारी देने के नियम हैं, लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा।

मुस्लिम नाटो : हथियारों के निर्माण की जमीन तैयार, रियाद में बनेगा मक्का रक्षा गठबंधन का सचिवालय

इस्लामाबाद, एजेंसी। मक्का में हुए त्रिपक्षीय रक्षा समझौते को जमीन पर उतारने की दिशा में तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब ने कदम बढ़ा दिए हैं। इस्तांबुल में सोमवार को तीनों देशों की पहली रणनीतिक, राजनीतिक और रक्षा समिति की बैठक में गठबंधन को औपचारिक संस्थागत ढांचा देने पर सहमति बनी। तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने बताया कि इसका नाम मक्का रक्षा गठबंधन होगा। सचिवालय रियाद में स्थापित किया जाएगा, जबकि पहला महासचिव पाकिस्तान से होगा। गठबंधन के पहले महासचिव का पद पाकिस्तान को मिलना भी महत्वपूर्ण है। सचिवालय रियाद में होने से सऊदी अरब को संस्थागत केंद्र की भूमिका मिलेगी, जबकि पाकिस्तान को संगठन के शुरुआती संचालन में प्रमुख जिम्मेदारी मिलेगी।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनजर समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
1- [illegible]
[illegible]
मोबाइल नम्बर- 9811477204
2- [illegible]
[illegible] एन.आई.टी. नम्बर-5 फरीदाबाद
मोबाइल - 9810229192
3- [illegible] न्यूज एजेन्सी ओल्ड फरीदाबाद
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु, 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम

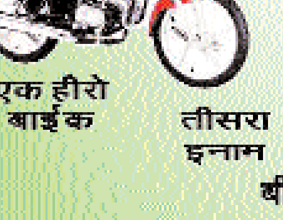

एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम

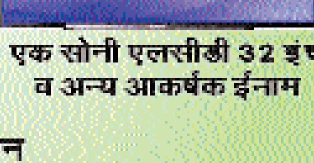

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम

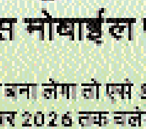

बीस मोबाईल फोन
- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स सेक्टर - 10
फरीदाबाद से प्रकाशित एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा